



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 17—अप्रैल 23, 2004 (चैत्र 28, 1926)
No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 17—APRIL 23, 2004 (CHAITRA 28, 1926)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

[सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]
[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

केनरा बैंक

प्रधान कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 24 मार्च 2004

सं. औसअनु-228 रा-6488-पीएस--बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केनरा बैंक का निदेशक मंडल भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके एवं भारत सरकार की पूर्वानुमति से केनरा बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियम 1995 से आशोधन करने हेतु निम्नांकित विनियम बनाता है, अर्थात् :--

- (1) इन विनियमों को केनरा बैंक (कर्मचारी) पेंशन (आशोधन) विनियम 2004 कहा जाएगा।
(2) ये भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- केनरा बैंक (कर्मचारी) पेंशन विनियम, 1995 में:
(क) विनियम 2, वाक्यखंड (ख) में उप वाक्यखंड (iii) के बाद निम्नांकित उप खंड जोड़ा जाए, अर्थात् :--
“(iv) श्रृंखला 1960 = 100 में औद्योगिक कामगारों के लिए अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 1148 प्वाइंट सूचक संख्या तक परिकलित महगाई भत्ता”;
(ख) विनियम 41 में उप विनियम (6) के लिए निम्नांकित उप विनियम का प्रतिस्थापन किया जाए, अर्थात् :--

" (6) एक आवेदक, जिसको अधिवर्षिता पेन्शन या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेन्शन या समयपूर्व सेवानिवृत्ति पेन्शन अथवा अनिवार्य सेवानिवृत्ति पेन्शन या अशक्तता पेन्शन या अनुकंपा के आधार पर भत्ता प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो, इन विनियमों के अधीन अपने पेन्शन के एक हिस्से का संराशीकरण करने के लिए पात्र होगा ."

बशर्ते कि 01/07/2003 को या उस तारीख से ऐसे किसी आवेदक के संबंध में , जिनके मामले में पेन्शन का संराशीकृत मूल्य उसकी सेवानिवृत्ति के तुरंत अगले दिन या उसके संराशीकरण के पूर्ण होने की तारीख से देय होगा, संराशीकरण के फलस्वरूप पेन्शन की राशि में कमी उसके प्रारंभ से ही लागू होगी . किंतु जहाँ यथास्थिति सेवानिवृत्ति की तारीख के बाद पहले महीने के भीतर अथवा संराशीकरण के पूर्ण होने की तारीख के बाद पहले महीने के भीतर पेन्शन का संराशीकृत मूल्य अदा नहीं किया जा सका, संराशीकरण के पूर्ण होने की तारीख से लेकर उस तारीख तक की अवधि के लिए जिस तारीख को ऐसा माना जाय कि पेन्शन के संराशीकृत मूल्य की अदायगी की गई है, सामान्य मासिक पेन्शन एवं संराशीकृत पेन्शन के बीच के अंतर की राशि अदा की जाएगी . "

पाद टिप्पणी : मूल विनियमों को भारत के राजपत्र में दिनांक 29/09/1995 को और बाद के आशोधनों को निम्न प्रकार से राजपत्र में प्रकाशित किया गया है :

क्रमांक	अधिसूचना संख्या	दिनांक
1.	आईआरएस जी - 228 9348	01/05/1999
2.	आईआरएस जी - 228 (शुद्धिपत्र)	07/08/1999
3.	आईआरएस 228ए 7795 एनएके	27/04/2002
4.	आईआरएस 228ए 3812 आरएस	30/11/2002

वी.वी. श्रीधरन
वी.वी. श्रीधरन
सहायक महा प्रबंधक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च, 2004

सं. एन-15/13/13/6/2003-यो. एवं वि.-कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अप्रैल, 2004 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात:

“जिला गोरखपुर की तहसील--सहजनवां एवं सदर के राजस्व परगना-भौवापार एवं हसनपुर (मगहर) स्थित गोरखपुर इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (गोडा) के अन्तर्गत आने वाले सभी राजस्व ग्राम”।

आर. सी. शर्मा
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

सं. एन-15/13/11/1/96-यो. एवं वि.-कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अप्रैल, 2004 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा पंजाब कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ पंजाब राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात :--

क्र. सं.	राजस्व ग्राम का नाम	हदबस्त संख्या	तहसील	जिला
1.	फतेहगढ़ चन्ना	57	बरनाला	संगरूर
2.	धौला	55	बरनाला	संगरूर
3.	हण्डिया	58	बरनाला	संगरूर
4.	सिविया	71	बठिण्डा	बठिण्डा
5.	पत्री दरमरी	193	रामपुरा फुल	बठिण्डा
6.	गिलकलां	40	रामपुरा फुल	बठिण्डा
7.	शोल	190	रामपुरा फुल	बठिण्डा
8.	सधनी	189	रामपुरा फुल	बठिण्डा
9.	काला	192	रामपुरा फुल	बठिण्डा

आर. सी. शर्मा
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

सं. एन-15/13/13/2/98-यो. एवं वि.-कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 01 अप्रैल, 2004 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा उत्तर प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे, अर्थात :--

“जिला, राजस्व तहसील एवं परगना-लखनऊ के अन्तर्गत राजस्व ग्राम-धांवा, नौबस्ता कलां एवं नगर निगम वाई चिहट तथा राजस्व परगना महोना तहसील बक्सी का तालाब के अन्तर्गत राजस्व ग्राम-गोयला”।

आर. सी. शर्मा
संयुक्त निदेशक (यो. एवं वि.)

चण्डीगढ़, दिनांक 08 मार्च 2004

सं. 12 वी. 34/13/2/92-प्रशा. -- कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 10-ए के अंतर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, क्षेत्रीय बोर्ड पंजाब ने लालडू क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 के अध्याय 4 व 5 पहले से लागू हैं) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-क (1)(क) के अधीन

1. उप प्रांतीय मजिस्ट्रेट
डेराबस्सी

सदस्य

विनियम 10-क (1)(ख) के अधीन

2. चिकित्सा निरीक्षक
कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय,
कार्यालय निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं पंजाब
(सांख्यिक बीमा)
सैक्टर-34ए, चण्डीगढ़।
विनियम 10-क (1)(ग) के अधीन

3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी,
कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय,
डेराबस्सी।
विनियम 10-क (1)(घ) के अधीन

4. श्री नवीन शर्मा (पर्सनल मैनेजर)
मैसर्स नाहर फैब्रिक्स लालडू।
5. श्री सुधीर चोहान, डी.जी.एम.,
मैसर्स राणा पैलीकोट्स लिमिटेड लालडू।

6. श्री जे. पी. सिंह (पर्सनल मैनेजर)
मैसर्स गेटस इण्डिया प्रा. लि. लालडू।
7. श्री गरीश वधवा (पर्सनल मैनेजर)
मैसर्स जे. सी. वी.एल. लालडू।
विनियम 10-क (1)(ड) के अधीन
8. श्री गोपाल सिंह जनरल सैक्रेटरी,
अल्फा ड्रग मजदूर यूनियन
मार्फत अल्फा ड्रग इण्डिया लि. लालडू।
9. श्री कृष्ण लाल (प्रधान),
सम्राट फोरजिंग वर्कर्स यूनियन,
घोलू माजरा (डेराबस्सी)
मार्फत सम्राट फोरजिंग लि.
घोलू माजरा।
10. श्री संदीप कुमार रोकड़िया,
आनन्द निशिकांवा वर्कर्स यूनियन,
चण्डीगढ़।
11. श्री प्रितपाल (प्रधान),
एस.पी. स्प्रिंग मजदूर यूनियन (रजि.)
एस. पी. स्प्रिंग लि.
घोलू माजरा, डेराबस्सी।
12. सदस्य सचिव,
विनियम 10-क (च) के अधीन
प्रबन्धक,
शाखा कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम,
लालडू।

आज्ञा से

टी. आर. गौतम
क्षेत्रीय निदेशक

पंजाब विश्वविद्यालय

सं. 1-2004/जी.आर.

केन्द्र सरकार /मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय/ शिक्षा विभाग/ ने अपने पत्रांक एफ. 3-6/96 डेस्क/यू. टी. /दिनांक 24.6.2002 के द्वारा निम्नलिखित विनियमों को अनुमोदित कर दिया है:-

1. पंजाब विश्वविद्यालय की नियमावली खंड-1, 1994 के पृष्ठ 195 पर दिये गए, संबद्ध राजकीय-इतर महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के आचरण तथा उनकी सेवा-शर्तों से संबंधित विनियम संख्या 20.1
- 20.1. कोई भी प्राध्यापक/प्राध्यापिका स्वयं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में किसी भी अन्य व्यवसाय, उद्यम या व्यापार से नहीं जोड़ेगा अथवा अन्य कोई आजीविका नहीं अपनायेगा अथवा निजी तौर पर ट्यूशन नहीं करेगा/करेगी। यह प्रावधान किया जाता है कि कोई भी प्राध्यापक/प्राध्यापिका किसी सामाजिक या परोपकारी प्रकृति के कार्य को कर सकता/सकती है बशर्ते उसके इस कार्य से उसके दायित्व-निर्वाह में बाधा नहीं पड़ती हो। प्राचार्य के द्वारा निर्देश दिये जाने पर उसे ऐसे कार्य को करना पड़ेगा या बंद करना पड़ेगा। प्राचार्य के संबंध में प्रबंधकर्त्री समिति का आदेश माना जायेगा। यह भी प्रावधान किया जाता है कि इस विश्वविद्यालय/या अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों/तद्वत् विश्वविद्यालयों/ राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों/लोक

सेवा आयोगों/अन्य नियमित संस्थाओं के परीक्षा कार्य को सम्पादित करने के लिए किसी अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है, यदि इस कार्य से होने वाली आय स. 10000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो, या सभी परीक्षा कार्य जिसके लिए प्राचार्य की प्रबंधसमिति की पूर्वानुमति ली जा चुकी हो और उससे कोई अतिरिक्त आय हो चुकी हो और उससे कोई अतिरिक्त आय होने वाली हो, पूर्वानुमति लेना आवश्यक होगा।

2. पंजाब विश्वविद्यालय की नियमावली खंड-2, 1995 के पृष्ठ 55 पर लिये गये बी. ए./बी. एस. सी./सामान्य तथा आनर्स./परीक्षा से संबंधित विनियम सं. 27/2 परिवर्धन जिसे सीनेट/भारत सरकार के अनुमोदन तथा राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशित होने की प्रत्याशा में प्रभावी सझा गया।

27/2/- कोई भी अभ्यर्थी जिसे पूरक परीक्षा में सम्मिलित होने के योग्य घोषित किया गया हो, अगली उच्चतर कक्षा में शर्ताधीन प्रवेश प्राप्त कर सकता है। यदि वह लगातार दो परीक्षाओं में भी पूरक परीक्षा वाले विषय को उत्तीर्ण नहीं कर पाता है, जो अगली उच्चतर परीक्षा का परिणाम निरस्त समझा जायेगा। पूरक परीक्षा के विषय में वह नियमित छात्र या पूर्व विद्यालय छात्र के रूप में परीक्षा दे सकता है।

यह प्रावधान किया जाता है कि यदि कोई अभ्यर्थी बी. ए./बी. एस. सी. भाग - 2 की परीक्षा के लिए पूरक परीक्षा के विषय को दो लगातार अवसरों में भी

उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहता है और बी.ए./बी.एस. सी भाग 3 की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है तो उसे दूसरे अवसर का प्रयोग कर लेने के तुरन्त बाद दो अन्य अतिरिक्त अवसर पूरक परीक्षा के उस विषय को उत्तीर्ण करने के लिए दिये जायेंगे। यदि वह इन दो अतिरिक्त अवसरों में भी उस विषय को उत्तीर्ण नहीं कर पाता तो उसे असफल घोषित कर दिया जायेगा और उसका बी. ए./बी. एस सी भाग 3 का परीक्षा परिणाम तत्काल निरस्त हो जायेगा। यह भी प्रावधान किया जाता है कि बी. ए./बी.एस. सी भाग-1 के परीक्षार्थी को जो पूरक परीक्षा के विषय में दो अनवरत अवसरों में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, किन्तु वह बी. एस./बी. एस. सी. भाग 2 की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है, दूसरे अवसर के तुरन्त बाद दो अतिरिक्त अवसर दिये जायेंगे। यदि वह इन दो अतिरिक्त अवसरों के प्रयोग के बाद भी उस पूरक परीक्षा के विषय में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जायेगा तथा उसका बी. ए./बी. एस. सी-2 का परीक्षा परिणाम निरस्त समझा जायेगा। जब तक वह बी.ए./बी.एस.सी. भाग 1 की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता है, उसे बी.ए./बी.एस.सी भाग - 3 के लिए प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी।

3. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ की नियावली खंड-2, 1995 ई. के पृ. 77-78 पर परा स्नातक परीक्षाओं के लिए विनियत 2.1 में व परिवर्तन, जो 1997 ई. की परीक्षाओं से लागू होगा-

- 2.1 परा स्नातक उपधि के लिए निम्नलिखित विषयों में परीक्षा होगी तथा कोई भी अभ्यर्थी इनमें से कोई एक विषय चुन सकता है

.....
शर्त यह है कि: -

1. कोई भी अभ्यर्थी मनोविज्ञान या समाजशास्त्र या सांक्षयिकी या ललितकला या लोकप्रशासन का विषय ले सकता है, यदि उसने ललितकला या लोकप्रशासन का विषय ले सकता है, यदि उसने विश्वविद्यालय से संबद्ध विभाग या संबद्ध महाविद्यालय से पाठ्यक्रम पूरा कर लिया हो, इस प्रावधान के लिए एम. ए. /ललित कला/ के नियम 3.2 के अधीन स्वीकृत छूट दी जायेगी।
2. कोई भी अभ्यर्थी भूगोल का विषय तभी ले सकता है यदि उसने वह विषय बी. ए. या बी. एस. सी परीक्षा में उत्तीर्ण किया हो,
3. कोई भी अभ्यर्थी संगीत /गायन/ या संगीत/ बाद्य/ तभी ले सकता है यदि उसने -
 - अ) यह विषय बी.ए. परीक्षा में 45 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण किया हो, या -
 - आ) किसी मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमित विद्यालय या महाविद्यालय में अध्यापन कर रहा हो।
4. कोई भी अभ्यर्थी भारतीय शास्त्रीय नृत्य का विषय तभी ले सकता है, यदि उसने।

1. पंजाब विश्वविद्यालय की बी. ए. परीक्षा भारतीय शास्त्रीय नृत्य कला विषय में 45 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण की हो, या
2. बी.ए. की परीक्षा में उसके कुल प्राप्तांक 50 प्रतिशत हो, या
3. बी. ए. की परीक्षा भारतीय शास्त्रीय नृत्य के विषय के बिना ही उत्तीर्ण की हो, बशर्ते उसने पंजाब विश्वविद्यालय के द्वारा बी. ए. के समकक्ष मान लिए गए किसी अन्य विश्वविद्यालय के डिप्लोमा/उपधि को प्राप्त कर लिया हो, तथा उसका स्तर पंजाब विश्वविद्यालय के बी.ए. के भारतीय शास्त्रीय नृत्य विषय के समकक्ष हो।

कोई भी अभ्यर्थी प्रतिरक्षा तथा सामरिक नीति अध्ययन का विषय तभी ले सकता है यदि उसने बी. ए./बी. एस. सी. की परीक्षा सैन्य विज्ञान अनिवार्य के रूप में, या राजनीति विज्ञान, या इतिहास या भूगोल या भूगर्भविज्ञान विषय के साथ उत्तीर्ण की हो।

पंजाब विश्वविद्यालय की नियमावली खंड-2, 1995 ई. के पृ. 78-79 पर मुद्रित एम. ए. परीक्षा के लिए विनियम 3.1/3/, जो 1996.97 की परीक्षाओं से प्रभावी होगा।

3.1 कोई भी अभ्यर्थी निम्नलिखित परीक्षाओं में से किसी एक को इस विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण कर लिया हो, या पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर से 1948 के

पहले उत्तीर्ण कर लिया हो, या किसी ऐसे अन्य विश्वविद्यालय ने अपनी परीक्षा के समतुल्य मान लिया हो, एम.ए. पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त करने का अधिकारी समझा जायेगा: -

1. परा स्नातक पाठ्यक्रम के विषय में बी. ए. /आनर्स/ की परीक्षा,
2. अ) किसी भी संकाय की स्नातक परीक्षा जिसमें कुल प्राप्तांक कम से कम 50 प्रतिशत हो,

आ) बी. ए. बी. एस. सी. परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के उपरान्त फिजीकल एजुकेशन में डिप्लोमा परीक्षा या पुस्तकालय विज्ञान में परा-स्नातक डिप्लोमा परीक्षा,

3. अ) बी. ए./बी.एस.सी परीक्षा, जो सभी विषयों में उत्तीर्ण की गई हो तथा परा स्नातक पाठ्यक्रम वाले विषय में कम से कम 45 प्रतिशत प्राप्तांक हों।

आ) या अंग्रेजी माध्यम से बी. ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की गई हो तथा परा-स्नातक पाठ्यक्रम वाले विषय में कम से कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किये गये हों।

5. पंजाब विश्वविद्यालय की विनियमावली, खंड-2, 1995 ई. पृष्ठ 174 पर किया गया विनियम, जिसका संबंध कला, भाषा, शिक्षा, विज्ञान तथा डिजाइन एंड फाईन आर्ट्स के संकायों की पी. एच. डी. उपाधि से है तथा जिसे भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित होने, सिंडीकेट/सीनेट/भारतसरकार के

अनुमोदन की प्रत्याशा में लागू किया गया: -

- 17.1 शोध प्रबंध अभ्यर्थी के निर्देशक तथा विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विभागाध्यक्ष के द्वारा प्रस्तावित परीक्षकों की सूची में से किन्हीं उन दो परीक्षकों के पास भेजा जायेगा, जिनकी नियुक्ति संयुक्त शोध बोर्ड या कुल पति के द्वारा की गई हो: -

5. पंजाब विश्वविद्यालय की विनियमावली, भाग-2, 1995 ई. के पृष्ठ 278 पर दिए गए प्रावधान में परिवर्तन और जिसे भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित होने/सीनेट/भारत सरकार के द्वारा अनुमोदित किये जाने की प्रत्याक्षा में लागू किया गया।
- 11.2 किसी भी अभ्यर्थी को, जिसने सभी विषयों में कुल अंक 35 प्रतिशत प्राप्त किए हों तथा एक विषय में अनुत्तीर्ण रह गया हो तथा उस विषय में 20 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त नहीं किए हों, आगामी दो निरन्तरित परीक्षाओं में सम्मिलित होने की अनुमति होगी, और यदि वह इन दोनों में से किसी एक परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाता है, तो उसे उस सम्पूर्ण परीक्षा में उत्तीर्ण समझा जायेगा।

जिस अभ्यर्थी को यह सुविधा मिली होगी, उसको अगली उच्चतर कक्षा में

प्रवेश पाने का अधिकार सशर्त होगा, यदि वह पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण विषय में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, तो उसे पुनः आगामी वार्षिक परीक्षा में परीक्षा देने की अनुमति होगी, और यदि वह दूसरी बार भी परीक्षा में उस विषय में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, तो उसके दूसरे या तीसरे वर्ष का परीक्षा परिणाम, जैसी भी स्थिति हो, निरस्त कर दिया जायेगा। पूरक परीक्षा वसले विषय में आगामी वार्षिक परीक्षा में वह “रेगुलर” या “लेट कालेज स्टूडेंट” के रूप में बैठ सकता है।

यह प्रावधान किया जाता है कि यदि कोई बी. काम भाग-2 का अभ्यर्थी पूरक परीक्षा के विषय को दो लगातार अवसरों उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तथा बी. काम भाग 3 की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है, तो उसे पहले दोनों प्रयुक्त अवसरों के तत्काल बाद दो और अवसर दिये जायेंगे। यदि वह इन दो अतिरिक्त दिए गए अवसरों में भी उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जायेगा और उसका बी. काम भाग-3 का परीक्षा परिणाम उसी समय से निरस्त समझा जायेगा।

यह भी प्रावधान किया जाता है कि यदि बी. काम भाग-1 का कोई अभ्यर्थी, जो पूरक परीक्षा के विषय में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है तथा बी. काम भाग 2 की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेता है, तो उसे प्रयुक्त दूसरे अवसर के तत्काल बाद दो और अवसर

दिये जायेगें। यदि वह इन दो अतिरिक्त प्राप्त अवसरों में भी उस विषय में उत्तीर्ण नहीं हो पाता है, तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जायेगा और उसका बी. काम भाग 2 का परीक्षा परिणाम तत्काल निरस्त समझा जायेगा। ऐसे अभ्यर्थी को बी. काम भाग-3 में प्रवेश लेने या परीक्षा देने की तब तक अनुमति नहीं होगी, जब तक वह बी. काम भाग-1 की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेता।

7. पंजाब विश्व विद्यालय की विनियमावली, खंड-2, 1995 ई. के पृष्ठ 330-334 पर मुद्रित विनियम सं. 1.3ए2.2;4.1ए5.1ए5.2 तथा 5.3 जिसका सम्बन्ध “मास्टर आफ लाज़” परीक्षा से है, को भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित होने तथा भारत सरकार/सीनेट के अनुमोदन की प्रत्याशा में सत्र 1997-1998 ई. से प्रभावी बनाया जायेगा गया :-

- 1.3 प्रवेश के फार्म तथा शुल्क के साथ या उसके बिना जैसा भी सिंडीकेटर के द्वारा निर्णित हो, की स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि परीक्षा-नियंत्रक के द्वारा घोषित की जायेगी।
2. जिस भी व्यक्ति ने एल.एल.एम. भाग-1 परीक्षा के चार में से कम से कम तीन प्रश्नपत्र उत्तीर्ण कर लिए हों वह ही एल. एल. एम. भाग-2 की कक्षा में प्रवेश पा सकेगा।

तथापि, यदि वह चार में से कम से कम दो प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण नहीं पाता है, तो उसे अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जायेगा। और वह एल. एल. एम.

भाग-2 में पुनः प्रवेश के लिए पात्रता से वंचित माना जायेगा। फिर भी, वह एल. एल. एम. भाग-1 की परीक्षा के चारों प्रश्नपत्रों में निजी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दे सकता है, बशर्ते वह अन्य संबंध विनियमों के प्रावधानों के अधीन इसके उपयुक्त माना जाये। यदि कोई व्यक्ति चार में से तीन प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण हो जाता है, तो वह शेष प्रश्नपत्र में निजी परीक्षार्थी के रूप में पुनः परीक्षा दे सकता है।

4.1 प्रत्येक भाग के लिए परीक्षार्थी के द्वारा देय परीक्षा शुल्क उतना होगा, जितना विश्वविद्यालय समय समय पर तय करेगा।

5.2 एल. एल. एम. भाग 1 तथा भाग-2 की परीक्षा विधि संकाय के द्वारा पारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

5.3 अ) एल. एल. एम. भाग-1 में चार प्रश्नपत्र होंगे

आ) प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 होगा।

5.3 अ) एल. एल. एम. भाग-2 में 100-100 अंकों के तीन प्रश्न पत्र होंगे-

इन तीनों प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त विद्यार्थी को एल लघु शोध प्रबन्ध भी परीक्षार्थ प्रस्तुत करना होगा, जिसका पूर्णांक 100 होगा। इसमें से 25 अंक मौखिक परीक्षा के होंगे।

आ) इस अभ्यर्थी को, जो एल. एल. एम. भाग-2 परीक्षा के किसी विशिष्ट समूह (ग्रुप) में लघु शोध प्रबन्ध सहित तीन में से दो प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण हो

जाता है, एल. एल. एम. भाग-1 में उसकी प्रवेश तिथि से पाँच वर्षों के अन्दर अनुत्तीर्ण रह गए प्रश्न पत्र में पुनः परीक्षा देने के अनुमति होगी। यदि वह एल. एल. एम. भाग-2 के प्रश्नपत्रों में से केवल एक में ही उत्तीर्ण हो पाता है, तो उसे निजी अभ्यर्थी के रूप में एल. एल. एम. भाग-2 के सभी प्रश्न पत्रों की पुनः परीक्षा देने की अनुमति होगी।

इ) यदि कोई अभ्यर्थी एल. एल. एम. भाग-2 में अनुत्तीर्ण हो जाता है और वह लघु शोध प्रबन्ध में उत्तीर्णार्थक प्राप्त कर लेता है, यदि वह चाहे तो एल. एल. एम. भाग 1 की प्रवेश तिथि से पाँच वर्षों तक इस लघु शोध प्रबन्ध के अंको को पुनः मूल्यांकन के बिना, बनाए रख सकता है।

ई) यदि कोई अभ्यर्थी लघु शोध प्रबन्ध में उत्तीर्णार्थक प्राप्त नहीं कर पाता है, तो वह विधि के नियंत्रक मंडल के द्वारा प्रदत्त अनुमति से, उसी विषय के संशोधित रूप पर या अन्य किसी विषय पर, जैसा भी नियंत्रक मंडल का अनुमोदन हो, फिर से लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत कर सकता है, किन्तु उसे एल. एल. एम. भाग-1 की प्रवेश तिथि के पाँच वर्षों के अन्दर ही लघु शोध प्रबन्ध के प्रश्न पत्र को उत्तीर्ण करना होगा।

9. पंजाब विश्वविद्यालय की विनियमावली भाग-2, 1995 ई. के पृष्ठ 377 पर मुद्रित एम. बी. बी. एस. परीक्षा से संबंधित विनियम सं. 1.3

1.3	ये परीक्षाये निम्नलिखित रूप में या सिंडीकेट के द्वारा तय किए गए
-----	---

	रूप में वर्ष में दो बार आयोजित की जायेंगी।	
	प्रथम एम. बी. बी. एस	मार्च और नवम्बर का द्वितीय सप्ताह
	द्वितीय एम. बी. बी. एस	मई और सितम्बर का द्वितीय सप्ताह
	एम. बी. बी. एस. अंतिम वर्ष भाग-1	मई और सितम्बर का द्वितीय सप्ताह
	एम. बी. बी. एस. अंतिम वर्ष भाग-2	नवम्बर का तीसरा सप्ताह और मई का पहला सप्ताह

10. दंत शल्य चिकित्सा में परा स्नातक परीक्षा से संबंधित विनियम 1.3, जो पंजाब विश्वविद्यालय की विनियमावली भाग-2, 1995 ई. के पृष्ठ 410 पर मुद्रित है तथा जो 1998 के प्रवेश से प्रभावी बनाया गया।

1.3 दस महीनों के उपरान्त पहले भाग की परीक्षा होगी। तथा भाग - 2 की परीक्षा तीन वर्षों के उपरान्त मई/जून के महीने में तथा नवम्बर/दिसम्बर के महीने में या सिंडीकेट के द्वारा तय की गई तिथियों पर होगी।

11. बी. एस. सी /आनर्श स्मूल/ परीक्षा/ वार्षिक पद्धति/ से संबंधित विनियम 6.1, जिसे 1996-1987 के सत्र से प्रभावी बनाया गया।

6.1 आनर्स स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पढ़ना अनिवार्य होगा:-

1. प्रधान विषय
2. सहायक विषय
3. अंग्रेजी/प्रथम वर्ष में
4. पर्यावरण-शिक्षा-50 अंक

प्रथम वर्ष में एक अनिवार्य

बर्हता- गामी प्रश्नपत्र

के रूप में

नोट:- यह एक अनिवार्य प्रश्न पत्र है जिसे अभ्यार्थियों को कम से कम 33 प्रतिशत प्राप्तांक के साथ उत्तीर्ण करना है, चाहे प्रथम वर्ष में, या द्वितीय वर्ष में, या पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष में।

5. पंजाबी/द्वितीय वर्ष में।

प्रत्येक नियंत्रक मंडल सहायक विषयों की संख्या और उनका स्वरूप निश्चित करेगा, जिसका अनुमोदन अकादमिक कौंसिल से लेना होगा।

आनर्स स्कूल	सहायक विषय
-------------	------------

नृतत्व शास्त्र	जैव - रसायन शास्त्र, भूगर्भविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, जीवविज्ञान, या वनस्पति विज्ञान एवं जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, भौतिका, रसायनशास्त्र, सूक्ष्म-प्राणि विज्ञान, जैव भौतिकी तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।
जैव - रसायन विज्ञान	<p><u>प्रथम वर्ष -</u></p> <p>रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी, सूक्ष्म-आपि विज्ञान, जैव भौतिकी, तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।</p> <p><u>द्वितीय वर्ष -</u></p> <p>रसायन विज्ञान, जैव भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, सूक्ष्म प्राणि विज्ञान मानव शरीर विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा जीव विज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।</p>
जैविकी भौतिकी	<p><u>प्रथम वर्ष -</u></p> <p>वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।</p> <p><u>द्वितीय वर्ष -</u></p> <p>जैव - रसायन विज्ञान, भौतिकी, सूक्ष्म - जैविकी, गणित तथा</p>

	कम्प्यूटर अनुप्रयोग
वनस्पति विज्ञान-	जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, भूगर्भविज्ञान, जैव रसायन, जैव भौतिकी, सूक्ष्म-जैविकी, नृतत्व विज्ञान, कम्प्यूटर-अनुप्रयोग, जैव प्रौद्योगिकी।

प्रस्तावित विनियम

रसायन विज्ञान	भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, भूगर्भविज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, कम्प्यूटर अनुप्रयोग तथा
भूगर्भविज्ञान	गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगोल वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, नृतत्व विज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।
गणित	भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगर्भविज्ञान भूगोल, अर्थशास्त्र, दर्शन, गणकीय/कम्प्यूटेशनल/ तकनीक, जैव विज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग
सूक्ष्म जैविकी	<u>प्रथम वर्ष -</u> रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी, तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग। <u>द्वितीय वर्ष -</u> जैव-भौतिकी, जैव रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान

	नृतत्व विज्ञान तथा कम्प्यूटर विज्ञान
भौतिकी	गणित, रसायन विज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, जीव विज्ञान, जैव भौतिकी, गणकीय तकनीक तथा भूगर्भविज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग।
जीव विज्ञान	वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगर्भविज्ञान, जैव भौतिकी, सूक्ष्म-जैविकी, नृतत्व विज्ञान तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग

12. एम. एस. सल. /आनर्स स्कूल/ /वार्षिक पद्धति/ से संबंधित विनियम 2.2

जिसे सत्र 1998-1999 से प्रभावी बनाया गया।

2.2 जिस किसी अभ्यर्थी ने एम. एस. सी. /आनर्स स्कूल/ भाग-1 की परीक्षा संबंध विषय में उत्तीर्ण कर ली है, वह उस पाठ्यक्रम के भाग-2 में प्रवेश का अधिकारी होगा।

बशर्ते यदि कोई अभ्यर्थी एम. एस. सी. /आनर्स स्कूल/ भाग-1 की वार्षिक परीक्षा देता है, उसने दो तिहाई मूल्यांक एम. एस. सी. आनर्स स्कूल के भाग-1 में प्राप्त कर लिए हैं और उसे किसी भी प्रश्न पत्र को उत्तीर्ण करना शेष नहीं है, तो वह एम. एस. सी. भाग-2 के द्वितीय वर्ष में सशर्त प्रवेश पा सकता है।

3. रोजगारोन्मुख कृषि में डिप्लोमा पाठ्यक्रम से संबंधित विनियम, जिसे 1997

के प्रवेश से प्रभावी बनाया गया।

- 1.1 रोजगारोन्मुख कृषि में डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अविध एक अकादमिक वर्ष होगी।
- 1.2 इस पाठ्यक्रम की परीक्षा वर्ष में एक बार, सामान्यतः अप्रैल मई के महीने में, या सिंडीकेट के द्वारा नियत/किसी अन्य तिथि पर, आयोजित की जायेगी।
- 1.3 परीक्षा की तिथि तथा नियम शुल्क के साथ प्रवेश फार्म की प्राप्ति की तिथि सिंडीकेट के द्वारा तय तथा परीक्षा नियंत्रक के द्वारा अधिसूचित की जायेगी।
2. वही अभ्यर्थी इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पा सकेगा, जिसने पंजाब विश्वविद्यालय के द्वारा बी. एस. सी /आनर्स स्कूल/ में प्रवेश के लिए मान्य किसी प्रमाणीकृत मान्यता प्राप्त बोर्ड /विश्वविद्यालय/ कौंसिल या उसके समकक्ष किसी संस्था से -2 की परीक्षा उत्तीर्ण की होगी।
3. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एक प्रवेश-परीक्षा के आधार पर या समय समय पर सिंडीकेट के द्वारा तय की गई पद्धति के आधार पर मिलेगा।
4. यह परीक्षा संकाय द्वारा समय समय पर तय किए गए पाठ्यवृत्त के आधार पर आयोजित की जायेगी।
5. वही व्यक्ति इस परीक्षा को देसकेगा, जिसके पास विनियम 2 में

उल्लिसित योग्यताएं होंगी और जो मुख्य संयोजक संबंध प्राचार्य के द्वारा हस्तक्षरित निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा: -

अ) उत्कृष्ट चरित्र का प्रमाण पत्र

आ) परीक्षा के आसन्नपूर्व के सत्र में संबद्ध विभाग/कालेज का नियमित विद्यार्थी रहने का प्रमाण पत्र

छ) प्रवेश सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक प्रश्न पत्र में पृथक पृथक रूप में कक्षा में दिए गए व्याख्यानों में कम से कम 55 प्रतिशत उपस्थिति का प्रमाण - पत्र।

6. व्यावसायिक कृषि में सिंडीकेट के द्वारा नामित एक पाठ्यक्रम समिति होगी। यदि विश्वविद्यालय के विभाग में यह पाठ्यक्रम चलता है, तो मुख्य संयोजक तथा कार्यकारी संयोजक की नियुक्ति कुलपति के द्वारा होगी तथा कालेज के लिए यह नियुक्ति प्राचार्य करेगा। मुख्य संयोजक की सहायता पाठ्यक्रम संयोजक करेंगे, जो विश्वविद्यालय कालेज के विभिन्न विभागों से होंगे, जहां यह पाठ्यक्रम चलेगा।

7. संबद्ध मुख्य संयोजक/प्राचार्य की संस्मृति पर आवश्यक उपस्थिति में कमी को निम्नलिखित रूप में क्षमा दान मिल सकेगा।

अ) संयोजको की समिति के द्वारा 5 प्रतिशत तक का क्षमादान।

आ) डी. सू. आई/प्राचार्य के द्वारा 10 प्रतिशत तक का क्षमादान।

- इ) कुलपति के द्वारा 15 प्रतिशत तक का क्षमादान।
8. परीक्षा का भाषाई—माध्यम अंग्रेजी या हिन्दी या पंजाबी होगा।
9. परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्राप्तांक 40 प्रतिशत होंगे, जो प्रत्येक लिखित प्रश्नपत्र, प्रायोगिकी प्रश्नपत्र, मौसिकी परीक्षा तथा सत्रमें लेने होंगे।
10. अभ्यर्थी का परीक्षा - परिणाम केवल उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण रूप में होगा। तथापि, अपवाद के मामलों में /यथा बीमारी के आधार पर /पाठ्यक्रम-समिति पुनः परीक्षा की अनुमति दे सकेगी, जो एक से अधिक प्रश्न पत्र में लागू नहीं होगी। यह परीक्षा आगामी नियमित परीक्षा के समय होगी। कोई विशेष परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी।
11. उत्तीर्ण अभ्यर्थी निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत होंगे: -

		प्रथम श्रेणी
अ)	कुल योगांकों में से 75 प्रतिशत अंक या उससे अधिक पाने वाले विशिष्टता के साथ
आ)	कुल योगांकों में से 60 प्रतिशत या उससे अधिक किन्तु 75 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले प्रथम श्रेणी

इ)	कुल योगोंकों में से 50 प्रतिशत अंक या उससे अधिक किन्तु 60 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले द्वितीय श्रेणी
ई)	कुल योगोंकों में से कम से कम 40 प्रतिशत तथा 50 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले तृतीय श्रेणी

12. परीक्षा नियंत्रक परीक्षा-समाप्ति के चार सप्ताहों के उपरान्त या यथा सम्भव शीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित कर देगा।

13. प्रत्येक सफल अभ्यर्थी को डिप्लोमा-प्रमाणपत्र मिलेगा, जिसमें उसकी श्रेणी के साथ साथ, उसके प्राप्तांक तथा कुल योगांक दिए गए होंगे।

14. सत्र 1997-98 से प्रभावी होने वाला द्वि-वर्षीय जन संचार परा स्नातक पाठ्यक्रम से संबंधित विनियम।

1.1 परास्नातक जन संचार पाठ्यक्रम /एम. एस. सी. की अवधि दो अकादमिक सत्रों की होगी।

1.2 यह एक पूर्ण कालिक पाठ्यक्रम होगा।

1.3 एम. एस. सी. की परीक्षा दो भागों में होगी। भाग-1 की परीक्षा पहले वर्ष के अन्त में तथा भाग 2 की परीक्षा दूसरे वर्ष के अन्त में होगी।

1.4 भाग-1 तथा भाग-2 की परीक्षा सामान्यतः वार्षिक रूप में अप्रैल के महीने में या सिंडीकेट के द्वारा तय की गई तिथियों पर होगी।

- 1.5 परीक्षा तथा प्रवेश का फार्म स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि की अधिसूचना, विलम्ब शुल्क के बिना तथा विलम्ब शुल्क के साथ, सिंडीकेट के द्वारा तय होकर जनसंचार विभाग के अध्यक्ष को दी जायेगी।
- 1.6 परीक्षा की तिथियां सिंडीकेट के द्वारा तय होकर परीक्षा नियंत्रक के द्वारा जन संचार विभाग के अध्यक्ष को अधिसूचित की जायेगी।
- 2.1 इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एक प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जायेगा, जिसे सिंडीकेट के द्वारा तय किए गए नियमों के आधार पर विश्वविद्यालय आयोजित करेगा। इस प्रवेश परीक्षा में लिखित परीक्षा, समूह चर्चा तथा साक्षात्कार होगा।
- 2.2 वह अभ्यर्थी
- अ) जो पंजाग विश्वविद्यालय का स्नातक हो
- या
- आ) जो किसी अन्य विश्वविद्यालय से/अ/ के समकक्ष मान्यताप्राप्त किसी योग्यता का धारक को, एम. एस. सी. की प्रवेश-परीक्षा दे सकता है।
- 3.1 वही विद्यार्थी भाग-1 की परीक्षा दे सकेगा -
1. जो एम. एस. सी. पाठ्यक्रम में जनसंचार विभाग में परीक्षा पूर्व सत्र में नियमित विद्यार्थी रहा हो।

2. जो जन संचार विभाग के अध्यक्ष के द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित

प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा: -

अ) अच्छा चरित्र होने का,

आ) परीक्षा पूर्व के सत्र में प्रत्येक प्रश्नपत्र में कम से कम 65

प्रतिशत उपस्थित रहने का,

इ) आन्तरिक मूल्यांकन में कम से कम 25 प्रतिशत प्राप्तांक होने

का/ ये अंक अकादमिक सत्र में मार्च मास के अंत तक

विद्यार्थी को अध्यापको के द्वारा आन्तरिक मूल्यांकन

टेस्ट/प्रायोगिक कार्य के आधार पर दिये जायेंगे।

4.1 वही विद्यार्थी एम. एस. सी. भाग-2 में प्रवेश प्राप्त कर सकेगा, जिसने भाग-1 की परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में कम से कम 40 प्रतिशत अंक तथा कुल अंक 50 प्रतिशत प्राप्त किए हों।

4.2 यदि किसी विद्यार्थी ने कुल अंक 50 प्रतिशत प्राप्त कर लिए हों, किन्तु एक प्रश्न पत्र में कम से कम 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए अनुत्तीर्ण रह गया हो, वह भाग-2 की कक्षा में प्रवेश प्राप्त कर सकता है।, किन्तु उसे इसके बाद की भाग-1 की परीक्षा में अनुत्तीर्ण प्रश्न पत्र की उत्तीर्ण कर लेना होगा।

5. भाग-2 की परीक्षा वही विद्यार्थी दे सकेगा, जिसने धारा 4.1 के अनुसार भाग-1 की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, या बेचलर आफ मास कम्यूनिकेशन की परीक्षा पास कर ली हो या 4.2 के अधीन योग्य माना गया हो तथा
 1. जो परीक्षा से सद्यः पूर्व के अकादमिक सत्र में एम. एस. सी भाग-2 की कक्षा में नियमित विद्यार्थी रहा हो
 2. जिसने जन सञ्चान विभाग के अध्यक्ष के द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिये हों:-
 - अ) परीक्षा से सद्यः पूर्व के सत्र में कक्षा में दिए गए व्याख्यानो में प्रत्येक पत्र में कम से कम 65 प्रतिशत उपस्थित रहने का
 - आ) आन्तरिक मूल्यांकन में कम से कम 25 प्रतिशत प्राप्तांक का/ये अंक अध्यापको के द्वारा, कक्षा में दिए गये टेस्ट, प्रायोगिक कार्य के आधार पर दिये जायेंगे, जो उस अकादमिक सत्र में मार्च के मासान्त तक विद्यार्थी ने किया होगा।
6. विभागाध्यक्ष भाग-1 तथा भाग-2 के प्रत्येक प्रश्न पत्र में दिए गए कुल व्याख्यानो ट्यूटोरियल्स प्रायोगिक कार्य, सेमिनार में अलग अलग रूप में 10 प्रतिशत की उपस्थिति का क्षमा-दान का अधिकारी होगा।
 - 6.2. कोई विद्यार्थी, जो अपेक्षित संख्या में व्याख्यानो में उपस्थित रहा हो, किन्तु उसने परीक्षा नहीं दी हो, या परीक्षा में अनुत्तीर्ण रह गया हो, संबंध परीक्षा

का वह भाग पूर्ण करने के तीन वर्ष के अन्दर ही निजी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देने का अधिकारी होगा।

7. परीक्षा के लिये विद्यार्थी के द्वारा देश शुल्क की राशि सिंडीकेट के द्वारा समय समय पर तय की गई होगी।
8. परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी/हिन्दी/पंजाबी भाषा होगी।
9. भाग-1 तथा भाग-2 की परीक्षा संकाय द्वारा तय किये गए पाठ्यवृत्त के आधार पर आयोजित होगी।
- 10.1 एम.एस. सी पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत प्राप्तांक तथा भाग-1 तथा भाग-2 दोनों अलग अलग 50 प्रतिशत प्राप्तांक अपेक्षित होंगे।
- 10.2 उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करेंगे, उनको प्रथम श्रेणी में, तथा शेष को द्वितीय श्रेणी में रखा जायेगा।
- 10.3 यदि किसी विद्यार्थी के भाग-1 तथा भाग-2 दोनों में अलग अलग कुल अंको के 50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिये हों लेकिन एक प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण रह गया हो और उस प्रश्न पत्र में उसने कम से कम 25 प्रतिशत प्राप्तांक हों, तो वह चाहे तो, आगामी परीक्षा/परीक्षाओं के लिए प्रवेश पा सकता है, और यदि वह उस प्रश्नपत्र को भी उत्तीर्ण कर लेता है। तो वह पूरी परीक्षा उत्तीर्ण समझा जायेगा, बशर्ते उसने उस प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण रह

जाने के बाद की निरन्तरित तीन परीक्षाओं में उसे उत्तीर्ण कर लिया हो।

10.4 परीक्षा- नियंत्रक परीक्षा के चार सप्ताह के बाद, या यथा संभव शीघ्रताशीघ्र, इस परीक्षा का परिणाम घोषित कर देगा।

5. प्रत्येक सफल अभ्यर्थी को उपाधि दी जायेगी, जिसमें उसकी श्रेणी लिखी होगी, जिसमें उसने परीक्षा उत्तीर्ण की है।

5. विनियम लक्ष्यीभूत

1. एम. टेक/इन्स्ट्रुमेंटेशन/नियमित विद्यार्थियों के लिए /1996-97/ के प्रवेश से प्रभावी।

2. एम. टेक/इन्स्ट्रुमेंटेशन/ सेवा निरत विद्यार्थियों के लिए /1996-97 के प्रवेश से प्रभावी।

1. नियमित विद्यार्थियों के लिए एम. टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ पाठ्य क्रम की अवधि तीन समस्तर /18 महीने/ की होगी। अधिक से अधिक चार अकादमित वर्षों में इस परीक्षा को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि ऐसा नहीं होता है, तो उसे इस पाठ्यक्रम की पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं होगी।

2.1 निम्नलिखित योग्यताधारक व्यक्ति एम. टेक. /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ पाठ्यक्रम में प्रवेश पा सकेगा:

बी. ई./बी.टेक या इसके समकक्ष रासायनिक या कम्प्यूटर या कलेक्ट्रिकल या कलेक्ट्रानिक्स या मैकेनिकल या प्राइक्शन या इंस्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग में डिग्री, भौतिकी में या इलेक्ट्रानिक्स में एम. एस. सी. /ए. आई. सी. टी. ई. के द्वारा अनुमोदित/ कम से कम 50 प्रतिशत के साथ।

2.2 प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश मिलेगा।

2.3 वह अभ्यर्थी जिसने आई. ई. टी. ई स्नातक परीक्षा /नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलिकम्यूनिकेशन इंजीनियर्स संस्था द्वारा संचालित/ "ए" तथा "बी" भाग उत्तीर्ण कर लिया है, या ए. एम. आई. ई./ ए. एम. टी. आई/सी. एच. ई. कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांक के साथ उत्तीर्ण की है, एम, टेक, /इंस्ट्रुमेंटेशन/ में प्रवेश पा सकता है, यदि उसने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।

3.1 एम. टेक /इंस्ट्रुमेंटेशन/ उपाधि की परीक्षा में एक वर्ष में दो समस्तर होंगे। प्रत्येक समस्तर की परीक्षा दिसम्बर/जनवरी तथा मई/ जून में सिंडीकेट के द्वारा नियत तिथियों पर होगी।

3.2 परीक्षा में प्रवेश के फार्म तथा परीक्षा शुल्क, विलम्ब शुल्क के साथ और उसके बिना, स्वीकार किए जाने की अन्तिम तिथि को सिंडीकेट के द्वारा तय किया जावेगा।

3.3 धारा 3.1 तथा 3.2 के अधीन सिंडीकेट के द्वारा नियत तिथियां परीक्षा - नियंत्रक के द्वारा अधिसूचित की जाएगी।

3.4 वही विद्यार्थी एम.टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ के उस अकादमित समस्तर की परीक्षा में बैठ सकेगा, जिसने नियमित रूप से संबंध समस्तर में विश्वविद्यालय के विभाग अथवा कालेज में, यथास्थिति रूप में, नियमित विद्यार्थी के रूप में शिक्षा प्राप्त की हो और विभागाध्यक्ष या कालेज के प्राचार्य के द्वारा हस्ताक्षरित निम्न लिखित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिये हों :-

1. अच्छे चरित्र का प्रमाण पत्र
2. प्रत्येक विषय में व्याख्यानों में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति होने, सत्र के कुल कार्य-ट्यूटोरियल्स, डिजाईन प्रयोगशाला कार्य तथा सेमिनार में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति होने, जिसे विश्वविद्यालय के विभाग या कालेज के द्वारा समय समय पर आयोजित किया गया हो, का प्रमाण पत्र।
4. यथा स्थिति रूप में विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष या कालेज के प्राचार्य के द्वारा व्याख्यानों तथा प्रायोगिक कार्य में आवश्यक उपस्थिति में कमी को 10 प्रतिशत तक क्षमा किया जा सकता है।
5. अभ्यर्थी के द्वारा प्रवेश शुल्क की राशि नहीं होगी जिसे सिंडीकेट के द्वारा समय समय पर तय किया जायेगा।

6.1 प्रत्येक अभ्यर्थी को परीक्षार्थ पढ़ने होंगे :-

अ) समय समय पर फैकल्टी आफ इंजीनियरिंग तथा टेक्नोलॉजी के द्वारा अनुमोदित की गई सूची में से दस सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र पढ़ने होंगे। यह चयन विभागाध्यक्ष/कालेज प्राचार्य के परामर्श पर आधारित होगा। शर्त यह है कि किसी भी अभ्यर्थी को पहले वर्ष के पहले समस्तर की समाप्ति पर पाँच प्रश्नपत्रों से अधिक प्रश्न पत्र लेने की अनुमति नहीं होगी तथा पाठ्यक्रम के पहले वर्ष की समाप्ति पर दस प्रश्नपत्रों से अधिक प्रश्न पत्र लेने की अनुमति नहीं होगी। जिसमें पहले समस्तर के पाँच प्रश्न पत्र सम्मिलित हैं।

आ) एक शोध प्रबन्ध, जिसकी चार साप, सा, टंकित तथा ग्रथित प्रतियाँ विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करनी होंगी।

6.2 शिक्षा और परीक्षा का भाषिक माध्यम अंग्रेजी भाषा होगी।

7.1 अभ्यर्थी अपना शोध प्रबन्ध उस अध्यापक के निर्देशन में तैयार करेगा, जो यूनिवर्सिटी/विभाग/कालेज/सहयोगी संस्था से होगा। एक सह निर्देशक अन्य किसी संस्था से होगा। यदि विभागाध्यक्ष प्राचार्य आश्वस्त हो जाता है कि इस शोध प्रबन्ध को तैयार करने की सुविधाएं अन्यत्र विद्यमान हैं, तो वह वहां शोध प्रबन्ध तैयार करने की अनुमति दे सकता है और यह समय समय पर उस गणना में आ जायेगा जो एम. टेक. /टन्स्रैमेंटेशन/ के लिए

आवश्यक है, लेकिन अभ्यर्थी को कम से कम चार सप्ताह तक प्रत्यक्ष: अपने शोध निर्देशन या विभागाध्यक्ष के पास कार्य करना अनिवार्य रहेगा।

7.2 शोध प्रबन्ध में सुनिसोजित तथा समीक्षात्मक रूप में उन विषय में पूर्व प्राप्त ज्ञान का विवरण होगा या मौलिक शोध के परिणाम उसमें दिये जायेंगे और उसमें इस बात को प्रकट करने में सक्षम है। शोध प्रबन्ध लिखते समय अभ्यर्थी यह स्पष्टतः बतायेगा कि उसने शोध प्रबन्ध में जिन सूचनाओं का उपयोग किया है, वे उसको किन स्रोतों से मिली हैं।

7.3 अभ्यर्थी इस पाठ्यक्रम के तीसरे समस्तर में कभी भी अपना शोध प्रबन्ध प्रस्तुत कर सकता है। बशर्ते उसने तीसरे समस्तर तक के सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा दे दी हो। शोध प्रबन्ध का परिणाम तभी घोषित किया जायेगा जब अभ्यर्थी ने सभी दस सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र उत्तीर्ण-कर लिए हों। यदि उसका शोध प्रबन्ध अस्वीकृत हो जाता है या वह तीसरे समस्तर में अपना शोध प्रबन्ध पूरा नहीं कर पाता तो उसे अधिकतम दो और वर्ष मिलेंगे, जिसमें वह अपना शोध प्रबन्ध कर सकता है या उसको संशोधित कर सकता है।

यह भी प्रावधान है कि उक्त सीमावधि के अतिरिक्त अवधि, जो अधिकतम दो वर्षों की होगी, जो यथा स्थिति कालेज-प्राचार्य/विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर कुलपति के द्वारा दी जा सकती है।

7.3 शोध प्रबन्ध की विषयवस्तु पर एक मौखिक परीक्षा होगी। यदि परीक्षक चाहें,

तो अभ्यर्थी की लिखित या प्रयोगिक परीक्षा भी ले सकते हैं।

8.1 परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम प्राप्तांक इस प्रकार होंगे: -

अ) प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत प्राप्तांक

आ) प्रत्येक प्रश्न पत्र के सत्र परक भाग में 50 प्रतिशत प्राप्तांक
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र तथा सत्र परक भाग को एक दूसरे से स्वतंत्र
माना जायेगा। कुल प्राप्तांक 50 प्रतिशत न्यूनतम रूप से अपेक्षित
होंगे।

8.2 विनियम 1 ए के लागू होने के साथ साथ, यदि कोई अभ्यर्थी किसी प्रश्न पत्र/प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण नहीं कर पाता है, तो उसे प्रति प्रश्न पत्र के हिसाब से प्रत्येक समस्तर की नियत फीस देकर, जिसकी अधिकतम राशि सिंडीकेट तय करेगी और साथ ही अन्य समस्तर का भी परीक्षा शुल्क देय होगा, वह उस प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर सकता है लेकिन उसका “विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण” घोषित नहीं किया जायेगा।

9. सफल अभ्यर्थियों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जायेगा: -

अ) जिन परिस्थितियों ने सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के कुल योग के 75 प्रतिशत अंक तथा सत्र परक कम से कम 50 प्रतिशत प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में अंक प्राप्त किए होंगे, तथा जिनका शोध प्रबन्ध भी विशेष योग्यता वाला उत्कृष्ट घोषित होगा, बशर्ते उसने

पहले प्रयास में ही सभी प्रश्न पत्र उत्तीर्ण कर लिए हों/ अर्थात् पहली बार जब उन्होंने उसने वास्तव में वे प्रश्नपत्र परीक्षा में दिए हो।

..... विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण

आ) जिन्होंने सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र उत्तीर्ण कर लिए हों तथा सत्र परक प्रश्न भी उत्तीर्ण कर लिए हों, लेकिन विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने वाले वर्ग में रखे जाने के योग्य नहीं हों
... उत्तीर्ण।

10. परीक्षा - नियंत्रक प्रत्येक समस्तर की समाप्ति के चार सप्ताह के उपरान्त या यथा सम्भव शीघ्र परीक्षा-परिणाम घोषित कर देगा। प्रत्येक सफल अभ्यर्थी को एक प्रमाण पत्र मिलेगा, जिसमें उसका उस समस्तर को परीक्षा में उत्तीर्ण होना लिखा हुआ होगा। सभी समस्तरों में परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी को विनियम के अनुसार उपाधि प्रदान की जायेगी।
11. जिस अभ्यर्थी ने सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर लिया हो, किन्तु उसने अपना शोध प्रबन्ध पूरा नहीं किया हो, उसे "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इन्स्ट्रुमेंटेशन" दिया जायेगा।

पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

सेवा रत अभ्यर्थी के लिए एम, टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ से संबंधित विनियम
/1996-97 के प्रवेश से प्रभावी/

1. विश्वविद्यालय के विभाग या विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी तथा प्रायोगिकी संकाय से संबंध कालेज में पूर्णकालिक रूप में तथा विश्व विद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले भूभाग में कार्यरत किसी प्राध्यापक या किसी विभाग/विभाग उद्योग/प्रयोगशाला में कार्यरत किसी अभियन्ता के लिए एम. टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ परीक्षा का पाठ्यक्रम कम से कम दो शैक्षणिक वर्षों का होगा। किसी भी अभ्यर्थी को अधिकतम चार शैक्षणिक वर्षों में पूर्ण कर लेना होगा, अन्यथा उसे इस पाठ्यक्रम में आगे पढ़ते रहने की अनुमति नहीं होगी। यह भी प्रावधान किया जाता है कि यह काल सीमा शोध प्रबन्ध पर लागू नहीं होगी, जिसके लिए सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर लेने के बाद अधिकतम दो वर्ष मिलेंगे जैसा कि धारा 7.3 में प्रावधान है।
- 2.1 एम. टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए योग्यताएं निम्नलिखित होंगी: -
बी. ई. /बी. टेक अथवा रासायनिक या कंप्यूटर या विद्युत या सूक्ष्मवैद्युत या मैकेनिकल या औत्पादनिक या इन्स्ट्रुमेंटेशन अभियांत्रिकी में समकक्ष योग्यता या एम. एल. सी. भौतिकी या सूक्ष्मवैद्युत में /जो ए. आई. सी. टी. ई. के द्वारा अनुमोदित हो /तथ्या जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत कुल प्राप्तांक हों।
- 2.2 प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आधार होगा।
- 2.3 विश्वविद्यालय के विभाग या विश्वविद्यालय से संबंध किसी महाविद्यालय में

पूर्णकालिक रूप में कार्यरत किसी अध्यापक के लिए या विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले भूभाग में किसी विभाग/उद्योग/प्रयोगशाला में कार्यरत किसी अभियन्ता के लिए एम.टेक. /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश वही सामान्य पद्धति होगी, जो नियमित विद्यार्थियों के लिए नियत है।

2.4 जिस किसी व्यक्ति ने इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स /कलकत्ता के “ए” तथा “बी” ग्रेड आई ई. टी. ई स्नातक परीक्षा /नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूशन आफ इलेक्ट्रानिक्स ऐंड टेलिकम्यूनिकेशनज इंजीनियर्स के द्वारा संचालित /ए. एम. आई ई./ एम. एम. आई. आई/ सी. एच. ई. उत्तीर्ण कर ली है और उसके प्राप्तांक कम से कम 50 प्रतिशत हैं। उसे एम. टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है।

3.1 एम. टेक इन्स्ट्रुमेंटेशन उपाधि के लिए परीक्षा एक वर्ष में दो समस्तरो में होगी। प्रत्येक समस्तर की परीक्षा दिसम्बर/जनवरी तथा मई/जून में या सिंडीकेट के द्वारा नियत तिथियों पर होगी। अभ्यर्थी को एक वर्ष में दोनों समस्तरो में से प्रत्येक में पाँच प्रश्नपत्रों में परीक्षा देने की अनुमति होगी।

3.2 प्रवेश फार्म तथा परीक्षा - शुल्क लेने, चाहे विलम्ब शुल्क के साथ या उसके बिना, की अंतिम तिथि सिंडीकेट के द्वारा निर्णित होगी।

3.3 सिंडीकेट के द्वारा 3.1 तथा 3.2 के अधीन तय की गई तिथियों की अधिसूचना परीक्षा नियंत्रक जारी करेगा।

3.4 जो अभ्यर्थी एम. टेक /इन्स्ट्रुमेंटेशन/ के विश्वविद्यालय विभाग में संबंध अकादमिक समस्तर में नियमित विद्यार्थी रहा हो जो विश्वविद्यालय के विभाग/कालेज के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित जैसी भी स्थिति हो, निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर देगा, वही उस समस्तर की परीक्षा देने का अधिकारी होगा: -

1. अच्छे चरित्र का प्रमाण पत्र
2. प्रत्येक विषय में कुल दिये गये व्याख्यानों में 75 प्रतिशत तथा सत्रपरक कार्य 75 प्रतिशत की उपस्थिति तथा ट्यूटोरियल डिजाइन लेबोरेटरी कार्य, सेमिनार, सभी प्रायोगिक कोर्सों में सक्रिय सहभागिता का जिनको समय समय पर विश्वविद्यालय या कालेज ने, जैसी भी स्थिति हो, आयोजित किया हो, प्रमाण पत्र।
4. अपेक्षित उपस्थिति में कमी को, जो व्याख्यानों तथा प्रायोगिक कार्य में हो, 10 प्रतिशत तक विभागाध्यक्ष/कालेज-प्राचार्य यथास्थिति रूप में, क्षमा कर सकने का अधिकारी होगा।
5. अभ्यर्थी के द्वारा देय प्रवेश शुल्क की राशि वह होगी, जिसे सिंडीकेट समय समय पर तय करेगी।
- 6.1 प्रत्येक अभ्यर्थी को पढ़ना होगा: -
 - अ) अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी संस्कार के द्वारा अनुमोदित प्रश्नपत्रों की

सूची में से दस प्रश्न सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र, जिनका चयन विभागाध्यक्ष/कालेज प्राचार्य के परामर्श के आधार पर किया जायेगा, बशर्ते अभ्यर्थी स्वयं को, व्याख्यानों तथा सत्र परक कार्यों में उपस्थिति दर्ज करने से पहले, पहले समस्तर की परीक्षा के लिए पंजीकृत करायेगा। किंतु उसे एक अकादमित वर्ष में अधिकतम पाँच तथा किसी भी समस्तर में अधिकतम जीव प्रश्नपत्र पढ़ने की अनुमति होगी। ऐसे अभ्यर्थी को पाठ्यक्रम के बीच में स्वयं को प्रमांकित कराने की अनुमति नहीं होगी।

आ) एक शोध प्रबन्ध की चार स्वच्छ अंकित या मुद्रित प्रतिभा जो अच्छी तरह सजिल्द कर दी गई हों, विश्वविद्यालय में जमा करनी होंगी।

6.2 अध्ययन का माध्यम तथा परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी भाषा होगी।

7.1 संबद्ध निर्देशक के अधीन विद्यार्थी अपना शोध प्रबन्ध तैयार करेगा, जो निर्देशक विश्वविद्यालय/विभाग/कालेज/सहयोगी संस्था से होगा, साथ ही सह निर्देशक भी होगा, जो किसी अन्य संस्था से संबद्ध होगा। यदि विभागाध्यक्ष या कालेज का प्राचार्य इस बात से आश्वस्त है कि पर्याप्त संविधाएं शोध प्रबन्ध की तैयारी के लिए अन्यत्र उपलब्ध हं, तो वह विद्यार्थी को वहा जाकर शोध प्रबन्ध तैयार करने की अनुमति दे सकता है और इस

अवधि की गणना एम. टेक /इन्स्टीट्यूशन/ के लिए अपेक्षित अवधि में होगी। किन्तु विद्यार्थी को अपना शोध प्रबन्ध समाप्त करने के लिए कम से कम चार सप्ताह तक अपने शोध-निर्देशक या विभागाध्यक्ष के प्रत्यक्ष निर्देशन में कार्य करना होगा।

- 7.2 शोध प्रबन्ध में उस विषय में विद्यमान ज्ञान को व्यवस्थित तथा समीक्षात्मक रूप में प्रस्तुत किया जायेगा। या मौलिक खोजों के परिणाम उसमें प्रकट किये जायेंगे तथा विद्यार्थी की स्वतंत्र रूप से खोज करने की क्षमता को उसमें प्रदर्शित किया जायेगा। शोध प्रबन्ध लिखते समय विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से अपने द्वारा किए गए कार्य की स्पष्टता: उल्लेख करेगा तथा शोध प्रबन्ध में प्रयुक्त अन्य सूचनाओं के प्राप्ति स्रोतों का विवरण देगा।
- 7.3 शोध प्रबन्ध को कोई पूर्णकालिक प्राध्यापक या अभियंता जो किसी विभाग/उद्योग/प्रयोगशाला में कार्यरत हो, इस पाठ्यक्रम के पाँचवें समस्तर में किसी भी समय जमा कर सकता है, बशर्ते उसने चौथे समस्तर तक के सभी प्रश्नपत्रों की परीक्षा दे दी हो। शोध प्रबन्ध का परिणाम सभी दसों प्रश्नपत्रों के उत्तीर्ण कर लेने के बाद ही घोषित किया जायेगा। यदि किसी विद्यार्थी का शोध प्रबन्ध अस्वीकृत हो जाता है या वह छठे समस्तर में भी उसे पूरा नहीं कर पाता है, तो उसे संशोधित करने या पूरा करने के लिए उसको अधिकतम दो और वर्ष मिलेंगे। यह भी प्रावधान किया जाता है कि

इस अवधि के अतिरिक्त अधिकतम एक वर्ष और यथास्थिति प्राचार्य/विभागाध्यक्ष की संस्तुति के आधार पर कुलपति के द्वारा दिया जा सकता है।

7.4 शोध प्रबन्ध की विषय वस्तु पर केन्द्रित एक मौखिक परीक्षा भी होगी। यदि परीक्षक आवश्यक समझे, तो विद्यार्थी को लिखित परीक्षा या प्रायोगिक परीक्षा भी देने के लिए कहा जा सकता है।

8.1 इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के लिए कम से कम आवश्यक अंक इस प्रकार होंगे:—

अ) प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत अंक प्राप्तांक।

आ) प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रपरक भाग में 50 प्रतिशत प्राप्तांक।

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र तथा सत्रपरक दोनों प्रश्नपत्र एक दूसरे से स्वतंत्र माने जायेंगे। उत्तीर्ण होने के लिए दोनों का न्यूनतम योग 50 प्रतिशत होगा।

8.2 विनियम की धारा 1ए केक लागू रहते हुए, यदि कोई परीक्षार्थी किसी प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों में अनुत्तीर्ण रह जाता है, तो वह किसी बाद में होने वाली परीक्षा में उस प्रश्नपत्र/प्रश्नपत्रों को उत्तीर्ण कर सकता है, किन्तु उसे प्रति समस्तर के हिसाब से प्रति प्रश्न पत्र का प्रवेश शुल्क देना होगा, जिसकी अधिकतम सीमा उस परीक्षा के लिए सिंडीकेट तय करेगी, साथ ही अन्य समस्तरों के लिए प्रवेश शुल्क की राशि भी तय करेगी, जिसमें वह परीक्षा

देगा/देगी। शर्त यह है कि ऐसे विद्यार्थी को “विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण” घोषित नहीं किया जायेगा।

9. सफल परीक्षार्थियों का श्रेणी-विभाजन इस प्रकार होगा :-

अ) सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों में तथा सत्र परक कार्य में 75 प्रतिशत या इससे अधिक प्राप्तांक पाने वाले विद्यार्थियों को, यदि उनका शोध प्रबन्ध भी उत्कृष्ट माना गया हो, तथा उन्होंने सभी प्रश्नपत्र पहले प्रयास में ही उत्तीर्ण कर लिए हों/अर्थात् इस पाठ्यक्रम में जब पहली पहल बार परीक्षार्थी ने परीक्षा दी हो।

..... प्रथम श्रेणी

विशेष योग्यता के साथ

आ) जिन परीक्षार्थियों ने सभी सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र व सत्र परक प्रश्न पत्र उत्तीर्ण कर लिए हों तथा वे “विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण” घोषित नहीं किए गए हों।

..... उत्तीर्ण

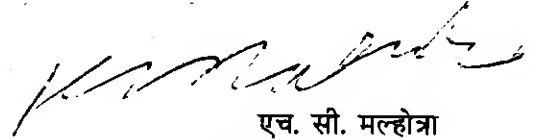
10. समस्तर परीक्षा के चार सप्ताह के उपरान्त का यथासम्भव शीघ्र परीक्षा नियंत्रक परीक्षा का परिणाम प्रकाशित कर देगा। प्रत्येक सफल अभ्यर्थी को एक प्रमाणपत्र मिलेगा जिसमें उस समस्तर की उत्तीर्णता लिखी होगी। सभी समस्तर परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर लेने वाले निद्यार्थी को विनियम 7 अधीन

उपाधि दी जायेगी।

11. जिस किसी ने सभी सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र तो उत्तीर्ण कर लिए हैं, किन्तु उसने गोश प्रश्नपत्र पूरा नहीं किया है, उसका "गोश" प्रश्नपत्र विनोदित होगा।
इस्टुमेंटेशन दिया जायेगा।

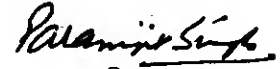
चंडीगढ़ : 160014

दिनांक: 24-3-2004



एच. सी. मल्होत्रा
डिप्टी रजिस्ट्रार (जनरल)

मेरी उपस्थिति में आज, 24-3-2004 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबंद।



परमजीत सिंह
रजिस्ट्रार

पंजाब यूनिवर्सिटी

सं. 2-2004/जी.आर.

केन्द्रीय सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सेकन्ड्री एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली ने अपने पत्रांक एफ. 2-8/2000-डैस्क(यू), दिनांक 17.7.2003 द्वारा निम्नलिखित विनियमों को मंजूरी दे दी है:

स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और जनसंख्या शिक्षा में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा (1996 के दाखिलों से लागू)

1. स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और जनसंख्या शिक्षा में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए अनुदेश पाठ-योजना (कोर्स) की अवधि एक शैक्षिक वर्ष होगी ।
2. परीक्षा साधारणतया मई के महीने में अथवा सिंडिकेट द्वारा निर्धारित तिथियों पर होगी ।
3. देरी फीस के साथ और देरी फीस के बिना परीक्षा दाखिला फार्म लेने की अंतिम तिथि सिंडिकेट द्वारा निश्चित की जाएगी ।
4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा फीस समय समय पर निर्धारित की जाएगी ।
5. इस पाठ-योजना (कोर्स) में दाखिला वह व्यक्ति ले सकता है जिसने पंजाब यूनिवर्सिटी से बेचुलर की डिग्री प्राप्त की हो अथवा इसके बराबर की अन्य मान्यता प्राप्त योग्यता प्राप्त की हो ।
6. इस डिप्लोमा कोर्स में दाखिल प्रत्येक विद्यार्थी को अपना नाम पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज करवाना होगा और वह सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित फीस देगा ।
7. पत्राचार अध्ययन विभाग के लिए एक परामर्श समिति होगी जो प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष में कुलपति द्वारा नियुक्त की जाएगी। यह पाठ्य-समिति के रूप में कार्य करेगी । इसमें पत्राचार अध्ययन का अध्यक्ष और मुख्य विभागों में से 4/5 सदस्य सम्मिलित होंगे जिनको कुलपति मनोनीत करेंगे ।
8. प्रत्येक परीक्षार्थी की समय समय पर पाठ्यक्रम में निर्धारित किए गए विषय में परीक्षा ली जाएगी ।
9. परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी अथवा पंजाबी अथवा हिंदी होगा ।
10. परीक्षा वही विद्यार्थी दे सकेगा जिसका नाम पत्राचार अध्ययन विभाग के अध्यक्ष द्वारा भेजा गया हो और -

- (i) जिसका नाम परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज रहा हो, और
 - (ii) जिसने पत्राचार अध्ययन विभाग को मूल्यांकन के लिए 60 प्रतिशत प्रत्युत्तर पत्र भेजे हों ।
11. जिस परीक्षार्थी का पत्राचार अध्ययन विभाग में नाम दर्ज रहा हो और परीक्षा न दे पाया हो, और यदि वह परीक्षा देकर फेल हो गया हो, उसे यह कोर्स पूर्ण करने के वर्ष से तुरन्त अनुवर्ती दो वर्षों में अपना नामांकन जारी रखने की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु इसके लिए उसे प्रति वर्ष परीक्षा फीस से अतिरिक्त समय समय पर निर्धारित अनुवर्ती फीस की अदायगी करनी होगी और वह परीक्षा में पत्राचार अध्ययन विभाग के भूतपूर्व-विद्यार्थी के रूप में बैठेगा ।
 12. परीक्षा पास करने के लिए उसे यूनिवर्सिटी परीक्षा में प्रत्येक पेपर में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
 13. रियायती अंक यूनिवर्सिटी विनियमों के अनुसार दिए जाएंगे ।
 14. जो परीक्षार्थी सभी पेपरों में से कुल अंकों का 35 प्रतिशत प्राप्त कर लेता है और केवल एक पेपर में फेल हो जाता है, और उस पेपर में वह 25 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता, उसे उसी वर्ष सितंबर/अक्टूबर के महीने में होने वाली अनुपूरक परीक्षा में दाखिला दिया जा सकता है, और यदि वह उस परीक्षा में फेल हो जाता है अथवा परीक्षा दे नहीं पाता, तो उसे आगामी वार्षिक परीक्षा देने की अनुमति होगी । यदि वह यूनिवर्सिटी परीक्षा में 35 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त कर लेता है, उसे उस परीक्षा में पास हुआ घोषित किया जाएगा ।
 15. ऐसे परीक्षार्थी को पूरी परीक्षा के लिए दाखिला फीस देनी पड़ेगी और वह पुरस्कार अथवा तमगा प्राप्त करने का अधिकारी होगा । जो परीक्षार्थी इन दो अनुमत्त अवसरों में पास नहीं हो पाता अथवा परीक्षा नहीं देता, उसे पूरी परीक्षा में फेल हुआ घोषित किया जाएगा । यदि वह दोबारा परीक्षा देना चाहता है तो उसे सभी पेपर देने होंगे ।
 16. जो परीक्षार्थी इस परीक्षा में लगातार तीन परीक्षाओं में फेल हो जाता है, उसे इस कोर्स में अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।
 17. सफल परीक्षार्थी, जो 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें प्रथम श्रेणी में रखा जाएगा ; जो 50 प्रतिशत या अधिक परन्तु 60

प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें दूसरी श्रेणी में रखा जाएगा; और जो 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं उन्हें तीसरी श्रेणी में रखा जाएगा ।

18. परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह पश्चात अथवा जितनी जल्दी हो सके, परीक्षा-कंट्रोलर पास हुए परीक्षार्थियों की सूची घोषित करेगा और साथ ही जिस श्रेणी में वे पास हुए हैं, उसे दर्शाया जाएगा ।
19. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और जनसंख्या शिक्षा में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा और जिस श्रेणी में वह पास हुआ है, उसे भी दर्शाया जाएगा ।

2. मास्टर ऑफ फाइनेन्स एण्ड कंट्रोल (एम.एफ.सी.) कोर्स के लिए विनियम (1996 के दाखिलों से लागू)
1. मास्टर ऑफ फाइनेन्स एण्ड कंट्रोल की डिग्री प्राप्त करने की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी और परीक्षा के दो भाग होंगे अर्थात् कोर्स के पहले वर्ष के अंत में भाग-I और कोर्स के दूसरे वर्ष के अंत में भाग-II । परीक्षा साधारणतया अप्रैल/मई के महीने में अथवा सिंडिकेट द्वारा निर्धारित और परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित तिथियों पर वर्ष में एक बार ली जाएगी ।
- 2.1 प्रत्येक परीक्षार्थी अन्य खर्चों अर्थात् सिंडिकेट द्वारा निश्चित देरी फीस सहित अथवा बिना शिक्षा-फीस सहित अपनी परीक्षा फीस(कोर्स में दाखिला लेते समय) अदा करेगा ।
- 2.2 पत्राचार अध्ययन विभाग का अध्यक्ष उन विद्यार्थियों की सूची परीक्षा-कंट्रोलर को भेजेगा जिन्होंने विनियमों की शर्तों को पूरा किया हो और जो परीक्षा में बैठने के योग्य हों । यह सूची समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित और परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित अंतिम तिथि से पहले या अंतिम तिथि तक पहुँचनी जरूरी है ।
3. पत्राचार द्वारा इस कोर्स के भाग-I में दाखिलों के लिए न्यूनतम योग्यता निम्नानुसार होगी :
 - (क) कुल अंकों में से कम से कम 45% अंकों सहित कॉमर्स अथवा बिजनेस प्रशासन में ग्रेजुएट;
अथवा
 - (ख) कुल अंकों में से कम से कम 50% अंकों सहित (ऊपर 3(क) में वर्णित के अतिरिक्त) ग्रेजुएट;
अथवा
 - (ग) कम से कम 45% अंकों सहित किसी भी विषय में पोस्ट-ग्रेजुएट;
अथवा
 - (घ) (i) इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड ऑफ इन्डिया अथवा इन्स्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स इन इंग्लैंड और वेल्स, अथवा (ii) इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट्स एण्ड वर्क्स अकाउंटेंट्स ऑफ इन्डिया अथवा रॉयल चार्टर, लंडन द्वारा नियमित इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड मैनेजमेन्ट

अकाउंटेंट्स अथवा (iii) इन्स्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इन्डिया;

अथवा

(च) कम से कम 50% अंकों सहित ए.एम.आइ.ई. ।

4. अध्यापन और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा ।
5. प्रत्येक परीक्षार्थी की समय समय पर निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए विषयों में परीक्षा ली जाएगी । प्रत्येक परीक्षार्थी को प्रत्येक पेपर में दो प्रत्युत्तर पत्र प्रस्तुत करने होंगे । प्रत्येक प्रत्युत्तर पत्र को 10 अंकों में से मूल्यांकित किया जाएगा । प्रत्येक पेपर में यह 20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा । प्रत्येक पेपर में लिखित परीक्षा के 80 अंक होंगे ।

पत्राचार अध्ययन विभाग का अध्यक्ष आंतरिक मूल्यांकन के इन अंकों को परीक्षा आरंभ होने से कम से कम दो सप्ताह पहले परीक्षा-कंट्रोलर को भेजेगा ।

नोट: यह परीक्षार्थी की पूर्ण जिम्मेदारी होगी कि वह प्रत्येक वर्ष पत्राचार अध्ययन विभाग के अध्यक्ष द्वारा निश्चित तिथियों में प्रत्युत्तर पत्र प्रस्तुत करे ।

6. पत्राचार अध्ययन विभाग का अध्यक्ष परिणाम घोषित होने से छः महीने तक यूनिवर्सिटी के निरीक्षण के लिए उस रिकार्ड को संभाल कर रखेगा जिसके आधार पर आंतरिक मूल्यांकन अंक तैयार किए गए हैं ।

- 7.1 भाग- I की परीक्षा वह परीक्षार्थी देगा जिसका नाम भाग- I की परीक्षा देने' से पहले एक शैक्षिक वर्ष में या तो पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज हो,

अथवा

जिसका नाम किन्हीं भी पहले दो वर्षों में पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज रहा हो, बशर्ते कि वह पुनःपरीक्षा विनियम 9 के अंतर्गत आता हो और उसने पत्राचार अध्ययन विभाग के पूर्व-विद्यार्थी के रूप में निश्चित अनुवर्ती फीस प्रत्येक वर्ष अदा कर दी हो ।

- 7.2 भाग-II की परीक्षा में वह परीक्षार्थी बैठ सकेगा जिसका नाम भाग-I की परीक्षा पास करने के बाद भाग-II की परीक्षा देने से पहले एक शैक्षिक वर्ष में या तो पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज रहा हो,

अथवा

जिसका नाम किन्हीं भी पहले दो वर्षों में पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज रहा हो, बशर्ते कि वह पुनःपरीक्षा विनियम 9 के अंतर्गत आता हो और उसने पत्राचार अध्ययन विभाग के पूर्व-विद्यार्थी के रूप में निश्चित अनुवर्ती फीस प्रत्येक वर्ष अदा कर दी हो ।

- 8.1 प्रत्येक भाग में परीक्षा में पास होने के लिए न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे:

(i) यूनिवर्सिटी परीक्षा में प्रत्येक पेपर में अलग अलग तौर पर और संयुक्त रूप में आंतरिक मूल्यांकन सहित 35%

(ii) कुल अंकों का 50%

- 8.2 रियायती अंक प्रत्येक भाग में यूनिवर्सिटी परीक्षा के कुल अंकों के 1% के हिसाब से दिए जाएंगे । परीक्षार्थी रियायती अंक या तो कुल अंकों में अथवा एक या दो पेपरों में, जैसे भी उसे लाभ पहुँचता हो, ले सकता है। परन्तु रियायती अंक या तो केवल परीक्षा पास करने के लिए दिए जाएंगे या उच्च श्रेणी प्राप्त करने के लिए दिए जाएंगे, परन्तु ये अंक परीक्षा को वैशिष्ट्य सहित पास करने के लिए नहीं दिए जाएंगे ।

- 9.1 जो परीक्षार्थी भाग-I की परीक्षा में फेल हो जाता है और वह आंतरिक मूल्यांकन सहित कम से कम तीन पेपरों में अलग अलग और संयुक्त रूप में कम से कम 35% अंक प्राप्त कर लेता है और कुल अंकों के 50% अंक प्राप्त करता है, उसे भाग-II की पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी, परन्तु उसे उसी वर्ष की सितंबर/अक्टूबर में होने वाली अनुपूरक परीक्षा में ऐसे पेपरों में पुनःपरीक्षा देनी होगी जिस वर्ष की अप्रैल/मई की परीक्षा में वह फेल हुआ था ।

- 9.2 जो परीक्षार्थी भाग-I की परीक्षा में फेल हो जाता है और आंतरिक मूल्यांकन सहित सभी पेपरों में अलग अलग से और संयुक्त रूप में कम से कम 35% अंक प्राप्त कर लेता है परन्तु कुल अंकों में से 50% अंक प्राप्त नहीं करता, उसे उसी वर्ष की सितंबर/अक्टूबर में होने वाली

अनुपूरक परीक्षा में कम से कम तीन पेपरों में पुनः परीक्षा देने की अनुमति का विकल्प प्राप्त होगा और उसे साथ साथ भाग-II की पढ़ाई जारी रखने की अनुमति भी दी जाएगी ।

- 9.3 जो परीक्षार्थी भाग-II की परीक्षा में फेल हो जाता है और वह आंतरिक मूल्यांकन सहित कम से कम तीन पेपरों में अलग अलग से और संयुक्त रूप में 35% अंक प्राप्त कर लेता है और कुल अंकों के 50% अंक प्राप्त कर लेता है, उसे उसी वर्ष के सितंबर/अक्टूबर महीने में होने वाली अनुपूरक परीक्षा में उन पेपरों में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी जिस वर्ष की अप्रैल/मई की परीक्षा में वह फेल हुआ था ।
- 9.4 जो परीक्षार्थी भाग-II की परीक्षा में फेल हो जाता है परन्तु सभी पेपरों में आंतरिक मूल्यांकन सहित अलग अलग से और संयुक्त रूप में 35% अंक प्राप्त कर लेता है और कुल अंकों के 50% अंक प्राप्त नहीं कर पाता, उसे उसी वर्ष के सितंबर/अक्टूबर के महीने में होने वाली अनुपूरक परीक्षा में तीन पेपरों में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी ।

नोट: (i) जो परीक्षार्थी लगातार तीन वर्षों में भाग-I की परीक्षा पास नहीं कर पाता, उसे कोर्स को छोड़ना पड़ेगा ।

(ii) जो परीक्षार्थी भाग-II की परीक्षा लगातार तीन वर्षों में पास नहीं कर पाता परन्तु भाग-I की परीक्षा पास कर लेता है, उसे विशेष अवसर दिया जा सकता है और उसे पत्राचार अध्ययन विभाग के अध्यक्ष की सिफारिश पर निर्धारित अनुद्यर्ती फीस की अदायगी करने पर कोर्स में पढ़ाई करने के बिना ही आगामी नियमित परीक्षा में पुनः बैठने की अनुमति दी जाएगी ।

(iii) जो परीक्षार्थी विशेष अवसर प्राप्त करने के बाद भाग-II की परीक्षा पास नहीं कर पाता, उसे कोर्स को छोड़ना पड़ेगा ।

10. जो परीक्षार्थी परीक्षा में फेल हो जाता है, उसके आंतरिक मूल्यांकन में प्राप्त अंकों को आगामी परीक्षा में ले जाया जाएगा ।

11. परीक्षा के समाप्त होने से जितनी जल्दी संभव हो, परीक्षा-कंट्रोलर पास हुए परीक्षार्थियों की सूची प्रकाशित करेगा ।

12. सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:

(i) जिन परीक्षार्थियों ने भाग-I और

भाग-II को मिलाकर कुल अंकों के

75% या अधिक अंक प्राप्त किए हैं ...वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी

(ii) जिन परीक्षार्थियों ने भाग-I और

भाग-II की परीक्षाओं में प्राप्त

अंकों को मिलाकर 60% या

इससे अधिक और 75% से कम

अंक प्राप्त किए हैं

...पहली श्रेणी

(iii) जिन परीक्षार्थियों ने भाग-I और

भाग-II की परीक्षाओं में प्राप्त अंकों

को मिलाकर 60% से कम

अंक प्राप्त किए हैं

...दूसरी श्रेणी

3. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II के मास्टर ऑफ आर्ट्स(शिक्षा) के लिए विनियम ।
 - 1.1 मास्टर ऑफ आर्ट्स (शिक्षा) के लिए कोर्स की अवधि दो वर्ष होगी ।
 - 1.2 जिस व्यक्ति ने इस यूनिवर्सिटी से अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी से निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है जिसको इस यूनिवर्सिटी की अनुसारी परीक्षा के बराबर मान्यता प्राप्त है, वह एम.ए. कोर्स के पहले वर्ष (भाग-I) की कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा:
 - (i) शिक्षा में ऑनर्ज सहित ग्रेजुएट;
 - (ii) शिक्षा में कम से कम 45% अंकों सहित ग्रेजुएट (पास);
 - (iii) कुल अंकों में 45% अंकों से दर्शन अथवा समाज-विज्ञान अथवा मनोविज्ञान में आनर्ज सहित ग्रेजुएट या इन विषयों में पोस्ट-ग्रेजुएशन;
 - (iv) ऊपर दिए विषयों के अतिरिक्त किन्हीं अन्य विषयों में 50% अंकों से ग्रेजुएट;
 - (v) बी.एड. सहित ग्रेजुएट ।
 - 2.1 परीक्षा के दो भाग होंगे अर्थात् भाग-I और भाग-II । प्रत्येक भाग की परीक्षा वर्ष में एक बार साधारणतया अप्रैल के महीने में अथवा परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी ।
 - 2.2 सिंडिकेट द्वारा निश्चित की गई देरी फीस के बिना और सहित परीक्षा/दाखिला फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि को परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा ।
 - 2.3 जो विद्यार्थी विनियम 2.1 में निर्धारित योग्यता रखता हो और यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग में परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में दाखिल रहा हो और वह विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह भाग-I की परीक्षा में बैठने के योग्य है:

- (क) पूर्ण कोर्स के कम से कम 66% में हाजिर रहने का:
- (i) कुल दिए लेक्चर ;
 - (ii) किए गए प्रेक्टिकल ;
 - (iii) शैक्षिक वर्ष में प्रत्येक पेपर के लिए अलग अलग हुए सेमिनार ।
- 3.1 जिस विद्यार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी की एम.ए.(शिक्षा) भाग-I परीक्षा पास की है, वह इस कोर्स की भाग-II की कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा ।
- 3.2 जिस विद्यार्थी ने परीक्षा से 3 वर्ष पहले पंजाब यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ आर्ट्स (शिक्षा) की डिग्री के लिए भाग-I की परीक्षा पास कर ली है और परीक्षा से एक वर्ष पहले शैक्षिक वर्ष में यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग में दाखिल रहा है, और वह विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नांकित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह भाग-II की परीक्षा में बैठने के योग्य होगा:
- (क) पूर्ण कोर्स के कम से कम 66% में हाजिर रहने का
- (i) कुल दिए लेक्चर, (ii) किए गए प्रेक्टिकल, (iii) शैक्षिक वर्ष में प्रत्येक पेपर के लिए अलग अलग हुए सेमिनार ।
- 3.3 लेक्चरों, प्रेक्टिकलों और सेमिनारों की न्यूनता को निम्नानुसार माफ किया जा सकता है:
- (i) 15% तक की न्यूनता को यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा;
 - (ii) यदि न्यूनता 15% से अधिक परन्तु 30% से अधिक न हो, तो सिंडिकेट द्वारा ।
- 3.4 विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर शिक्षा में पाठ्य-समिति द्वारा अनुमोदित किसी ऐसे विषय पर शोध-निबन्ध भाग-II में अनिवार्य होगा ।
4. परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली परीक्षा/दाखिला फीस को समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

5. जो व्यक्ति यूनिवर्सिटी की भाग I/II परीक्षा के लिए निर्धारित कोर्स पूरा कर लेता है, परन्तु परीक्षा में फेल हो जाता है या परीक्षा दे नहीं पाता, उसे कोर्स समाप्त होने की तिथि से तीन साल तक भाग I/II की परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है।
6. परीक्षा का माध्यम एम.ए./एम.एस-सी. परीक्षा के लिए निर्धारित यूनिवर्सिटी नियमों के अनुसार होगा।
- 7.1 यदि किसी परीक्षार्थी ने शेष पेपरों में कम से कम 45% कुल अंक प्राप्त किए हैं, तो उसे एम.ए. भाग I/II के केवल एक पेपर में आंशिक पुनःपरीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी। जिस पेपर में वह फेल हुआ है अथवा पेपर दे नहीं पाया, उक्त पेपरों को पास करने के उद्देश्य से उसे दो लगातार अवसर प्रदान किए जाएंगे। परीक्षार्थी को आंशिक परीक्षाओं के पेपरों को पास करने के लिए 33% अंक प्राप्त करने होंगे।

आगे बशर्तेकि एम.ए. भाग-I की परीक्षा के लिए परीक्षार्थी, जिसे एक पेपर में आंशिक पुनःपरीक्षा देने की अनुमति दी गई है, उसे एम.ए. भाग-II कक्षा में अस्थायी रूप में दाखिला दिया जा सकता है, परन्तु शर्त यह है कि उसे पुनःपरीक्षा अगले दो लगातार अवसरों में पास करनी होगी, नहीं तो एम.ए. भाग-II परीक्षा की उसकी उम्मेदवारी और परिणाम रद्द किए जाएंगे।

- 8.3 सफल परीक्षार्थियों को भाग-I और भाग-II की परीक्षाओं में प्राप्त अंकों को मिलाकर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा :

(क) जो कुल अंकों में से

60% या अधिक अंक

प्राप्त करते हैं।

...पहली श्रेणी

(ख) जो कुल अंकों में से

50% या अधिक परन्तु 60%

से कम अंक प्राप्त करते हैं।

...दूसरी श्रेणी

(ग) जो कुल अंकों में से 50%

से कम अंक प्राप्त करते हैं

...तीसरी श्रेणी

- 8.4 भाग-I का प्रत्येक सफल परीक्षार्थी परीक्षा के उस भाग में पास होने का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा ।
- 8.5 भाग-II के प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को डिग्री प्रदान की जाएगी जिसमें उस द्वारा प्राप्त श्रेणी का उल्लेख किया जाएगा ।

विशेष व्यवस्था

- 9.1 जो परीक्षार्थी पंजाब यूनिवर्सिटी से शिक्षा में एम.ए. डिग्री प्रदान करने के योग्य हो गया है, उसे प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में उन पेपरों में पुनःपरीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है यदि वह अपने पूर्व निष्पादन में सुधार करना चाहता है । इस उद्देश्य के लिए उसे एम.ए. की परीक्षा पास करने की तिथि से पाँच साल की अवधि तक दो अवसर दिए जा सकते हैं । परन्तु शोध-निबन्ध/शोध-प्रबन्ध, मौखिक परीक्षा और प्रेक्टिकलों में सुधार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी । परीक्षार्थी से परीक्षा के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित दाखिला फीस वसूल की जाएगी ।
- 9.2 इस विनियम के अंतर्गत जिस व्यक्ति को परीक्षा में पुनःपरीक्षा देने की अनुमति दी जाती है, वह भाग-I और II की परीक्षाएँ एकसाथ दे सकता है अथवा भाग-I और भाग-II, अथवा दोनों भागों की परीक्षाएँ दे सकता है, परन्तु तीसरी श्रेणी में पास होने से पाँच वर्ष की अवधि के अंतर्गत उसे यह परीक्षा पूरी करनी होगी ।
- 9.3 तीसरी श्रेणी प्राप्त करते समय भाग-I और भाग-II में प्राप्त अंकों को आगे लिजाया जा सकता है और श्रेणी में सुधार करने के लिए दूसरे भाग के अंकों में जोड़ा जा सकता है ।
- 9.4 जो व्यक्ति दोनों भागों में पुनःपरीक्षा देना चाहता है परन्तु उसे यह प्रतीत होता है कि उसने केवल एक भाग के अंकों से ही श्रेणी में सुधार कर लिया है, उसे दूसरे भाग में परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है ।
- 9.5 ऐसे परीक्षार्थी का परिणाम केवल उस समय घोषित किया जाएगा जब वह अपनी श्रेणी सुधार लेगा ।

4. मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)

(पत्राचार अध्ययन)

- 1.1 मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) पत्राचार की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि एक वर्ष की होगी ।
- 1.2 जिस व्यक्ति की निम्नलिखित में से एक योग्यता है, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा:
 - (क) इस यूनिवर्सिटी से किसी फेकल्टी में डिग्री और बेचुलर ऑफ एजुकेशन की डिग्री भी ;
 - (ख) इस यूनिवर्सिटी से किसी फेकल्टी में डिग्री और अध्यापन के बेचुलर की डिग्री भी ;
 - (ग) इस यूनिवर्सिटी से किसी फेकल्टी में डिग्री और बेचुलर ऑफ एजुकेशन(बेसिक) की डिग्री भी ;
 - (घ) इस यूनिवर्सिटी से किसी फेकल्टी में डिग्री और बेचुलर ऑफ एजुकेशन (योग) की डिग्री भी ;
 - (व) किसी फेकल्टी में डिग्री और 1956 से पहले पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षा विभाग का पोस्ट-ग्रेजुएट बेसिक ट्रेड टीचरज डिप्लोमा ;
 - (छ) (क), (ख), (ग) और (घ) के बराबर सिंडिकेट द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य योग्यताएँ ।
- 1.3 एम.एड. कोर्स केवल दो वर्ष के सवेतन काम के अनुभव सहित सेवाकालीन अध्यापकों के लिए होगा जो कानून द्वारा स्थापित स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त स्कूल में काम कर रहे हों अथवा यूनिवर्सिटी से संबद्ध अथवा इस द्वारा मान्यताप्राप्त कालेज में काम कर रहे हों ।

बशर्तेकि अंशकालिक अनुभव को भी अध्यापन अनुभव माना जाएगा, यदि अध्यापन सवेतन किया गया हो और अध्यापक द्वाखिले के समय काम कर रहा हो (सेवाकालीन)।
- 2.1 परीक्षा साधारणतया मई के महीने में या सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी ।

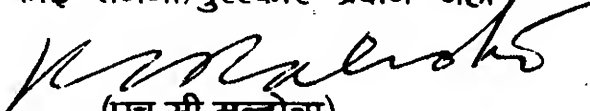
- 2.2 समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित देरी फीस के बिना/सहित परीक्षा दाखिला फार्म प्राप्त करने की तिथि को परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा ।
- 3.1 जिस विद्यार्थी के पास विनियम 1.2 और 1.3 में निर्धारित योग्यता है और उसे एम.एड.कोर्स में दाखिल कर लिया जाता है, उसको पत्राचार अध्ययन विभाग में दाखिल माना जाएगा और वह यूनिवर्सिटी को वही फीस देगा जिसे सिंडिकेट समय समय पर निर्धारित कर सकती है ।
- 3.2 प्रत्येक परीक्षार्थी की समय समय पर निर्धारित पाठ्यक्रम में दिए विषयों में परीक्षा ली जाएगी । परीक्षा वही विद्यार्थी दे सकेगा जिसका नाम पत्राचार अध्ययन विभाग में कोर्स के अध्यक्ष/समन्वयक द्वारा भेजा गया है और
- (i) जिसका नाम परीक्षा से एक शैक्षिक वर्ष पूर्व में पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज रहा हो ;
 - (ii) जिसने पत्राचार अध्ययन विभाग को मूल्यांकन के लिए कम से कम 66% प्रत्युत्तर पत्र भेजे हों और नियतकार्यों(असाइन्मेन्ट्स)में अधिकतम अंकों में से 30% से कम अंक प्राप्त न किए हों ।
- 3.3 जिस विद्यार्थी का नाम पत्राचार अध्ययन विभाग में दर्ज हो गया है, वह परीक्षा में न बैठ सका हो अथवा परीक्षा में फेल हो गया हो, उसे जिस शैक्षिक वर्ष में उसका पहले नाम दर्ज हुआ था, उसके तुरन्त तीन वर्ष बाद की अवधि के लिए पत्राचार अध्ययन विभाग में अपना नामांकन जारी रखने की अनुमति दी जा सकती है । इस मतलब के लिए उसे सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निश्चित की गई अनुवर्ती फीस प्रत्येक वर्ष देनी होगी । ऐसे परीक्षार्थी को पत्राचार अध्ययन विभाग के पूर्व-विद्यार्थी के रूप में अगले लगातार तीन वर्षों तक परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है ।

4. जो परीक्षार्थी लगातार चार अवसरों में परीक्षा पास न कर सका हो, उसे न तो परीक्षा में दाखिल किये जाने की अनुमति दी जाएगी और न ही उसे षट्पाचार अध्ययन विभाग के लेट विधार्थी के तौर पर परीक्षा देने की आज्ञा दी जाएगी।
- 5.1 सभी पेपरों के लिए परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
- 5.2 परीक्षा उपयुक्त यूनिवर्सिटी समितियों द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार ली जाएगी।
6. परीक्षा पास करने के लिए प्रत्येक पेपर में 33 प्रतिशत और कुल अंकों में से 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।
7. परीक्षा-कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद अथवा जितनी जल्दी संभव हो सके, परीक्षा का परिणाम प्रकाशित करेगा।
8. सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:
 - (क) जो कुल अंकों में से 60% या अधिक अंक प्राप्त करते हैंपहली श्रेणी
 - (ख) जो कुल अंकों से 50% से अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करते हैंदूसरी श्रेणी
 - (ग) जो कुल अंकों में से 50% से कम अंक प्राप्त करते हैंतीसरी श्रेणी
9. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी अपनी डिग्री सहित एक प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा जिसमें उस द्वारा प्राप्त श्रेणी का उल्लेख किया जाएगा।
- 10.1 जिस परीक्षार्थी ने इस यूनिवर्सिटी की एम.एड. परीक्षा पास की है, वह उन एक अथवा दो अतिरिक्त पेपरों में परीक्षा दे सकता है जो पेपर उसने पहले पास न किए हों। प्रत्येक अतिरिक्त पेपर में परीक्षा देने के लिए परीक्षा फीस सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित किए गए अनुसार होगी, बशर्तेकि यह फीस सम्पूर्ण परीक्षा के लिए निर्धारित अधिकतम पूरी फीस होगी।

- 10.2 विनियम 10.1 के अंतर्गत एक अथवा दो अतिरिक्त पेपरों में परीक्षा देने वाले परीक्षार्थी को उस पेपर/पेपरों में पास होने के लिए कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पड़ेंगे ।
- 10.3 जिस परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी से पत्राचार द्वारा एम.एड. डिग्री प्रदान करने की योग्यता प्राप्त कर ली है, उसे उन पेपर/पेपरों में प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है जिनमें वह अपने पहले निष्पादन में सुधार करना चाहता हो । इस मतलब के लिए उसे एम.एड. परीक्षा पास करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि में दो अवसर प्रदान किए जा सकते हैं । परीक्षार्थी से संबंधित परीक्षा के लिए निर्धारित फीस ली जाएगी ।
- 10.4 ऐसे परीक्षार्थी का परिणाम केवल तभी घोषित किया जाएगा जब वह अपने निष्पादन में सुधार कर सकेगा ।
- 10.5 जिस व्यक्ति ने एम.एड. परीक्षा तीसरी/दूसरी श्रेणी में पास की है, उसे अपने पहले निष्पादन में सुधार लाने के उद्देश्य से प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है । इस उद्देश्य के लिए उसे -
- अपने पहले निष्पादन में सुधार लाने के लिए दो अवसर दिए जाएंगे यदि उसने पहले किसी अवसर का
- लाभ न उठाया हो ।
- 10.6 बशर्तेकि विनियम 10.1 और 10.3 के अंतर्गत आए व्यक्तियों को परीक्षा में प्रथम आने पर कोई तमगा/पुरस्कार प्रदान नहीं किया जाएगा ।

चंडीगढ़-160014


दिनांक: 24-3-2004



(एच.सी.मल्होत्रा)

डिप्टी रजिस्ट्रार(जनरल)

मेरी उपस्थिति में आज दिनांक, 24-3-2004 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबंद ।



(परमजीत सिंह)
रजिस्ट्रार

पंजाब यूनिवर्सिटीअरि

सं. 3-2004/जी.आर.

केन्द्र सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सेकन्ड्री एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली ने मंजूरी दे दी है।

1. पं.यू., कैलेन्डर, भाग I, 1994 के पृष्ठ 47 पर अध्याय II (ए) (iii) 'वित्त' (फाइनेन्स) का विनियम 13.2.

13.2 फाइनेन्स एण्ड डिवेलप्मेन्ट आफिसर द्वारा हस्ताक्षरित चेकों द्वारा अदायगी की जाएगी। फिर भी, सिंडिकेट किसी अन्य अफसर अथवा अफसरों को 2 लाख तक के चेकों पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत कर सकती है।

2. पं.यू. कैलेन्डर, भाग I, के पृष्ठ 65-67 पर अध्याय II (vi) पाठ्य समिति (बोर्ड ऑफ स्टडीज) का विनियम 4.

4. निम्नलिखित विषयों में पाठ्य समितियाँ और उनके कन्वीनरों को सिंडिकेट द्वारा मनोनीत किया जाएगा।

(I) से (XLIV) XXX XXX

(XLV) व्यावसायिक कृषि

(XLVI) पर्यावरणीय शिक्षा

3. पं.यू. कैलेन्डर, भाग I, 1994 के पृष्ठ 176 और 178 पर 'संबद्धता की शर्तें' से संबंधित अध्याय VIII (च) के विनियम 2 और 6.1.

2. आवेदनपत्र से संलग्न होगा -

(क) विवरण जिसमें शासी निकाय की बनतर और इसके सदस्यों के नामों की पूर्ण सूचना हो;

(ख) विवरण जिसमें नियुक्त अध्यापकों के नाम और उनकी योग्यताएं और नियुक्त किए जाने वाले प्रस्तावित अध्यापकों की संख्या, प्रत्येक अध्यापक द्वारा पढ़ाए जाने वाले प्रस्तावित विषय दर्शाए जाएंगे।

(ग) अध्यक्ष द्वारा यह आश्वासन कि इस तरह नियुक्त अध्यापकों को यूनिवर्सिटी द्वारा समय समय पर निर्धारित ग्रेडों के अनुसार वेतन और भत्ते दिए जाएंगे।

(घ) से (ठ) तक XXX XXX XXX

- 6.1 संबद्धता में बढ़ोतरी प्रदान करने के लिए आवेदनपत्र के साथ संलग्न होंगे:

(क) विवरण जिसमें नियुक्त अध्यापकों और उनकी योग्यताएँ और नियुक्त किए जाने वाले प्रस्तावित अध्यापकों की संख्या, प्रत्येक अध्यापक द्वारा पढ़ाए जाने वाले प्रस्तावित विषय दर्शाए जाएंगे।

(ख) अध्यक्ष द्वारा यह आश्वासन कि इस तरह नियुक्त अध्यापकों को यूनिवर्सिटी द्वारा समय समय पर निर्धारित ग्रेडों के अनुसार वेतन और भत्ते दिए जाएंगे।

(ग) से (घ) तक XXX XXX

4. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 55 पर बी.ए./बी.एस-सी (जानरल और आनर्ज) परीक्षा के लिए विनियम 27.2 और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए। 27.2 जिस परीक्षार्थी की बी.ए./बी.एस-सी. के पहले वर्ष/दूसरे वर्ष में कंपार्टमेंट आई है, वह अस्थायी तौर पर बी.ए./बी.एस-सी. के दूसरे वर्ष/तीसरे वर्ष की कक्षा में दाखिल होने के योग्य है। जिस परीक्षा में उसे कंपार्टमेंट में रखा गया था, उसके तुरन्त बाद के दो लगातार अवसरों में यदि वह कंपार्टमेंट विषय में पास नहीं होता, तो बी.ए./बी.एस-सी. के दूसरे वर्ष/तीसरे वर्ष का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा। कंपार्टमेंट विषय के लिए वह नियमित अथवा लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर परीक्षा दे सकता है।

5. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 77-78 पर मास्टर ऑफ आर्ट्स परीक्षा के विनियम 2.1 और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1997 के दाखिलों से लागू किया जाए। 2.1 मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री के लिए परीक्षा निम्नलिखित विषयों में होगी और परीक्षार्थी इनमें से कोई एक विषय लेगा:

बशर्तेकि

(i) से (iv) XXX XXX XXX

(v) परीक्षार्थी गणित केवल तभी लेगा यदि उसने बी.एस-सी (आनर्ज स्कूल)/बी.ए./बी.एस-सी(आनर्ज) उस विषय में की है अथवा गणित के विषय के साथ बी.ए./बी.एस-सी.(पास) परीक्षा की है और कुल अंकों

में से कम से कम 50% अंक अथवा गणित के विषय में 45% अंक प्राप्त किए हैं।

6. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 82 पर मास्टर ऑफ आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 3.2 में परिवर्धन, और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।

विनियम में परिवर्धन

3:2 यदि किसी परीक्षार्थी को इस यूनिवर्सिटी की बी.ए./बी.एस-सी. की तीसरे वर्ष की परीक्षा में एक विषय में कंपार्टमेंट के अंतर्गत रखा जाता है, उसके अन्य शर्तें पूरा करने की सूरत में उसे अस्थायी तौर पर एम.ए. भाग I में दाखिल होने की अनुमति दी जाएगी और बशर्तेकि

(i) जिस विषय में उसने पुनः परीक्षा देनी है, वह एम.ए. भाग-I की परीक्षा के लिए न लिया गया हो।

(ii) जिस परीक्षा में उसे कंपार्टमेंट में रखा गया है उसके तुरन्त बाद के अगले दो लगातार अवसरों में यदि वह बी.ए./बी.एस-सी. की तीसरे वर्ष की परीक्षा में कंपार्टमेंट विषय को पास नहीं कर लेता, उसका एम.ए. भाग-I कक्षा में अस्थायी तौर पर किया दाखिला और एम.ए. भाग-I की परीक्षा का परिणाम रद्द कर दिए जाएंगे।

7. मास्टर ऑफ एजुकेशन(एम.एड.)पत्राचार अध्ययन के लिए विनियम 1.1 और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1999-2000 के शैक्षिक सेशन से लागू किया जाए।

1.1 पत्राचार द्वारा मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि दो वर्ष होगी।

8. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 280 पर बी. कॉम. (जनरल और आनर्ज) परीक्षा के लिए विनियम 19, और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 की परीक्षाओं से लागू किया जाए।

19. बी.कॉम दूसरे वर्ष और बी.कॉम तीसरे वर्ष की परीक्षाओं के अतिरिक्त, परीक्षार्थी निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक क्षेत्र में और ऐसे अन्य क्षेत्रों में आनर्ज ले सकता है जिनको विद्या परिषद ने समय समय पर अनुमोदित किया हो:

1. बिजनेस इक्नॉमिक्स
2. बिजनेस लॉ
3. बिजनेस फाइनेन्स एण्ड अकाउंटिंग
4. बिजनेस मैनेजमेंट

9. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 320-322 पर बेचुलर ऑफ लॉज के लिए विनियम जिन्हें सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में इसके प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।

1. पंजाब यूनिवर्सिटी एल-एल.बी(बेचुलर ऑफ लॉज)की डिग्री के लिए तीन-वर्षीय(6 सिमेस्टर्स का) कोर्स शुरू करेगी।

व्याख्या

प्रत्येक वर्ष को दो सिमेस्टर्स में विभाजित किया जाएगा:

- (i) जुलाई से नवंबर/दिसंबर तक;
- (ii) जनवरी से अप्रैल के अंत तक।

*1(क) पंजाब यूनिवर्सिटी किसी कालेज को एल-एल.बी.(बेचुलर ऑफ लॉज) की डिग्री के लिए तीन-वर्षीय (6 सिमेस्टर) कोर्स शुरू करने के लिए यूनिवर्सिटी समय समय पर निर्धारित शर्तों पर संबद्धता प्रदान कर सकती है।

3. एल-एल.बी. कोर्स की पहले वर्ष की कक्षा में दाखिले की न्यूनतम योग्यता निम्नलिखित में से कोई एक होगी:

(क) पंजाब यूनिवर्सिटी की किसी फेकल्टी से बेचुलर डिग्री जिसमें कुल अंकों में से कम से कम 45% अंक प्राप्त किए हों;

(ख) पंजाब यूनिवर्सिटी की अनुसारी डिग्री के तुल्य मान्यताप्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी की किसी फेकल्टी से डिग्री जिसमें कुल अंकों में से कम से कम 45% प्राप्त किए हों।

बशर्तेकि उस परीक्षार्थी की सूरत में जिसके पास इस यूनिवर्सिटी अथवा सिंडिकेट द्वारा मान्यताप्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी से आधुनिक भारतीय भाषाओं(हिंदी या उर्दू या पंजाबी-गुरमुखी लिपि) और/अथवा क्लासिकी भाषा (संस्कृत या फारसी या अरबी) में बेचुलर डिग्री है, 45% के कुल जोड़ की गणना अतिरिक्त ऐच्छिक पेपर के अंकों को छोड़कर, भाषा की परीक्षा में प्राप्त अंकों, अंग्रेजी और वैकल्पिक विषय में प्राप्त अंकों को जोड़कर की जाएगी।

(ग)पंजाब यूनिवर्सिटी से मास्टरज डिग्री;

(घ) किसी अन्य यूनिवर्सिटी से मास्टरज डिग्री जिसे पंजाब यूनिवर्सिटी की मास्टरज डिग्री के तुल्य मान्यता प्राप्त हो।

4. इस कोर्स में दाखिल किसी परीक्षार्थी को सिमेस्टर परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक वह विशेष सिमेस्टर के लिए समय समय पर निर्धारित उनके पेपर/अध्ययन, पाठ्यक्रम के आंशिक भाग के तौर पर उस सिमेस्टर में प्रत्येक विषय/पेपर में दिए लेक्चरों में 66 प्रतिशत और कानून पर चर्चा, द्युटोरियलों, अदालतों के भ्रमण और पांचवें/छठे सिमेस्टर के विद्यार्थियों को विशेषज्ञों द्वारा दिए लेक्चरों में 66 प्रतिशत में हाज़िर न रहा हो।

बशर्तेकि न्यूनता को लॉज विभाग का अध्यक्ष निम्नानुसार माफ़ कर सकता है:

- (i) परीक्षार्थी के अधिक से अधिक लाभ हित विभिन्न पेपर/रों में 30 लेक्चर तक; और
- (ii) कानून पर चर्चा, द्युटोरियलों, अदालत में भ्रमण में 8 अंकों तक।

बशर्तेकि विशेषज्ञों द्वारा दिए लेक्चरों के संबंध में किसी माफी की अनुमति नहीं दी जाएगी

आगे बशर्तेकि किसी माफी की अनुमति नहीं दी जाएगी यदि परीक्षार्थी प्रत्येक पेपर/विषय/द्युटोरियलों/चर्चा में 33% लेक्चरों से कम में हाज़िर रहा हो।

5. प्रत्येक सिमेस्टर परीक्षा प्रत्येक वर्ष नवंबर और मई में अथवा समय समय पर निश्चित तिथियों पर होगी।
6. प्रत्येक सिमेस्टर के विभिन्न कोर्सों के लिए परीक्षा में लिखित परीक्षाएँ अथवा ऐसा अन्य परीक्षण सम्मिलित होगा जिसका सीनेट द्वारा समय समय पर निर्णय लिया गया हो
- 7.1 (क) पहले से दूसरे, तीसरे से चौथे और पांचवें से छठे सिमेस्ट्रों में सिमेस्टर-उन्नति की अनुमति उस विद्यार्थी को दी जाएगी जो नियमों के अंतर्गत हाज़िरी और अन्य शर्तों को पूरा करता है, चाहे वह यथास्थिति पहले, तीसरे अथवा पाँचवें सिमेस्ट्रों में परीक्षा न भी दे अथवा पास न भी हो।

(ख) दूसरे वर्ष(तीसरे सिमेस्टर) अथवा तीसरे वर्ष (पाँचवें सिमेस्टर) में सिमेस्टर-उन्नति/दाखिले की अनुमति उस परीक्षार्थी को दी जाएगी जिसने

यथास्थिति पहले वर्ष(पहले और दूसरे सिमेस्टरों) के लिए निर्धारित 10 पेपरों में से 5 पास कर लिए हों और पहले और दूसरे वर्ष(पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे सिमेस्टरों) के लिए निर्धारित 20 पेपरों में से 10 पेपर पास कर लिए हों।

(ग) परीक्षार्थी को पहले और दूसरे सिमेस्टरों, तीसरे और चौथे सिमेस्टरों और पांचवें और छठे सिमेस्टरों की परीक्षा में यथास्थिति पहले, तीसरे और पांचवें सिमेस्टर में दाखिल होने से तीन वर्ष अंदर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

- 8.2 जिस परीक्षार्थी ने विनियम 8.1 के अंतर्गत एल-एल.बी. के सभी अवसर समाप्त कर लिए हैं, वह एल-एल.बी. के ऐसे बकाया पेपरों में जिनमें वह पास नहीं हुआ था, अपने सभी अवसर समाप्त हो जाने से दो वर्ष के अंदर लेट कॉलेज विद्यार्थी के तौर पर पुनःपरीक्षा दे सकता है।

बशर्तेकि वह परीक्षार्थी जो इस विनियम के अंतर्गत आता यदि यह विनियम 8.1 का भाग होता, वह भी इस विनियम के लागू होने से दो वर्ष अंदर एल-एल.बी. के बकाया पेपरों में पुनःपरीक्षा दे सकता है जिनमें विनियम 8.1 के पदों में वह पास नहीं हो सकता था।

9. जो परीक्षार्थी पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे सिमेस्टरों की परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त कर लेता है, उसे एल-एल.बी.(बेचुलर ऑफ लॉज) की डिग्री प्रदान की जाएगी।

- 9.1 प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा, रि-अपियर परीक्षा के लिए परीक्षा फीस की राशि को समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित किया जाएगा।

- 9.2 प्रत्येक परीक्षार्थी इन विनियमों की 3 और 5 धाराएं और अन्य विनियमों के अनुसार प्रत्येक परीक्षा के लिए अपना आवेदनपत्र अपेक्षित प्रमाणपत्रों सहित निश्चित परीक्षा फीस सहित निश्चित तिथि तक भेजेगा।

10. अध्यापन और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।

11. परीक्षा; परीक्षा के समय यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित मौजूदा पाठ्यक्रम और पाठ्य-कोर्सों के अनुसार होगी।

12. परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित पास अंक प्रत्येक पेपर में 45 प्रतिशत होंगे।

13. सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) जो एल-एल.बी. के सभी पेपरों के ... निश्चित सहित पहली श्रेणी

कुल जोड़ में से 75% या अधिक

अंक प्राप्त करते हैं

(ख) जो एल-एल.बी. के सभी पेपरों के

कुल जोड़ में से 60% या अधिक

परन्तु 75% से कम अंक प्राप्त करते हैं ...पहली श्रेणी

(ग) जो एल-एल.बी. के सभी पेपरों के कुल

जोड़ में से 50% या अधिक परन्तु 60%

से कम अंक प्राप्त करते हैं ...दूसरी श्रेणी

(घ) जो एल-एल.बी. के सभी पेपरों के कुल

जोड़ में से 45% या अधिक परन्तु

50% से कम अंक प्राप्त करते हैं ...तीसरी श्रेणी

14. अस्थायी विनियम

जिस परीक्षार्थी ने पुराने विनियमों के अंतर्गत पंजाब यूनिवर्सिटी से बी. ऐल.(2-वर्षीय) डिग्री प्राप्त की है, उसे निम्नलिखित शर्तों के अधीन पांचवें सिमेस्टर में दाखिल होने की अनुमति दी जाएगी:

(क) ऐसा परीक्षार्थी अपनी बी.ऐल. की डिग्री को वापिस करेगा;

(ख) ऐसे परीक्षार्थी को मौजूदा पाठ्यक्रम के अनुसार पहले से चौथी सिमेस्टर परीक्षाओं के वे पेपर पढ़ने पड़ेंगे जिनको उसने पहले पास नहीं किया था।

(ग) ऐसे परीक्षार्थी को पांचवें और छठे सिमेस्टर के उन पेपरों में परीक्षा देने से छूट दी जाएगी जो उसने पहले से चौथे सिमेस्टर की परीक्षाओं में पास किए थे।

(घ) ऐसा परीक्षार्थी एल-एल.बी. की डिग्री प्रदान करने के लिए मौजूदा विनियम द्वारा नियंत्रित होगा।

10. एम.एस-सी. टेक्निकल केमिस्ट्री के नाम का एम.एस-सी.(इन्डस्ट्रियल केमिस्ट्री) में परिवर्तन और पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II के पृष्ठ 363-366 पर विनियम 1, 2.1, 3(क), 4, 8, 9, 10, 11(क) और (ख), 12(क) और 12(ग), 13, 14, 15 और 16 और इन्हें सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में इसके प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998-99 की परीक्षाओं से लागू किया जाए।

1. मास्टर ऑफ साइंस इन इन्डस्ट्रियल केमिस्ट्री की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी।

2.1 मास्टर ऑफ साइंस इन इन्डस्ट्रियल केमिस्ट्री की परीक्षा में पहले, दूसरे और तीसरे सिमेस्टर की परीक्षाएँ सम्मिलित होंगी और चौथा सिमेस्टर शोध-प्रबन्ध के कार्य को समर्पित होगा। परीक्षार्थी के लिए सही ढंग से जिल्दबंद और साफ़ तरीके से टाइप हुई अथवा मुद्रित चार कापियां प्रस्तुत करनी अपेक्षित होंगी।

परीक्षाएं प्रत्येक वर्ष नवंबर/दिसंबर और अप्रैल/मई के महीनों में अथवा सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होंगी।

3(क) परीक्षार्थी द्वारा दी जाने वाली दाखिला फीस की राशि, जिसमें ब्योरेबार अंक प्रमाणपत्र की फीस भी सम्मिलित होगी, समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित की गई राशि होगी।

(ख) से (च) XXX XXX XXX

4. निम्नलिखित योग्यताओं वाला व्यक्ति इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए योग्य होगा:

(क) इस यूनिवर्सिटी का केमिस्ट्री में बी.एस-सी. आनर्ज स्कूल

अथवा

(ख) भौतिकी, केमिस्ट्री और गणित सहित बी.एस-सी. तीन-वर्षीय डिग्री कोर्स

(ग) कोई अन्य परीक्षा जो सिंडिकेट द्वारा उपर्युक्त (क) और (ख) के तुल्य मान्यता प्राप्त हो।

जिस व्यक्ति ने उपर्युक्त (ख) और (ग) के अंतर्गत कोई तुल्य परीक्षा पास की है, उसे दाखिले के समय पंजाब यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार से पात्रता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

8. मास्टर ऑफ साइंस इन इन्डस्ट्रियल केमिस्ट्री की डिग्री की परीक्षा कोई विद्यार्थी दे सकता है जिसने -
 - (क) और (ख) XXX XXX XXX
 - (ग) अपना नाम विभाग अध्यक्ष के ज़रिये परीक्षा-कंट्रोलर को भिजवा दिया हो और विभाग अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे।
 - (i) से (iii) XXX XXX XXX
9. प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए उस सिमेस्टर के अंत में उस सिमेस्टर-विशेष की परीक्षा के लिए निर्धारित सभी विषयों में परीक्षा देना अपेक्षित होगा। यदि कोई परीक्षार्थी किसी विषय में अपेक्षित परीक्षा न दे सके, उसे उस विषय/यों में फेल हुआ समझा जाएगा।
10. यदि कोई परीक्षार्थी किसी सिमेस्टर के लिए परीक्षा में एक या अधिक पेपरों को पास न कर सके, उसे उसी सिमेस्टर की अगली अनुपूरक परीक्षा में इन पेपरों में परीक्षा देनी होगी। इसके साथ ही परीक्षार्थी अगले सिमेस्टर की अपनी पढ़ाई को जारी रख सकता है।
11. (क) जो परीक्षार्थी अनुपूरक परीक्षा में एक या अधिक विषयों में फेल हो जाता है, उसे उस सिमेस्टर की परीक्षा में पूर्ण रूप से फेल माना जाएगा और उसे समूचे सिमेस्टर को दोहराना पड़ेगा। उस सूरत में, उसे अगले सिमेस्टर की पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - (ख) यदि परीक्षार्थी ऐसा करता है, तो वह उस सिमेस्टर का कोर्स नए सिरे से शुरू कर सकता है और सेशनल अंकों को बढ़ा सकता है, वरना वह प्राइवेट तौर पर परीक्षा दे सकता है और उस सूरत में उसके पुराने सेशनल अंक माने जाएंगे।
 - (ग) XXX XXX XXX
- 12 (क) परीक्षार्थी को उसके शोध-प्रबन्ध की समस्या तीसरे सिमेस्टर के आरंभ में सौंप दी जाएगी, परन्तु उसे शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने की केवल तब ही अनुमति दी जाएगी यदि वह पहले, दूसरे और तीसरे सिमेस्टर की परीक्षा के लिए निर्धारित सभी पेपरों की परीक्षा दे सके। यदि वह चौथे सिमेस्टर में अपना शोध-प्रबन्ध पूरा न कर सके, उस शोध-प्रबन्ध की प्रस्तुति के लिए अधिक से अधिक एक वर्ष और दिया जाएगा।
 - (ख) XXX XXX XXX
 - (ग) शोध-प्रबन्ध की जांच आंतरिक और बाहरी परीक्षक द्वारा की जाएगी। मौखिक परीक्षा परीक्षक-मंडल द्वारा की जाएगी जिसमें बाहरी परीक्षक, आंतरिक परीक्षक और विभाग अध्यक्ष सम्मिलित होंगे। यदि विभाग अध्यक्ष निरीक्षक/आंतरिक परीक्षक है, तो पाठ्य-समिति की सिफारिश पर कुलपति विभाग से किसी तीसरे व्यक्ति को नियुक्त करेगा।
 - (घ) XXX XXX XXX

13. परीक्षार्थी दूसरे सिमेस्टर के बाद ग्रीष्म-अवकाश में छः सप्ताह का अनिवार्य फेकल्टी प्रशिक्षण करेगा।

14. प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा को पास करने के लिए अपेक्षित अंक होंगे:

(i) से (iii) XXX XXX XXX

यदि कोई परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50% अंक प्राप्त करने में असफल रहता है परन्तु अन्य सभी शर्तों को पूरा करता है, उसे अंक बढ़ाने के लिए और ये शर्तें पूरा करने के लिए अगली परीक्षा में पूरी परीक्षा को दोहराने अथवा किसी/किन्हीं पेपर/पेपरों में परीक्षा देने का विकल्प होगा जिस/जिनमें उसने 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किए हैं।

15. निर्धारित परीक्षाओं को पूरा करने के बाद सफल परीक्षार्थी को सभी सिमेस्टरों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर निम्नलिखित तरह से वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) से (ग) XXX XXX XXX

16. (ग) सेशनल काम (जिसमें क्लास परीक्षण, मध्यावधि परीक्षाएं, गृह असाइनमेंट इत्यादि शामिल हैं) के लिए अंकों की सिफरिश क्लास के अध्यापक द्वारा कंट्रोल-बोर्ड को की जाएगी और बोर्ड, यदि चाहे, अंकों में तबदीली भी कर सकता है। अनुमोदित आंतरिक मूल्यांकन के अंकों को विभाग अध्यक्ष द्वारा यूनिवर्सिटी को भेजा जाएगा।

(घ) शोध-प्रबन्ध के सेमिनार का मूल्यांकन तीन परीक्षाओं के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिसमें विभाग अध्यक्ष और पाठ्य-समिति द्वारा मनोनीत विभाग के दो अन्य अध्यापक होंगे।

11. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 442 पर बी. एस-सी. (नर्सिंग) (पोस्ट-बेसिक) के लिए विनियम 7(क) (i) और (ii), और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।

7. पहली परीक्षा वह परीक्षार्थी दे सकेगा जिसने

(क) 10+2+3 स्कीम के अंतर्गत 10+2 की परीक्षा पास की है

अथवा

कोई अन्य परीक्षा जो सिंडिकेट द्वारा इसके तुल्य मान्यताप्राप्त हो।

12. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 445 पर बेचुलर ऑफ साइंस इन नर्सिंग परीक्षा के लिए विनियम 2 और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।

2. जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से एक परीक्षा पास की है और दाखिले के साल के 31 दिसंबर तक कम से कम 17 वर्ष की आयु हो अथवा हो जाएगी, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य होगा:

(क) भौतिकी, रासायनिकी, जीवविज्ञान और अंग्रेजी सहित 10+2 परीक्षा;

अथवा

(ख) पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा इसके तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा

- 1.3. परिशिष्ट के अनुसार एम.टैक(पॉलिमर्ज) कोर्स के लिए विनियम और इसके सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में इसके प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।
- 1.1 नियमित विद्यार्थियों के लिए एम.टैक(पॉलिमर्ज) की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि तीन सिमेस्टर (18 महीने) की होगी। जिस अधिकतम अवधि में परीक्षार्थी ने इस डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त करनी है, वह चार शैक्षिक वर्ष होगी जिसको पूरा न करने की सूरत में उसे इस कोर्स के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बशर्ते कि यह सीमा शोध-प्रबन्ध पर लागू नहीं होगी जिसके लिए अधिकतम समय विनियम 7.3(क) में दिए गए के अनुसार होगा।
- 1.2 उस परीक्षार्थी की सूरत में जो यूनिवर्सिटी विभाग अथवा यूनिवर्सिटी से संबद्ध कालेज की इंजीनियरिंग और टेक्नॉलोजी की फेकल्टी में पूर्णकालिक अध्यापक के तौर पर काम करता है अथवा यूनिवर्सिटी के अधिकार-क्षेत्र में किसी विभाग/उद्योग/प्रयोगशाला में कार्यकारी इंजीनियर है, एम.टैक(पॉलिमर्ज) परीक्षा के लिए कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी। अधिकतम काल जिसमें ऐसे परीक्षार्थी को डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त करनी जरूरी है, चार शैक्षिक वर्ष होगा जिसको न कर सकने की सूरत में उसे इस कोर्स के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बशर्ते कि यह सीमा शोध-प्रबन्ध पर लागू नहीं होगी जिसके लिए अधिकतम समय विनियम 7.3 (ख) में दिए गए के अनुसार होगा।
- 2.1 एम.टैक(पॉलिमर्ज)की डिग्री के लिए कोर्स के वर्ष में दो सिमेस्टर होंगे। प्रत्येक सिमेस्टर के लिए परीक्षा दिसंबर/जनवरी और मई/जून में अथवा सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।
- 2.2 देरी परीक्षा बिना/सहित परीक्षा दाखिला फार्म और परीक्षा फीस प्राप्त करने की अंतिम तिथियों को सिंडिकेट द्वारा निश्चित किया जाएगा।
- 2.3 विनियम 2.1 और 2.2 के अनुसार सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों को परीक्षा कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।
- 3.1 निम्नलिखित योग्यताएं रखने वाला व्यक्ति एम.टैक (पॉलिमर्ज)कोर्स में दाखिला लेने के योग्य होगा:
- (क) (i) केमिकल इंजीनियरिंग, केमिकल टेक्नॉलोजी, पॉलिमर/प्लास्टिक साइंस/इंजीनियरिंग/टेक्नॉलोजी में बेचुलरज डिग्री(10+2 के बाद 4 वर्ष);

अथवा

(ii) रासायणिकी, टेक्निकल रासायणिकी, व्यावहारिक रासायणिकी अथवा इंडस्ट्रियल रासायणिकी अथवा तुल्य परीक्षा में मास्टरज डिग्री।

(ख) आवेदक को GATE परीक्षा में अर्हता प्राप्त हो।

(ग) जो आवेदक GATE में अर्हता प्राप्त नहीं हैं उनको केमिकल इंजीनियरिंग की पाठ्य-समिति द्वारा तैयार की जाने वाली लिखित परीक्षा देनी होगी।

3.2 यूनिवर्सिटी विभाग अथवा एम.टैक(पॉलिमर्ज) डिग्री कोर्स के लिए संबद्ध कालेज का पूर्णकालिक अध्यापक अथवा यूनिवर्सिटी के अधिकार-क्षेत्र में किसी विभाग/उद्योग/प्रयोगशाला में काम कर रहे इंजीनियर को नियमित विद्यार्थियों की तरह ही दाखिले की सामान्य विधि द्वारा इस कोर्स में दाखिल होने की अनुमति दी जा सकती है।

4.1 जिस विद्यार्थी के पास विनियम 2 में निर्धारित योग्यताएं हैं, जो संबंधित सिमेस्टर की शैक्षिक अवधि के लिए एम.टैक(पॉलिमर्ज)कोर्स में यूनिवर्सिटी विभाग में हाजिर रहा है और विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह उस सिमेस्टर में परीक्षा देने के योग्य होगा:-

(i) सदाचरण का;

(ii) प्रत्येक विषय के लिए कम से कम 85% लेक्चरों में हाजिर रहने का और ट्यूटोरियों, डिजाइन प्रयोगशाला काम और सेमिनारों के सेशनल काम के 75% में हाजिर रहने का, और विभाग द्वारा समय समय पर ली आवधिक परीक्षाएँ अथवा अपने आप को सभी अभ्यासों में उत्तम ढंग से लैस करने का।

4.2 लेक्चरों और प्रेक्टिकलों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता 10 प्रतिशत तक यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष द्वारा माफ की जा सकती है।

5. परीक्षार्थियों द्वारा अदा की जाने वाली सिमेस्टर के लिए दाखिला फीस और शोध-प्रबन्ध की जांच की फीस यूनिवर्सिटी नियमों के अनुसार होगी।

6.1 प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा के लिए निम्नांकित प्रस्तुत करने पड़ेंगे:

(क) सीनेट द्वारा समय समय पर अनुमोदित सूची में से 10 सिद्धान्त पेपर - इनका चयन विभाग अध्यक्ष की सलाह से करना है बशर्ते कि किसी परीक्षार्थी को कोर्स के पहले वर्ष के पहले सिमेस्टर के अंत में

पांच पेपरों से अधिक में अर्हता प्राप्त करने और कोर्स के पहले वर्ष के अंत में 10 पेपर (पहले सिमेस्टर में पास किए पेपरों सहित) से अधिक में अर्हता प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) जिस विद्यार्थी के पास इंजीनियरिंग/टेक्नालोजी की डिग्री नहीं है, उसको केमिकल इंजीनियरिंग के मूल तत्वों में कोर्स की अर्हता प्राप्त करनी होगी। इस कोर्स के कोई क्रेडिट नहीं होंगे।

(ग) शोध-प्रबन्ध, जिसकी चार साफ टाइप की हुई अथवा मुद्रित सही ढंग से जिल्द की हुई कापियाँ यूनिवर्सिटी को प्रस्तुत करनी होंगी।

6.2 परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।

7.1 परीक्षार्थी अपना शोध-प्रबन्ध विभाग में संबंधित अध्यापक की निगरानी में तैयार करेगा। यदि विभाग का अध्यक्ष संतुष्ट हो कि शोध-प्रबन्ध तैयार करने की सहूलतें किसी दूसरी जगह मिल सकती हैं, वह उस परीक्षार्थी को अपना शोध-प्रबन्ध वहाँ तैयार करने की अनुमति दे सकता है और यह अवधि एम.टैक.(पॉलिमर्ज)के लिए शर्त में गिनी जाएगी, परन्तु परीक्षार्थी अपना शोध-प्रबन्ध पूरा करने के लिए कम से कम चार सप्ताह का समय अपने अध्यापक अथवा विभाग अध्यक्ष की सीधी निगरानी में काम करेगा।

7.2 शोध-प्रबन्ध विषय के बारे में मौजूदा ज्ञान की व्यवस्थित और आलोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत करेगा और उसके परिणाम मौलिक शोध के होंगे और यह परीक्षार्थी की स्वतन्त्र रूप में शोध करने की समर्थता को प्रदर्शित करेगा। शोध-प्रबन्ध लिखते समय परीक्षार्थी उस द्वारा स्वतन्त्र तौर पर किए काम को स्पष्टतया प्रदर्शित करेगा और उन स्रोतों को दर्शाएगा जिनसे शोध-प्रबन्ध में दी जानकारी को प्राप्त किया है।

7.3 (क) परीक्षार्थी शोध-प्रबन्ध को कोर्स के तीसरे सिमेस्टर के दौरान में कभी भी प्रस्तुत कर सकता है बशर्ते कि उसने तीसरे सिमेस्टर की परीक्षा तक के सभी सिद्धान्त पेपरों में परीक्षा दी है। शोध-प्रबन्ध का परिणाम तभी घोषित किया जाएगा जब तक परीक्षार्थी सभी 10 सिद्धान्त पेपरों में पास नहीं हो जाता। परीक्षार्थी के पास इंजीनियरिंग टेक्नालोजी डिग्री न होने की सूरत में, शोध-प्रबन्ध का परिणाम तभी घोषित किया जाएगा जब तक परीक्षार्थी सभी 10 सिद्धान्त पेपर पास नहीं कर लेता और केमिकल इंजीनियरिंग के मूल कोर्स में भी अर्हता प्राप्त नहीं कर लेता। परीक्षार्थी का शोध-प्रबन्ध रद्द होने की सूरत में अथवा तीसरे सिमेस्टर में

शोध-प्रबन्ध पूरा न करने की सूरत में, उसे शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने अथवा इसका संशोधन करने के लिए अधिक से अधिक दो साल और दिए जाएंगे।

(ख) परिणाम पूर्णकालिक अध्यापक अथवा किसी विभाग/उद्योग/प्रयोगशाला में काम कर रहे इंजीनियर द्वारा कोर्स के पांचवें सिमेस्टर के दौरान में किसी भी समय प्रस्तुत किया जाएगा बशर्ते कि उसने चौथे सिमेस्टर तक की परीक्षा तक सभी सिद्धान्त पेपर्स की परीक्षाएं दे दी हैं। शोध-प्रबन्ध का परिणाम परीक्षार्थी के सभी 10 सिद्धान्त पेपर्स में पास होने के बाद ही घोषित किया जाएगा। यदि परीक्षार्थी के पास इंजीनियरिंग टेक्नालोजी की डिग्री नहीं है, शोध-प्रबन्ध का परिणाम उस समय घोषित किया जाएगा जब वह 10 सिद्धान्त पेपर पास कर लेगा और वह केमिकल इंजीनियरिंग के मूल कोर्स में अर्हता प्राप्त कर लेगा। यदि परीक्षार्थी का शोध-प्रबन्ध रद्द कर दिया जाता है अथवा वह छठे सिमेस्टर में शोध-प्रबन्ध को पूरा नहीं कर पाता, उसे शोध-प्रबन्ध को प्रस्तुत करने अथवा इसका संशोधन करने के लिए अधिक से अधिक दो और वर्षों की अनुमति दी जाएगी।

आगे बशर्ते कि उपर्युक्त सीमा के आगे समय में बढ़ोतरी की अनुमति एक साल के लिए केवल विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर कुलपति महोदय ही दे सकते हैं।

7.4 शोध-प्रबन्ध के विषय-वस्तु पर मौखिक परीक्षा होगी। यदि परीक्षक आवश्यक समझें तो परीक्षार्थी का लिखित और/अथवा प्रेक्टिकल परीक्षण भी ले सकते हैं।

8.1 परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम अंक इस तरह होंगे:

(क) प्रत्येक सिद्धान्त पेपर में 40 प्रतिशत

(ख) प्रत्येक पेपर के सेशनल भाग में 50 प्रतिशत।

सिद्धान्त पेपर और सेशनल परीक्षाएं दोनों को एक दूसरे से स्वतन्त्र समझा जाएगा। कुल जोड़ की पास प्रतिशतता 50% होगी।

8.2 विनियम 1.1 के अधीन, जो परीक्षार्थी किसी पेपर में फेल हो जाता है, उसे उस विषय में परीक्षा पास करने के लिए किसी आगामी परीक्षा में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु इस के लिए प्रत्येक सिमेस्टर परीक्षा में, जिसमें वह परीक्षा दे रहा है, प्रति पेपर अपेक्षित

फीस देनी होगी बशर्तेकि ऐसे परीक्षार्थी को 'वैशिष्ट्य सहित पास' की कोटि में नहीं रखा जाएगा।

जिस परीक्षार्थी ने किसी पेपर में कम अंक प्राप्त किए हैं, उसे अपने अंकों में सुधार करने के उद्देश्य से अपेक्षित दाखिला फीस की अदायगी करने पर किसी भी आगामी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्तेकि ऐसे परीक्षार्थी को 'वैशिष्ट्य सहित पास' की कोटि में नहीं रखा जाएगा।

9. सफल परीक्षार्थियों को निम्नलिखित ढंग से वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) जो सभी सिद्धान्त पेपरों और सेशनलज के कुल अंकों में से 75 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं और अगर उसके शोध-प्रबन्ध को विशिष्टता प्रदान की गई है। बशर्तेकि संबंधित परीक्षार्थी ने प्रत्येक विषय में परीक्षा पहली बार में ही पास की हो (अर्थात् पहली बार जब परीक्षार्थी संबंधित विषय में वास्तव में यूनिवर्सिटी परीक्षा देता है)

....वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी

(ख) जो सभी सिद्धान्त पेपरों और सेशनलज के कुल अंकों में से 60 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं और वे वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी में रखने के योग्य नहीं होते

....पहली श्रेणी

(ग) जो सभी सिद्धान्त पेपरों और सेशनलज के कुल अंकों में से 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करते हैं परन्तु प्रत्येक पेपर में 40% और प्रत्येक पेपर के सेशनल भाग में 50% से कम अंक प्राप्त नहीं करते

....दूसरी श्रेणी

10. प्रत्येक सिमेस्टर परीक्षा के समाप्त होने से चार सप्ताह बाद अथवा जितनी जल्दी संभव हो, परीक्षा-कंट्रोलर परिणाम घोषित करेगा। प्रत्येक सफल परीक्षार्थी उस सिमेस्टर में परीक्षा पास करने का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा। जो परीक्षार्थी सभी सिमेस्टरों की परीक्षाएं पास कर लेता है, उसे विनियम 9 के अनुसार डिग्री प्रदान की जाएगी।

11. एम.टैक.(पालिमर्ज)परीक्षा पॉलिमर्ज में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा के लिए पंजीकृत व्यक्ति को, जो 10 सिद्धान्त पेपरों में पास अंक प्राप्त करता है, यदि वह चाहे, तो उसे विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन पॉलिमर्ज प्रदान किया जा सकता है।

14. परिशिष्ट के अनुसार पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशनज़ के लिए विनियम और इसे सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गज़ट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।
1. पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशनज़(PGDCA) की अवधि एक वर्ष की होगी। परीक्षा शैक्षिक वर्ष के अंत पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।
2. कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यताएं निम्नानुसार होंगी:
 - (i) ग्रेजुएट(10+2+3 परीक्षा पद्धति के अधीन बी.एस-सी./बी.ए./बी.कॉम अथवा तुल्य योग्यता)जिसमें 10+2 स्तर तक मुख्य विषय गणित हो।
 - (ii) बी.टैक./बी.ई.
 - (iii) सिंडिकेट द्वारा (i) और (ii) के तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा।
3. कोर्स में दाखिला, दाखिला-परीक्षण और/अथवा सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित कार्य-विधि पर आधारित होगा।
4.
 - (i) नियमित कंट्रोल-बोर्ड बनने तक, कंप्यूटर साइंस एण्ड एप्लिकेशनज़ विभाग की परामर्श समिति कंट्रोल-बोर्ड के तौर पर काम करेगी।
 - (ii) परामर्श समिति/कंट्रोल बोर्ड ऊपर पैरा 3 में निर्धारित कार्य-विधि के अनुसार दाखिला प्रक्रिया चलाएगी और अपनी सिफारिशों को अनुमोदन के लिए डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन को प्रस्तुत करेगी।
 - (iii) डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन के अनुमोदन के अंतर्गत, परामर्श समिति/कंट्रोल-बोर्ड को नियमों के अनुसार किसी विद्यार्थी को कक्षा-अवोन्नत करने/निकालने का अधिकार होगा।
5. पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशनज़(PGDCA) कोर्स में दाखिल प्रत्येक विद्यार्थी पंजाब यूनिवर्सिटी के रिजमल सेन्टर/संबद्ध कालेजों में हाज़िर रहेगा और वह सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित फीस सेन्टर/कालेज को अदा करेगा।
6. परामर्श समिति/कंट्रोल-बोर्ड पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स से संबंधित सभी मामलों, पाठ्यक्रम और परीक्षकों की नियुक्ति संबंधी अपनी सिफारिशों को अनुमोदन के लिए उपयुक्त निकायों के सामने प्रस्तुत करेगी।

7. क्लासरूम अध्यापन और परीक्षा विशेष सेशन के लिए अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी। आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा और मूल्यांकन की पद्धति का अभिन्न अंग होगा।
8. अध्यापन और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
9. PGDCA का प्रत्येक परीक्षार्थी अंतिम परीक्षा के लिए अपना आवेदनपत्र रिजनल सेन्टर/संबद्ध कालेज के डायरेक्टर/प्रिंसिपल के जरिये भेजेगा। आवेदनपत्र के साथ निम्नांकित प्रमाणपत्र संलग्न होने चाहिएँ:
 - (क) सदाचरण का,
 - (ख) प्रत्येक कोर्स में लेक्चरों और प्रेक्टिकलों की कुल संख्या में से अलग अलग तौर पर कम से कम 75% में हाजिर रहने का।
- 10.1 प्रोजेक्ट रिपोर्ट में अर्हता प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थी को कम से कम 50% अंक प्राप्त करने चाहिएँ।
- 10.2 परीक्षा के प्रत्येक विषय में, सिद्धान्त हो अथवा प्रेक्टिकल, आंतरिक मूल्यांकन में अलग अलग तौर पर 40% अंक प्राप्त करना अंतिम परीक्षा देने के लिए पूर्वपेक्षा है।
- 10.3 परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थी को सिद्धान्त और प्रेक्टिकल में से अलग अलग तौर पर 40% अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं।
- 10.4 परीक्षार्थी को सफल तभी घोषित किया जाएगा यदि उसने प्रत्येक पेपर में अर्हता प्राप्त कर ली है और कुल अंकों में से 50% अंक प्राप्त कर लिए हैं:
 - (i) जो कुल अंकों में से 75 प्रतिशत
अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं ...वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी
 - (ii) जो कुल अंकों में से 60% अथवा
अधिक परन्तु 75% से कम अंक
प्राप्त करते हैं ...पहली श्रेणी
 - (iii) जो कुल अंकों में से 50% अथवा
अधिक परन्तु 60% से कम अंक
प्राप्त करते हैं ...दूसरी श्रेणी

11. जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50% अंक प्राप्त करता है परन्तु केवल एक पेपर में फेल हो जाता है, वह आगामी परीक्षा या परीक्षाओं में पेपर दे सकता है। यदि वह उस पेपर में पास हो जाता है, उसे परीक्षा में पास हुआ समझा जाएगा। परीक्षार्थी को उस पेपर में पहली बार फेल होने की तिथि से दो लगातार नियमित परीक्षाओं में कंपार्टमेन्ट पेपर को पास करना होगा।
12. जो परीक्षार्थी अंतिम परीक्षा में फेल हो जाता है, उसके आंतरिक मूल्यांकन के अंकों को आगामी परीक्षा में लिजाया जाएगा।
13. परीक्षार्थी द्वारा अदा की जाने वाली परीक्षा फीस समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निश्चित की जाएगी।
14. प्रत्येक सफल परीक्षार्थी को पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लिकेशनज प्रदान किया जाएगा जिसमें सिद्धान्त और प्रैक्टिकलों में प्राप्त अंकों को अलग अलग तौर पर दिखाया जाएगा (यदि कोई रि-अपियर है तो उसके सहित) और वह वैशिष्ट्य/श्रेणी जिसमें उसने यह परीक्षा पास की है, उसका उल्लेख भी किया जाएगा।

15. परिशिष्टों के अनुसार, बेचुलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स (बी.सी.ए.) और बेचुलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए.) के लिए विनियम और इन्हें सिंडिकेट/सीट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 के दाखिलों से लागू किया जाए।
1. बेचुलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स (बी.सी.ए.) तीन-वर्षीय संघटित कोर्स होगा। परीक्षा की व्यवस्था वार्षिक होगी। प्रत्येक वर्ष के लिए परीक्षा प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के अंत में होगी।
 - 2.1 30 विद्यार्थियों का एक यूनिट होगा। एक कालेज को साधारणतया एक यूनिट दिया जाएगा।
 - 2.2 इन कोर्सों में दाखिला पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा लिए दाखिला परीक्षण में प्राप्त योग्यता-कम पर आधारित होगा, बशर्तेकि परीक्षार्थी की वैसे पात्रता बनती हो।
 - 3.1 जिस व्यक्ति ने निम्नांकित में से कोई परीक्षा पास की है, वह बी.सी.ए. कोर्स के पहले वर्ष की क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।
 - (i) किसी भी अनुशासन में गणित/सांख्यिकी में से एक विषय सहित 50% अंकों से +2 परीक्षा।
 - अथवा
 - (ii) सिंडिकेट द्वारा (i) के तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा।
 - 3.2 जिस परीक्षार्थी ने यूनिवर्सिटी की बेचुलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स की पहले/दूसरे वर्ष की परीक्षा पास की है, वह बेचुलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स की दूसरे/तीसरे वर्ष की क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।
 - 4.1 पहले/दूसरे/तीसरे वर्ष की परीक्षा वह विद्यार्थी देगा जिसने :
 - (क) विनियम 3.1 में निर्धारित अर्हताकारी परीक्षा एक शैक्षिक वर्ष से पहले पास की हो।
 - (ख) जिस कालेज में उसने हाल ही में पढ़ाई की है, उसके प्रिंसिपल द्वारा उसका नाम परीक्षा-कंट्रोलर को भेजा गया हो और प्रिंसिपल ने यह प्रमाणित किया हो कि परीक्षार्थी:
 - (i) परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में संबद्ध कालेज में दाखिल रहा है;

- (ii) प्रत्येक प्रस्तुत विषय में अपनी क्लास को दिए लेक्चरों और ट्यूटोरियलों के पूरे कोर्स के 75% में हाजिर रहा है (कोर्स की गणना अंतिम दिन तक की जाए जब क्लास को तैयारी के लिए छुट्टी होती है)।
- 4.2 कालेज का प्रिंसिपल प्रत्येक विषय में अलग अलग तौर पर दिए लेक्चरों की कुल संख्या के 10% तक लेक्चरों की न्यूनता को माफ करने के लिए अधिकृत होगा।
5. प्रत्येक परीक्षार्थी की संबंधित फेकल्टी द्वारा समय समय पर निर्धारित मौजूदा पाठ्यक्रम, कोर्स, रुपरेखा और परीक्षा की स्कीम के अनुसार विषयों में परीक्षा ली जाएगी।
- 6.1 प्रत्येक परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक प्रत्येक पेपर में 40 प्रतिशत होंगे।
- 6.2 जो परीक्षार्थी सभी विषयों के कुल अंकों में 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करता है परन्तु उस विषय में केवल 20 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करता है, उसे अगली दो लगातार परीक्षाओं (एक कंपार्टमेंट केसों के लिए सितंबर/अक्टूबर में और दूसरी वार्षिक परीक्षा के तौर पर अप्रैल/मई में) में केवल उसी विषय में परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी। यदि वह इनमें से किसी परीक्षा में पास हो जाता है, उसे परीक्षा में पास हुआ समझा जाएगा।

जिस परीक्षार्थी को एक विषय में कंपार्टमेंट की छूट दी गई है, वह अस्थायी तौर पर अगली क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा, परन्तु यदि वह अनुपूरक परीक्षा में कंपार्टमेंट विषय पास नहीं करता, उसे अगले वर्ष उसी विषय में वार्षिक परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। यदि वह दूसरी बार भी कंपार्टमेंट विषय में फेल हो जाता है, उसका यथास्थिति दूसरे अथवा तीसरे वर्ष का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

7. जो परीक्षार्थी इस विनियम के अंतर्गत अनुपूरक अथवा वार्षिक परीक्षा में कंपार्टमेंट विषय में पेपर देता है -
- (क) उसे पूरी परीक्षा जितनी परीक्षा फीस देनी पड़ेगी; और
- (ख) वह वजीफ़ा, पुरस्कार अथवा तमगा प्राप्त करने के योग्य नहीं होगा।

8. प्रत्येक विद्यार्थी तीसरे वर्ष की अंतिम परीक्षा समाप्त होने के एक महीने के अंदर विभाग/संस्था के अध्यक्ष/प्रिंसिपल को प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
9. प्रोजेक्ट रिपोर्ट की जांच यूनिवर्सिटी द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक करेगा।
10. अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी होगा।
- 11.1 जिस परीक्षार्थी ने परीक्षा के लिए प्रशिक्षण का निर्धारित कोर्स पूरा कर लिया है, परन्तु परीक्षा नहीं दे सका, अथवा यदि परीक्षा दी है तो फेल हो गया है, प्रिंसिपल उसकी ऐसी परीक्षा में दाखिले के लिए लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर अध्यापन का नया कोर्स करे बगैर, अगली वार्षिक परीक्षा के लिए सिफारिश कर सकता है। परीक्षा में उसकी दूसरी बार असफलता पर अथवा परीक्षा देने में असफलता पर, नए कोर्स में दाखिल हुए बगैर, वह परीक्षा में बैठने के योग्य नहीं होगा। यदि वह तीसरी बार भी फेल हो जाता है, उसे अगली वार्षिक परीक्षा में लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर पेपर देने की अनुमति दी जा सकती है। परन्तु यदि वह पहले वर्ष की परीक्षा में चौथी बार भी फेल हो जाता है, तो उसके बाद लेट कालेज विद्यार्थी अथवा कालेज विद्यार्थी के तौर पर भी उसे परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
बशर्तेकि इससे कंपार्टमेंट के विनियम के अधीन परीक्षार्थी का एक विषय में पुनःपरीक्षा देने का अधिकार प्रभावित नहीं होगा।
- 11.2 जो परीक्षार्थी दूसरे वर्ष/तीसरे वर्ष की परीक्षा में चौथी बार फेल हो जाता है, उसे उपर्युक्त प्रक्रिया को दोहराना पड़ेगा।
- 12 सफल परीक्षार्थियों को पहले वर्ष, दूसरे वर्ष और तीसरे वर्ष (अंतिम) की परीक्षाओं में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा:
 - (क) जो कुल अंकों में से 75% अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं ...वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी
 - (ख) जो कुल अंकों में से 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं ...पहली श्रेणी
 - (ग) जो कुल अंकों में से 50% अथवा अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करते हैं ...दूसरी श्रेणी
 - (घ) जो कुल अंकों में से 50% से कम

अंक प्राप्त करते हैं

...तीसरी श्रेणी

- 1.3. उसी कालेज/संस्था को इस कोर्स को शुरू करने की अनुमति दी जाएगी जो संबंधित फेकल्टी द्वारा निर्धारित और सिंडिकेट द्वारा अनुमोदित आधार-संरचना और स्टाफ की शर्तों को पूरा करता है।

बेचुलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के लिए विनियम

(बी.बी.ए.)

1. बेचुलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए.) तीन वर्षीय संघटित कोर्स होगा। परीक्षा की पद्धति वार्षिक होगी। प्रत्येक वर्ष की परीक्षा प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के अंत में होगी।
- 2.1 इस कोर्स के लिए दाखिला, पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा लिए जाने वाले दाखिला-परीक्षण पर आधारित होगा, बशर्तेकि परीक्षार्थी की वैसे पात्रता बनती हो।
- 2.2 एक यूनिट में 80 विद्यार्थी होंगे। एक कालेज को साधारणतया एक यूनिट से अधिक यूनिट नहीं दिए जाएंगे।
- 3.1 कोर्स के पहले वर्ष में दाखिला उस व्यक्ति के लिए खुला होगा जिसने—
 - (i) मान्यताप्राप्त बोर्ड/यूनिवर्सिटी से 50% अंकों से 10+2 परीक्षा पास की है।

अथवा

- (ii) सिंडिकेट द्वारा (i) के तुल्य मान्यताप्राप्त 50% अंकों से कोई अन्य परीक्षा।
- 3.2 जिस व्यक्ति ने इस यूनिवर्सिटी से बेचुलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के पहले/दूसरे वर्ष की परीक्षा पास की है, वह बेचुलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के दूसरे/तीसरे वर्ष की क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।
- 4.1 पहले/दूसरे/तीसरे वर्ष की परीक्षा वह विद्यार्थी देगा —
 - (क) जिसने एक शैक्षिक वर्ष पहले विनियम 3.1 में निर्धारित अर्हताकारी परीक्षा पास की है।
 - (ख) जिसका नाम उस कालेज के प्रिंसिपल द्वारा परीक्षा-कंट्रोलर को भेजा गया है जिसमें वह हाल ही में दाखिल रहा हो और प्रिंसिपल ने यह प्रमाणित किया हो कि

(i) परीक्षार्थी परीक्षाओं से एक शैक्षिक वर्ष पहले संबद्ध कालेज में दाखिल रहा है;

(ii) प्रत्येक प्रस्तुत विषय में उसकी क्लास को दिए लेक्चरों के पूरे कोर्स में से 75% में हाज़िर रहा है (कोर्स की गणना अंतिम दिन तक की जाएगी जब क्लास को तैयारी के लिए छुट्टी होती है)।

(iii) सभी पेपर्स के कुल जोड़ में से कम से कम 25% अंक प्राप्त किए हैं जिनका परिकलन गृह परीक्षा(ओं) के संयुक्त परिणाम पर करना है।

बशर्तेकि कालेज का प्रिंसिपल अपने विवेक से उन विद्यार्थियों का विशेष परीक्षण ले सकता है जो शैक्षिक सेशन के अंत पर उपर्युक्त (iii) की शर्तों की पूर्ति नहीं करते। ऐसे परीक्षण में प्राप्त किए जाने अपेक्षित अंकों की प्रतिशतता 30% होगी।

आगे बशर्तेकि परीक्षार्थी को पहले अथवा दूसरे वर्ष की परीक्षा पास कर लेने के तीन वर्ष के अंदर कमानुसार दूसरे/तीसरे वर्ष की परीक्षा दे देनी चाहिए।

4.2 कालेज के प्रिंसिपल को प्रत्येक विषय में अलग अलग तौर पर लेक्चरों की कुल संख्या के 10% तक लेक्चरों में न्यूनता माफ करने का अधिकार होगा।

5.1 यूनिवर्सिटी द्वारा पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष की परीक्षा वर्ष में एक बार अप्रैल/मई में ली जाएगी।

5.2 कंपार्टमेंट वाले परीक्षार्थियों के लिए, अनुपूरक परीक्षा उसी वर्ष साधारणतया सितंबर/अक्टूबर के महीने में होगी।

6. देरी फीस के बिना/सहित परीक्षा फार्म और फीस लेने की अंतिम तिथि को सिंडिकेट द्वारा निश्चित किया जाएगा।

7. दाखिला-फीस और शिक्षा-फीस सिंडिकेट द्वारा निश्चित की जाएगी।

8. कोर्स के लिए परीक्षा यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित मौजूदा पाठ्यक्रम और यूनिवर्सिटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार ली जाएगी।

9. अध्यापन का माध्यम अंग्रेज़ी होगा।

10.1 प्रत्येक पेपर में 2% अंक आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगे। आंतरिक मूल्यांकन का 50 प्रतिशत गृह-परीक्षा पर आधारित होगा और बाकी का

50 प्रतिशत नियत-कार्यो (असाइन्मेंट्स) और क्लासरूम निष्पादन पर

आधारित होगा (क्लासरूम निष्पादन में हाजिरी, केस चर्चा और क्लास में सहभागिता सम्मिलित होगा)।

बशर्ते कि प्रत्येक पेपर में आंतरिक मूल्यांकन और बाहरी मूल्यांकन में अंतर कुल अंकों के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

10.2 कालेज परिणाम की घोषणा की तिथि से 6 महीने तक मूल्यांकन के रिकार्ड को संभाल कर रखेगा और यह रिकार्ड यूनिवर्सिटी द्वारा संघटित कमेटी के निरीक्षण के लिए खुला होगा।

11.1 प्रत्येक वर्ष परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित अंक निम्नानुसार होंगे:

(क) बाहरी परीक्षा के प्रत्येक में 40%

(ख) आंतरिक परीक्षा में 40%

11.2 जिस परीक्षार्थी ने एक पेपर के बिना बाकी सभी में अर्हता प्राप्त कर ली है, उसे उस पेपर में कंपार्टमेंट में रखा जाएगा। उसे कंपार्टमेंट पेपर में अगली दो लगातार परीक्षाओं अर्थात् अनुपूरक और अगली वार्षिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त करनी होगी।

11.3 11.2 के अंतर्गत कंपार्टमेंट लेने वाला परीक्षार्थी अस्थायी तौर पर अगली उच्चतर कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा। यदि वह 11.2 के अधीन दो लगातार अवसरों में कंपार्टमेंट विषय में पास होने में असफल रहता है, उसकी यथास्थिति दूसरे अथवा तीसरे वर्ष की परीक्षा को रद्द कर दिया जाएगा, बशर्ते कि तीसरे वर्ष की परीक्षा का परीक्षार्थी, जो दो लगातार अवसरों में कंपार्टमेंट विषय में पास नहीं होता परन्तु बी.बी.ए. के तीसरे वर्ष की परीक्षा में पास हो जाता है, उसे उस द्वारा लिए दूसरे अवसर के तुरन्त बाद एक अतिरिक्त अवसर प्रदान किया जाएगा। यदि वह इस अतिरिक्त अवसर में भी कंपार्टमेंट विषय में पास नहीं होता, उसे फेल घोषित कर दिया जाएगा और उसका तीसरे वर्ष का परिणाम रद्द कर दिया जाएगा।

12.1 जिस परीक्षार्थी की किसी भी परीक्षा में कंपार्टमेंट आ जाती है, वह वजीफा, पुरस्कार अथवा तमगा प्राप्त करने के योग्य नहीं होगा।

12.2 जिस विद्यार्थी ने यथास्थिति पहले, दूसरे या तीसरे वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित अध्यापन कोर्स पूरा कर लिया है परन्तु उसने परीक्षा नहीं दी, और यदि परीक्षा दी है तो फेल हो जाता है, उसे प्रिंसिपल द्वारा अगली वार्षिक परीक्षा में लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर अध्यापन के

नए कोर्स में दाखिला लिए बिना ऐसी परीक्षा देने की सिफारिश की जा सकती है। उसको दूसरी बार फेल हो जाने अथवा परीक्षा न देने पर, वह संबद्ध कालेज में इस कोर्स में नए सिरे से दाखिला लिए बगैर परीक्षा देने के योग्य नहीं होगा। यदि वह तीसरी बार भी फेल हो जाता है, उसे लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर अगली वार्षिक परीक्षा देने की दोबारा अनुमति दी जा सकती है।

12.3 पहले, दूसरे अथवा तीसरे वर्ष की परीक्षा के लिए चौथा अवसर मिलने पर भी, परीक्षार्थी को परीक्षा देने से मना कर दिया जाएगा। परन्तु यह कंपार्टमेंट विनियम 11.2 के अंतर्गत परीक्षार्थी के एक विषय की परीक्षा देने के अधिकार को प्रभावित नहीं करेगा।

13. सफल परीक्षार्थियों को पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) जो कुल अंकों में से 75% अथवा

अधिक अंक प्राप्त करते हैं ...वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी

(ख) जो कुल अंकों में से 60% से अधिक

परन्तु 75% से कम अंक प्राप्त करते हैं ...पहली श्रेणी

(ग) जो कुल अंकों में से 50% अथवा

अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त

करते हैं

...दूसरी श्रेणी

(घ) जो कुल अंकों में से 40% अथवा अधिक

परन्तु 50% से कम अंक प्राप्त करते हैं ...तीसरी श्रेणी

16. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 483 पर बेचुलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बी.एफ.ए.) के लिए विनियम 2.3 और 2.4 । इनको 1998-99 के शैक्षिक सेशन से लागू किया जाए।
- 2.3 जो विद्यार्थी वार्षिक आंतरिक कक्षोन्नति परीक्षा देने के योग्य हैं, उनको यूनिवर्सिटी द्वारा अनुमोदित परीक्षा-स्कीम के अनुसार प्रेक्टिकल और सिद्धान्त पेपर्स में परीक्षा देनी पड़ेगी।
- 2.4 वार्षिक आंतरिक कक्षोन्नति परीक्षा के प्रेक्टिकल काम का मूल्यांकन कमेटी द्वारा किया जाएगा जिसमें विषय-अध्यापक और एक अथवा दो विशेषज्ञ, जिनको प्रत्येक वर्ष प्रिंसिपल नियुक्त करेगा, सम्मिलित होंगे।
17. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 484 पर बेचुलर ऑफ फाइन आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 10 और इसे 1998-99 के सेशन से लागू किया जाए।
10. अंतिम परिणाम पहले वर्ष, दूसरे वर्ष, तीसरे वर्ष और अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में प्राप्त अंकों को मिलाकर उन के जोड़ पर संकलित किया जाएगा।
16. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II. के पृष्ठ 498 पर भारतीय थियेटर परीक्षा में एम.ए. के लिए विनियम 6 का परिवर्धन और इसे 997-98 के दाखिलों से लागू किया जाए।
6. प्रत्येक सिद्धान्त पेपर/प्रेक्टिकलों में परीक्षा पास करने के लिए अलग तौर पर अपेक्षित न्यूनतम अंक 50% होंगे।
- 6.2 जो परीक्षार्थी केवल एक सिद्धान्त पेपर में फेल हो जाता है और अन्य पेपर्स में से प्रत्येक में 50% अंक प्राप्त करता है, उसे अनुपूरक परीक्षा में उस पेपर में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है। यदि वह अनुपूरक परीक्षा में असफल रहता है, तो उसे अगली वार्षिक परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के लिए एक अन्य अवसर दिया जाएगा। इसमें असफल रहने की सूरत में उसका एम.ए.भाग- II का परिणाम रद्द समझा जाएगा।
17. कैलेन्डर, भाग II. 1995 के डिप्लोमा कोर्स इन वोकेशनल एग्निकल्चर के लिए विनियम 2 और इसे 1998-99 के सेशन से लागू किया जाए।

2. जिस परीक्षार्थी ने किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड/यूनिवर्सिटी/परिषद से 10+2 परीक्षा पास की है अथवा पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यताप्राप्त इसके तुल्य प्रमाणपत्र।
18. बेचुलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी(बी.ए.एम.एस.) परीक्षा के लिए विनियम 1.1, 1.2, 3.3, 5, 6, 7 और 14, और इनको सिंडिकेट/सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1999 के दाखिलों से लागू किया जाये।
- 1.1 बेचुलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी(बी.ए.एम.एस.) की डिग्री के लिए अध्यापन कोर्स की अवधि साढ़े पांच वर्ष होगी जिसमें अनिवार्य इंटर्नशिप एक वर्ष की होगी।
- 1.2 तीन परीक्षाएँ होंगी अर्थात् पहली, दूसरी और अंतिम। पहली परीक्षा 18 महीनों के अंत में, दूसरी परीक्षा 35 महीनों के अंत में और अंतिम परीक्षा 54 महीनों के अंत में होगी अर्थात् दूसरी प्रोफेशनल परीक्षा के डेढ़ वर्ष बाद। परीक्षार्थी के अंतिम परीक्षा पास करने पर, विनियम 6 के अधीन निर्धारित अनिवारी इंटर्नशिप होगी।
- 3.3(i) अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा दूसरी प्रोफेशनल परीक्षा के डेढ़ वर्ष बाद होगी और उसमें पाठ्यक्रम में निर्धारित किए गए विषय सम्मिलित होंगे।
- (ii) यदि कोई परीक्षार्थी अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा में एक या अधिक विषयों में फेल हो जाता है, वह आगामी अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा में उन विषयों में परीक्षा देने के योग्य होगा जो साधारणतया हर छः महीने बाद अथवा उस समय पर होगी जो समर्थ प्राधिकारी समय समय पर निश्चित करें।

कालेज-अन्तरण

- (क) विद्यार्थी के कालेज-अन्तरण के लिए दोनों प्रिंसिपलों को सहमत होना चाहिए।
- (ख) यह अन्तरण एक मान्यताप्राप्त कालेज से दूसरे मान्यताप्राप्त कालेज में होगा।
- (ग) कालेज-अन्तरण के लिए बिनती मूल यूनिवर्सिटी के I. II और III परीक्षाओं के परिणामों की घोषणा के तीन महीने के

अंदर पहुँचनी चाहिए और कालेज-अन्तरण के लिए कोई एतराज नहीं होना चाहिए।

5. परीक्षार्थियों द्वारा पहली, दूसरी और अंतिम प्रोफेशनल परीक्षाओं के लिए दी जाने वाली परीक्षा फीस की राशि समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित की जाएगी।

6. अनिवार्य इंटर्नशिप*

(क) अंतिम परीक्षा पास करने के बाद पंजाब अथवा यूनियन टेरिट्रि, चंडीगढ़ के किसी मान्यताप्राप्त अथवा सरकारी अध्यापन आयुर्वेदिक हस्पताल/सरकारी आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी में 12 महीने की अनिवार्य आवर्ती इंटर्नशिप पूरी करनी पड़ेगी।

(ख) जिन प्राधिकारियों के अधीन यह प्रशिक्षण संपन्न किया गया था, उनकी सिफ़ारिश पर इंटर्नशिप पूरी होने को प्रिंसिपल द्वारा प्रमाणीकृत करने पर, परीक्षार्थी आयुर्वेदाचार्य(बेचुलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी) की डिग्री प्रदान करने के योग्य होगा।

*बारह महीने की इंटर्नशिप अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा पूरी होने के तुरन्त बाद शुरू हो जाएगी। असफल रहने की सूरत में, यह अवधि नियमों के अंतर्गत अपेक्षित बारह महीने की इंटर्नशिप के पूरा होने के लिए नहीं गिनी जाएगी। ऐसे विद्यार्थियों के लिए, इंटर्नशिप अगली परीक्षा में इस कोर्स के पूरा होने की तिथि से दोबारा आरंभ की जाएगी। इंटर्नशिप के दौरान में, कर्तव्यों का वितरण इंडियन मेडिसिन की सेंट्रल काउंसिल द्वारा निर्धारित नियमों अनुसार किया जाएगा।

7. केवल उन विद्यार्थियों को जो निम्नांकित शर्तें पूरी करते हैं, बी.ए.एम.एस. की पहली, दूसरी/अंतिम परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी:

(क) पहले, दूसरे और अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में प्रत्येक से 1½ वर्ष पहले काल में कालेज में दाखिल रहना;

(ख) सदाचार रखना,

(ग) (i) दिए लेक्चरों अर्थात् प्रदर्शन और प्रेक्टिकलों में प्रत्येक विषय में अलग अलग तौर पर दिए पूरे कोर्स में 75% में हाज़िर रहना

बशर्तेकि कालेज के प्रिंसिपल को सिद्धान्त और प्रक्टिकलों में अलग अलग तौर पर प्रत्येक विषय में दिए कुल लेक्चरों जिसमें सभी प्रकार की

अवधियों आ जाती हैं जैसे छुट्टी, खेलें, समागम इत्यादि, की 5% न्यूनता को माफ करने का अधिकार होगा।

****जो विद्यार्थी किसी विषय/विषयों में निर्धारित कोर्स में लेक्चरों की न्यूनता के कारण परीक्षा देने के अयोग्य है, उसे पंजाब यूनिवर्सिटी से संबद्ध कालेज में संबंधित विषयों में लेक्चरों की न्यूनता पूरी करने पर अगली परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा सकती है।**

14. परीक्षार्थी को आयुर्वेदाचार्य(बेचुलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी) की डिग्री केवल तभी प्रदान की जाएगी यदि वह निर्धारित अवधि में पढ़ाई के नियत कोर्स को पूरा कर लेता है, अंतिम परीक्षा पास कर लेता है और अंतिम प्रोफेशनल परीक्षा पूरी करने पर 12 महीने की अनिवार्य इंटर्नशिप को संतोषजनक ढंग से पूरी कर लेता है।

19. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग-II, के पृष्ठ 302-303 पर मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस(एम.आइ.बी.) के नाम और विनियम 1 में परिवर्तन और मास्टर ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट एण्ड इंडस्ट्रियल रिलेशनज के लिए विनियम 1 और 3 भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1998 की परीक्षाओं से लागू।

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन(इंटरनेशनल बिजनेस) एम.बी.ए.(आइ.बी.)

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन(ह्यूमन रिसोर्सिज) एम.बी.ए.(एच.आर.)

- i. मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (इंटरनेशनल बिजनेस) की डिग्री के कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी। प्रत्येक वर्ष को दो सिमेस्टर्स में विभाजित किया जाएगा। पहले और तीसरे सिमेस्टर्स की परीक्षा साधारणतया दिसंबर के महीने में और दूसरे और चौथे सिमेस्टर की परीक्षा अप्रैल/मई अथवा सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

- ii) पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 302-303 पर मास्टर ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट एण्ड इंडस्ट्रियल रिलेशनज के लिए विनियम 1 और 3 में संशोधन।

1. मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन(ह्यूमन रिसोर्सिज) की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि दो शैक्षिक वर्ष होगी और प्रत्येक वर्ष का दो सिमेस्टर्स में विभाजन किया जाएगा। पहले और तीसरे सिमेस्टर की परीक्षा साधारणतया दिसंबर के महीने में और दूसरे और चौथे सिमेस्टर्स की परीक्षा अप्रैल/मई के महीने में अर्थात् सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

3. कोर्स के पहले सिमेस्टर में दाखिले के लिए न्यूनतम योग्यताएँ निम्नानुसार होंगी:

- (i) इस यूनिवर्सिटी के किसी भी अनुशासन में कुल अंकों में 50% अंकों सहित बेचुलरज/पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी से डिग्री जिसको सिंडिकेट ने इसके तुल्य मान्यता प्रदान की हो।

बशर्तेकि यदि परीक्षार्थियों ने इस यूनिवर्सिटी से आधुनिक भारतीय भाषाओं(हिंदी/उर्दू/पंजाबी-गुरमुखी लिपि) और/अथवा क्लासिकी भाषा(संस्कृत/फारसी/अरबी) में बेचुलरज डिग्री प्राप्त की है अथवा इसी तरीके से सिंडिकेट द्वारा मान्यताप्राप्त किसी अन्य यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त की है, कुल अंकों में से 50% की गणना, अतिरिक्त ऐच्छिक पेपर में प्राप्त अंकों को छोड़कर, सभी पेपरों अंग्रेजी और वैकल्पिक विषय में प्राप्त अंकों को जोड़कर की जाएगी।

अथवा

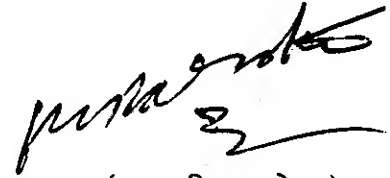
- (ii) (क) इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया अथवा इंग्लैंड,
(ख) इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया अथवा इंग्लैंड, और (ग) इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया।

अथवा

- (iii) 50% अंकों से डिप्लोमा परीक्षा पास करने के पश्चात 50% या अधिक अंकों से ए.एम.आइ.ई. की परीक्षा और कम से कम 5 वर्षों का शोध/अध्यापन अथवा व्यावसायिक अनुभव।

चंडीगढ़

दिनांक: 24-3-2004

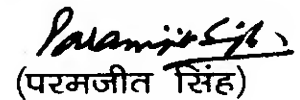


(एच.सी.मल्होत्रा)

डिप्टी रजिस्ट्रार(जनरल)

MC 12

मेरी उपस्थिति में आज दिनांक: 24-3-2004 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबंद।



(परमजीत सिंह)

रजिस्ट्रार

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨਿਵਰਸਿਟੀ

अथ सं. 4-2004/जी.आर.

केन्द्र सरकार, मानवीय संसाधन विकास मंत्रालय, सेक्रेट्री एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली ने अपने पत्रांक एफ.2-8/2000-डेस्क(यू) द्वारा निम्नलिखित विनियमों को मंजूरी दे दी है:

1. बेचुलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशनज(बी.सी.ए.) के लिए विनियम 3.1 और इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2000-2001 सेशन से लागू किया जाए।

3.1 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाएं पास की हैं, वह बी.सी.ए. कोर्स के पहले वर्ष में दाखिल होने के योग्य होगा:

- (i) कम से कम 50% अंकों से किसी अनुशासन में +2 परीक्षा
(ii) गणित के एक पास विषय सहित मेट्रिकुलेशन परीक्षा।

कोई अन्य परीक्षा जो सिंडिकेट द्वारा ऊपर (i) और (ii) के तुल्य मान्यता प्राप्त है।

2. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1995 के कमानुसार पृष्ठ 78 और 81 पर मास्टर ऑफ आर्ट्स परीक्षा के लिए विनियम 2.1 और विनियम 3.1 की धारा 1(घ) और इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2001 की परीक्षाओं से लागू।

2.1 मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री के लिए परीक्षा निम्नांकित विषयों में होगी और परीक्षार्थी किसी एक विषय को लेगा।

- (i) से (xiv) xxx xxx xxx

बशर्तेकि

- (i) से (iv) xxx xxx xxx

(v) परीक्षार्थी मनोविज्ञान का विषय तभी लेगा यदि उसने बी.ए./बी.एस.-सी. परीक्षा में वह विषय पास किया है।

3.1 जिस व्यक्ति ने इस यूनिवर्सिटी से अथवा 1948 से पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, लाहौर से अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी से जिसकी परीक्षा को इस यूनिवर्सिटी की अनुसारी परीक्षा के तुल्य मान्यता प्राप्त हो निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह एम.ए. कोर्स की पहले वर्ष (भाग-I) कक्षा में दाखिल होने के योग्य है:

- (i) से (xi) xxx xxx xxx

3. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 242 और 243-244 पर बेचुलर ऑफ एजुकेशन(बी.एँड.)परीक्षा के लिए विनियम 2.1 और 5.1 सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

2.1 जिस व्यक्ति के पास निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता है, वह इस कोर्स में दाखिल होने के योग्य है:

(क) पंजाब यूनिवर्सिटी से कुल अंकों में से 45% सहित बी.ए./बी.कॉम./बी.एस-सी. की डिग्री अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी से अर्हताकारी परीक्षा के तुल्य मान्यताप्राप्त डिग्री।

(ख) से (ग) XXX XXX

5.1 परीक्षा के निम्नानुसार दो भाग होंगे:

भाग-I ... सिद्धान्त पेपर

भाग-II ... प्रैक्टिकल(पाठ्यक्रम में दिए ब्यौरे के अनुसार)

(i) अध्यापन का एक विषय ग्रेजुएट स्तर पर लिया गया विषय होगा। परन्तु फिर भी, बी.कॉम./एम.कॉम. के विद्यार्थी या तो अर्थशास्त्र या गणित या अंग्रेजी का अध्यापन विषय लेंगे।

(ii) XXX XXX XXX

(iii) सामाजिक अध्ययन के अध्यापन का विषय उस परीक्षार्थी द्वारा लिया जाएगा जिसने बी.ए. अथवा एम.ए. स्तर पर निम्नलिखित में से कोई दो विषय लिए हों:

इतिहास, भूगोल, राजनीति-शास्त्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, दर्शन, मनोविज्ञान, शिक्षा।

4. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एण्ड ज्योग्रैफिक इन्फरमेशन सिस्टमज के लिए विनियम, परिशिष्ट में दिए अनुसार, और इनको सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2000 के दाखिलों से लागू किया जाए।
- 1.1 पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स इन रिमोट सेंसिंग एण्ड ज्योग्रैफिक इन्फरमेशन सिस्टमज के लिए कोर्स की अवधि दो सिमेस्टर/एक शैक्षिक वर्ष होगी।
- 1.2 इस कोर्स में दाखिले की पात्रता निम्नानुसार होगी:
 - (क) पंजाब यूनिवर्सिटी से 50% अंकों सहित भूगोल में मास्टरज डिग्री, सहबन्ध विषयों में मास्टरज डिग्री (पाठ्य समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा) अथवा किसी भी क्षेत्र में बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग डिग्री (पाठ्य समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा)।
 - (ख) कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान
अथवा
 - (ग) किसी अन्य यूनिवर्सिटी की परीक्षा जो सिंडिकेट द्वारा उपर्युक्त (क) के तुल्य मान्यताप्राप्त हो।
- 2.1 परीक्षार्थी परीक्षा देने के योग्य होगा यदि वह अलग अलग तौर पर सिद्धान्त, प्रेक्टिकलों और प्रोजेक्ट कार्य में दिए कुल लेक्चरों में से कम से कम 75% लेक्चरों में हाजिर रहा हो।
- 2.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता को निम्नलिखित के अनुसार माफ किया जा सकता है:
 - (क) भूगोल के कंट्रोल-बोर्ड द्वारा 10% तक
 - (ख) भूगोल के कंट्रोल-बोर्ड की सिफारिश पर डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्स्पेक्शन द्वारा 15% तक।
- 2.3 विभिन्न कोटियों के परीक्षार्थियों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा-फीस, परीक्षा-फीस और अन्य खर्चे समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।
- 2.4 परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
- 3.1 परीक्षा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।

- 3.2 परीक्षा पास करने के लिए अपेक्षित अंक (i) सिद्धान्त पेपर, (ii) प्रेक्टिकलों और (iii) प्रोजेक्ट रिपोर्ट में से प्रत्येक में 45% और कुल अंकों में से 50% होंगे।
- 3.3 पहले सिमेस्टर की परीक्षा साधारणतया नवंबर/दिसंबर में और दूसरे सिमेस्टर की परीक्षा अगले साल मई/जून में होगी। प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर काम दोनों सिमेस्टर्स में साथ साथ चलता रहेगा।
- 3.4 जो परीक्षार्थी किसी विशेष सिमेस्टर में फेल हो जाता है, उसे आगामी सिमेस्टर में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है और उसको प्रत्येक सिमेस्टर में अधिक से अधिक दो लगातार अवसर प्रदान किए जाएंगे।
- 3.5 जो परीक्षार्थी एक अथवा दो सिद्धान्त और/अथवा प्रेक्टिकलों के पेपरों में फेल हो जाता है, उसे दो आगामी लगातार परीक्षाओं में संबंधित सिद्धान्त और/अथवा प्रेक्टिकलों में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।
- 4.1 प्रत्येक परीक्षार्थी मंजूर किए विषय पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट की चार कापियाँ प्रस्तुत करेगा। यह रिपोर्ट 30 जून अथवा इससे पहले या संबंधित शैक्षिक सेशन के अंतिम दिन पर प्रस्तुत की जानी जरूरी है। अधिकतम तीन महीने की समय में बढ़ोतरी की जा सकती है।
- 4.2 प्रेक्टिकल प्रशिक्षण और प्रोजेक्ट रिपोर्ट के हिस्से के रूप में, प्रत्येक विद्यार्थी के लिए रिमोट सैनिसग एण्ड ज्योग्रैफिक इन्फरमेशन सिस्टमज, जैसे कि देहरादून में आइ आइ आर एस, सर्वे ऑफ इंडिया, वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जिआलोजी और फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट; एन आर एस ए हैदराबाद; एस ए सी अहमदाबाद; और आइ. एस. आर. ओ बंगलौर जैसे कम से कम एक सुप्रसिद्ध केन्द्रों के लिए शैक्षिक यात्रा अनिवार्य होगी। इस यात्रा की अवधि कम से कम एक सप्ताह होगी। यात्रा के संबंध में सभी निर्णय विभाग अध्यक्ष के हाथ में होंगे।
- 4.3 प्रोजेक्ट रिपोर्ट बाहरी परीक्षक को भेजी जाएगी जो पंजाब यूनिवर्सिटी के अधिकार-क्षेत्र से बाहर का होगा और चंडीगढ़ का आवासी नहीं होगा और वह इसका मूल्यांकन अंकों में करेगा। जैसे कि ऊपर वर्णन किया गया है, परीक्षक की नियुक्ति निरीक्षक के परामर्श से कंट्रोल-बोर्ड करेगा। परीक्षक द्वारा दिए अंकों का संशोधन और इसको अंतिम रूप विस्तृत

मौखिक परीक्षा के बाद ही दिया जाएगा जिसे बाहरी परीक्षक, आंतरिक परीक्षक और विभाग अध्यक्ष मिलकर लेंगे।

- 4.4 जो परीक्षार्थी प्रोजेक्ट रिपोर्ट में न्यूनतम पास अंक प्राप्त करने में असफल रहता है, उसे कंट्रोल-बोर्ड और संबंधित निरीक्षक की सलाह से दिए गए विषय पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट पुनःप्रस्तुत करनी पड़ेगी। परीक्षार्थी उस समूचे समय के लिए शिक्षा-फीस देगा जब तक उसमें पास नहीं हो जाता।
- 5.1 कुल अंकों में से 70% अथवा अधिक अंक प्राप्त करने वाले सफल परीक्षार्थियों को 'मेरिट ग्रेड' में रखा जाएगा, और उनकी योग्यता-क्रम के अनुसार स्थिति और उन द्वारा प्राप्त अंकों की प्रतिशतता को डिप्लोमा में दर्शाया जाएगा; जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 60% अथवा अधिक परन्तु 70% से कम अंक प्राप्त करते हैं उनको 'अति उत्तम ग्रेड' में रखा जाएगा जिसे उस द्वारा प्राप्त अंकों की प्रतिशतता सहित डिप्लोमा में दर्शाया जाएगा; और जो परीक्षार्थी कुल अंकों में से 50% अथवा अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करते हैं उनको 'उत्तम ग्रेड' में रखा जाएगा जिसे उस द्वारा प्राप्त अंकों की प्रतिशतता सहित डिप्लोमा में दर्शाया जाएगा। पूरी की प्रोजेक्ट रिपोर्ट का नाम भी डिप्लोमा में दिया जाएगा।
-

5. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 358-362 पर केमिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, मकैनिकल, इलेक्ट्रानिक प्रोडक्ट डिजाइन एण्ड टेक्नालोजी में मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (एम.इंज.) के लिए विनियम 2.1, 7.2, 7.3, 8.1, 8.2, 9 और 11 सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

1.1 से 1.2 XXX

XXX

2.1 मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग (सिविल, मकैनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल, इंटेग्रेटेड मेनुफेक्चरिंग, मेटिरियलज एण्ड मेटालर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोडक्ट डिजाइन एण्ड टेक्नालोजी) की डिग्री के लिए परीक्षा के साल में दो सिमेस्टर होंगे। प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा नवंबर/दिसंबर और अप्रैल/मई अथवा सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

2.2 से 7.1 XXX

XXX

7.2 शोध-प्रबन्ध में विषय के मौजूदा ज्ञान की व्यवस्थित और आलोचनात्मक व्याख्या होगी अथवा परीक्षार्थी की मौलिक खोज के परिणामों की झलक मिलेगी और शोध-प्रबन्ध परीक्षार्थी की स्वतन्त्र शोध/विकास कार्य करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। शोध-प्रबन्ध लिखते समय परीक्षार्थी स्पष्टतया स्वतन्त्र रूप में किए काम और उन श्रोत/श्रोतों का उल्लेख करेगा जिनसे उनके शोध-प्रबन्ध में दी गई सूचना प्राप्त की गई है।

7.3(क) परीक्षार्थी तीसरे सिमेस्टर के दौरान में किसी भी समय शोध-प्रबन्ध को प्रस्तुत करेगा, बशर्तेकि उसने दूसरे सिमेस्ट की परीक्षा तक के सभी सिद्धान्त पेपर दे दिए हैं। शोध-प्रबन्ध के परिणाम की घोषणा तभी की जाएगी जब परीक्षार्थी सभी 10 सिद्धान्त पेपर पास नहीं कर लेता। शोध-प्रबन्ध का निरीक्षण किया जाएगा और इसे ए, बी, सी अथवा डी ग्रेडों में रखा जाएगा(ए-श्रेष्ठ, वैशिष्ट्य अर्जित करने वाला; बी-उत्तम; सी-संतोषजनक, डी-रद्द)।

परीक्षार्थी का शोध-प्रबन्ध रद्द हो जाने (ग्रेड डी) की सूरत में अथवा यदि वह अपना शोध-प्रबन्ध तीसरे सिमेस्टर में पूरा नहीं करता,

उसे शोध-प्रबन्ध की प्रस्तुति अथवा इसके पुर्नर्क्षण के लिए और दो साल की अनुमति दी जाएगी।

7.3(ख) से 7.4 कोई परिवर्तन नहीं

8.1 परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे:

(क) प्रत्येक सिद्धान्त पेपर में 40%;

(ख) प्रत्येक पेपर के सेशनल भाग के लिए 50% ।

परीक्षा पास करने के लिए सिद्धान्त, सेशनल और शोध-प्रबन्ध को स्वतन्त्र रूप में विचारा जाएगा।

8.2(i) विनियम 1.1 के अंतर्गत, कोई परीक्षार्थी चाहे विषय के भाग में परीक्षा देने के योग्य हो, परन्तु यदि वह फेल/गैरहाज़िर हो जाता है, उसे यह परीक्षा पास करने के लिए आगामी परीक्षा में उस भाग की पुनःपरीक्षा देनी होगी। यदि कोई परीक्षार्थी आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल में फेल हो जाता है, उसे संबंधित अध्यापक की इस सिफारिश पर, कि अंकों में सुधार केवल 50% अंकों तक ही हो सकता है, विभाग अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल की संतुष्टि के लिए अतिरिक्त काम कर अपने आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल अंकों में सुधार करना होगा। ऐसे परीक्षार्थी को वैशिष्ट्य सहित पास की कोटि में नहीं रखा जाएगा।

(ii) प्रत्येक सिमेस्टर परीक्षा में प्रत्येक भाग की परीक्षा फीस संबंधित परीक्षा के लिए सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित अधिकतम फीस के अंतर्गत, वसूल की जाएगी, जिस परीक्षा में वह पेपर दे रहा है, उसकी पुनःपरीक्षा के लिए परीक्षा-फीस; अन्य सिमेस्टर परीक्षाओं के लिए वसूल की परीक्षा फीस से फालतू होगी।

(iii) जिस परीक्षार्थी ने पंजाब यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है, उसे उस विषय/उन विषयों में पुनःपरीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है जिनमें वह अपने पहले निष्पादन का सुधार करना चाहता है। इस मतलब के लिए उसे मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग की परीक्षा पास करने की तिथि से दो साल की अवधि में एक अवसर दिया जा सकता है। परन्तु आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल/शोध-निबन्ध/शोध-प्रबन्ध/मौखिक परीक्षा/और प्रेक्टिकलों में सुधार की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थी से प्रत्येक विषय के लिए फीस वसूल की जाएगी, अथवा संबंधित परीक्षा के लिए सिंडिकेट

द्वारा समय समय पर निर्धारित अधिकतम परीक्षा फीस ली जाएगी। ऐसे परीक्षार्थी को वैशिष्ट्य सहित पास'कोटि में नहीं रखा जाएगा।

9. सफल परीक्षार्थियों को निम्नलिखित ढंग से वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) जो परीक्षार्थी सभी सिद्धान्त पेपरों एवं सेशनल्ज और यदि शोध-प्रबन्ध को भी वैशिष्ट्य प्रदान करने योग्य(ए ग्रेड) समझा गया है के अंकों को मिलाकर कुल अंकों में से 75 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करता है, बशर्ते कि संबंधित परीक्षार्थी ने प्रत्येक विषय की परीक्षा पहली बार ही पास की है(अर्थात् पहली बार जब परीक्षार्थी संबंधित विषय में वास्तव में यूनिवर्सिटी परीक्षा देता है)... वैशिष्ट्य सहित पहली श्रेणी

(ख) XXX XXX XXX

(ग) XXX XXX XXX

11. मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग परीक्षा के लिए पंजीकृत व्यक्ति, जिसने दस सिद्धान्त पेपरों में पास अंक प्राप्त कर लिए हैं, यदि वह चाहे, उसे कालेज के प्रिंसिपल/विभाग अध्यक्ष, जिसमें पढ़ा है, की सिफारिश पर एम.ई. (ई.पी.डी.टी.)को छोड़कर, पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग प्रदान किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट एण्ड डिजाइन टेक्नॉलोजी में कोई पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान नहीं किया जाएगा।

6. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 173-174 पर पी-एच.डी. डिग्री के लिए विनियम 15 और 17, सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

15. शोध कार्य के पूरा होने पर और विनियम 8 और 17 में निर्धारित अवधि के अनुसार, परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध की मुद्रित अथवा टाइप की हुई चार कापियां प्रस्तुत करेगा और निम्नलिखित शर्तों को पूरा करेगा:

शोध-प्रबन्ध के साथ देगा:

(क) सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित फीस।

(ख) XXX XXX XXX

(ग) (i) से (iv) XXX XXX

बशर्तेकि -

(क) से (घ) XXX XXX

16. XXX XXX XXX

17.1 शोध-प्रबन्ध जॉयंट रिसर्च बोर्ड और कुलपति की सिफारिशों पर सिंडिकेट द्वारा नियुक्त दो परीक्षकों को भेजा जाएगा। विभाग अध्यक्ष निरीक्षक(कों) की सलाह से परीक्षकों के नामों की सिफारिश करेगा। पी-एच.डी. परिणामों की घोषणा में देरी को कम करने के लिए निम्नलिखित उपायों को ध्यान में रखना जरूरी है:

(i) कि अध्यक्ष/होम साइंस कालेज के प्रिंसिपल को बिनती की जाए कि वे परीक्षकों की प्राप्यता/सहमति लेकर उनकी अपेक्षित संख्या के नामों की सिफारिश करें।

(ii) इसके पश्चात, ऐसे सभी परीक्षकों की सूची कुलपति के सामने रखें ताकि वह दो परीक्षकों की नियुक्ति कर बाकी सभी को प्रतीक्षा सूची में रखें।

(iii) उपर्युक्त ढंग से नियुक्त दो परीक्षकों को शोध-प्रबन्ध भेजे जाने की तिथि से यदि वह भारत में रहते हैं तो दो महीनों में और यदि वे विदेश में रहते हैं तो तीन महीनों के समय में पी-एच.डी. के शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाएगा।

(iv) यदि सही तरीके से मूल्यांकित शोध-प्रबन्ध निश्चित अवधि में नहीं पहुँचते, शोध-प्रबन्ध की एक अन्य कॉपी तीसरे परीक्षक को भेजी जाए।

(v) कार्यालय में पहुँची शोध-प्रबन्ध की पहली दो रिपोर्टों को ही विचाराधीन लाया जाएगा और बाद में प्राप्त तीसरी रिपोर्ट को अस्वीकार किया जाएगा।

(vi) परीक्षक सिफारिश कर सकते हैं कि—

शोध-प्रबन्ध पी-एच.डी. की डिग्री प्रदान करने के लिए स्वीकार कर लिया जाए;

अथवा

शोध-प्रबन्ध को रद्द कर दिया जाए;

अथवा

शोध-प्रबन्ध में संशोधन कर इसे पुनःप्रस्तुत किया जाए और इस मतलब के लिए वह जो ठीक समझे सुझाव दे सकता है बशर्तकि परीक्षार्थी साधारणतया यूनिवर्सिटी द्वारा परीक्षक की टिप्पणियाँ प्राप्त होने की तिथि से एक साल के अंदर संशोधित शोध-प्रबन्ध पुनःप्रस्तुत कर सकता है। डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन द्वारा अधिक से अधिक एक साल की विशेष बढ़ोतरी दी जा सकती है। विशेष बढ़ोतरी अवधि समाप्त होने के बाद भी जॉयंट रिसर्च बोर्ड द्वारा संशोधित शोध-प्रबन्ध पुनःप्रस्तुत करने में अधिकतम एक साल की देरी माफ की जा सकती है।

7. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग II, 1995 के पृष्ठ 369-373 पर फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी में डॉक्टर ऑफ फिलासफी के लिए विनियम 3.9.11 और 16.2, सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।
3. शोध-प्रबन्ध का शीर्षक, रूपरेखा और प्रत्येक रिसर्च डिग्री कमेटी द्वारा प्रस्तावित निगरानों को रिसर्च बोर्ड द्वारा विचाराधीन लाया जाएगा जिसमें सम्मिलित होंगे-
- (क) इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी की फेकल्टी का डीन;
 - (ख) इंजीनियरिंग कालेजों के प्रिंसिपल/यूनिवर्सिटी विभाग की सूरत में केमिकल इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी विभाग का अध्यक्ष;
 - (ग) संबद्ध इंजीनियरिंग कालेजों के प्रोफेसर और केमिकल इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी विभाग का प्रोफेसर;
 - (घ) फेकल्टी की सिफारिश पर सिंडिकेट द्वारा मनोनीत तीन माहिर;
 - (च) उपर्युक्त सदस्यों द्वारा इस अवसर के लिए सहयोजित विशेषज्ञ।
- बोर्ड के सदस्यों की अवधि दो साल होगी और बोर्ड साधारणतया कैलेन्डर वर्ष में तीन महीनों में एक बार मिलेगा।
9. परीक्षार्थी पी-एच.डी.डिग्री के लिए आवेदनपत्र सहित अपने शोध-प्रबन्ध की बहुत ही सही ढंग से मुद्रित अथवा टाइप की हुई अपने नाम के अंतर्गत चार कापियाँ और फीस (सिंडिकेट द्वारा निर्धारित) प्रस्तुत करेगा। इसके साथ ही यथास्थिति अपने निरीक्षक अथवा विभाग अध्यक्ष से इस मतलब का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि परीक्षार्थी ने अपनी शोध पूरी कर ली है जिसमें शोध-कार्य के काल की ओर भी संकेत दिया होगा, और क्या शोध-प्रबन्ध पी-एच.डी. की डिग्री प्रदान करने के योग्य भी है ?
- शोध-प्रबन्ध में परीक्षार्थी द्वारा हस्ताक्षरित यह घोषणा भी दी जाएगी कि यह समूचा काम उसका अपना किया हुआ है, और यह प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया जाएगा कि इस पर पहले कभी कोई अन्य डिग्री, डिप्लोमा, एसोशिएटशिप, फेलोशिप अथवा मान्यताप्राप्ति को कोई अन्य समान पद प्रदान न किया गया हो।

11. शोध-प्रबन्ध की प्रस्तुत तिथि समाप्त होने से पहले समय-बढ़ोतरी के लिए आवेदनपत्र यूनिवर्सिटी को देना चाहिए। ऐसी बढ़ोतरी एक समय पर एक साल के लिए प्रदान की जाएगी परन्तु यह अधिक से अधिक तीन साल के लिए दी जा सकती है जिसके बाद रिसर्च बोर्ड द्वारा आगे कोई बढ़ोतरी नहीं दी जाएगी।

16.2 यदि संबंधित रिसर्च डिग्री कमेटी द्वारा विशेष बढ़ोतरी न की गई हो, तो जिस परीक्षार्थी ने शोध-प्रबन्ध की पुनःप्रस्तुति करनी है, उसे यूनिवर्सिटी के निर्णय की उसे सूचना प्राप्त होने की तिथि से छः महीने का समय समाप्त होने के तुरन्त बाद शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत कर देना चाहिए। परन्तु ऐसी बढ़ोतरी किसी भी हालत में साधारणतया दो साल से अधिक नहीं दी जाएगी। संशोधित शोध-प्रबन्ध यूनिवर्सिटी के पास आधी निर्धारित फीस सहित पहुँच जाना चाहिए।

8. पं.सू. कैलेन्डर, भाग II, 1995, परिशिष्ट के अनुसार, के बी.एस-सी. (आनर्ज) ऑप्येलिमिक टेक्नीक्स कोर्सिज के लिए विनियम, सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में।
1. बी.एस-सी.(आनर्ज)इन ऑप्येलिमिक टेक्नीक्स के लिए कोर्स की अवधि तीन वर्ष की होगी। प्रत्येक वर्ष में दो सिमेस्टर होंगे। पहला सिमेस्टर साधारणतया जुलाई से दिसंबर और दूसरा सिमेस्टर जनवरी से मई में होगा।
2. इस कोर्स में दाखिले की शर्तें इस प्रकार होंगी:
 - (i) जिस परीक्षार्थी ने 10+2 (साइंस) अथवा 10+2 (वोकेशनल कोर्स इन ऑप्येलिमिक टेक्नीक्स) में 50% अंक प्राप्त किए हैं।
अथवा
 - (ii) पंजाब यूनिवर्सिटी के बी.एस-सी. कोर्स का भाग-1.
अथवा
 - (iii) सिंडिकेट द्वारा (i) अथवा (ii) के तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा।
3. बी.एस-सी.(आनर्ज) इन ऑप्येलिमिक टेक्नीक्स के लिए पठन पाठ्यक्रम और पाठ्यविवरण वही होंगे जो समय समय पर मेडिकल साइंसिज की फेकल्टी अनुमोदित करेगी।
4. परीक्षार्थी बी.एस-सी.(आनर्ज)इन ऑप्येलिमिक टेक्नीक्स के लिए अपना आवेदनपत्र विभाग अध्यक्ष के जरिये भेजेगा जिसके साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्र भेजे जाएंगे:
 - (क) सदाचरण का ;
 - (ख) प्रत्येक कोर्स*में दिए गए लेक्चरों और करवाए प्रेक्टिकलों में अलग अलग तौर पर कम से कम 66%में हाजिर रहने का (कोर्स का मतलब सिद्धान्त और प्रेक्टिकल में पेपर से है); और
 - (ग) पहली परीक्षा पास करने का।

कालेज के निदेशक/प्रिंसिपल को सिद्धान्त और प्रेक्टिकल के प्रत्येक कोर्स में दिए लेक्चरों के 10% तक की हाजिरी की न्यूनता को माफ करने का अधिकार प्राप्त है।

- 5.1 परीक्षा-कंट्रोलर के पास देरी फीस बिना/सहित दाखिला फार्म और फीस पहुँचने की सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित अंतिम तिथि को यूनिवर्सिटी द्वारा निश्चित किया जाएगा।
- 5.2 परीक्षार्थी द्वारा प्रत्येक सिमेस्टर के लिए दी जाने वाली दाखिला फीस, सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित फीस जितनी होगी।
6. फेकल्टी ऑफ मेडिकल साइंसिज़ द्वारा अनुमोदित परीक्षा की स्कीम के अनुसार सिद्धान्त/प्रेक्टिकल पेपर्स में परीक्षा प्रत्येक सिमेस्टर के अंत में होगी।
7. प्रत्येक सिमेस्टर में ली गई परीक्षा केवल उन्हीं कोर्सों में होगी जो इस सिमेस्टर में लिए गए हैं अर्थात् पहला, तीसरा और पाँचवा सिमेस्टर दिसंबर में और दूसरा, चौथा और छठा सिमेस्टर मई में।
8. विद्यार्थी को अगले सिमेस्टर में कक्षोन्नत निम्नलिखित शर्तों के अंतर्गत किया जाएगा।:
 - (क) विद्यार्थियों को सिद्धान्त और प्रेक्टिकलों(मुख्य, सहायक) के प्रत्येक कोर्स में पास होने के लिए और उस कोर्स के लिए नियत क्रेडिट प्राप्त करने के लिए 40% अंक प्राप्त करने होंगे।
 - (ख) विद्यार्थी को आनर्ज कोर्स के दूसरे वर्ष में दाखिल होने की अनुमति दी जाएगी यदि उसने पहले वर्ष में कम से कम 24 क्रेडिट प्राप्त किए हैं(मूल मेडिकल साइंसिज़ के आनर्ज के विद्यार्थियों की सूचि में क्रेडिट); इनमें से कम से कम 50% क्रेडिट मुख्य विषय में होने चाहिए।
 - (ग) विद्यार्थी को आनर्ज स्कूल के तीसरे वर्ष में दाखिल किया जाएगा यदि उसने पहले दो वर्षों में कम से कम 48 क्रेडिट प्राप्त किए हैं (मूल मेडिकल साइंसिज़ के आनर्ज विद्यार्थियों की सूचि में 56 क्रेडिट)। परन्तु उसको पहले दो वर्षों में मुख्य विषय को नियत किए क्रेडिटों में से कम से कम 50% प्राप्त करने चाहिए।
 - (घ) जिस विद्यार्थी ने एक साल में पूर किए जाने वाले अपेक्षित क्रेडिटों की अधिकतम संख्या प्राप्त नहीं की है, उसे उन पेपर्स को पास करने की अनुमति दी जाएगी (जिनमें वह फेल हुआ है) जब नियमित विद्यार्थियों की इस कोर्स की परीक्षा ली जाएगी। परन्तु कोई भी विद्यार्थी कुल पेपर्स के 50% में रि-अपियर परीक्षा नहीं दे सकता जिनमें कि वह साधारणतया दे सकता है। उदाहरण के तौर पर, तीसरे सिमेस्टर में यदि

विद्यार्थी का नियमित भार 20 क्रेडिट है, वह पहले सिमेस्टर के 10 क्रेडिटों से अधिक में रि-अपियर परीक्षा नहीं दे सकता।

(च) बी.एस-सी.(आनर्ज) में 80 या अधिक क्रेडिट प्राप्त कर(मूल मेडिकल साइंसिज के विद्यार्थियों की सूरत में 96 अथवा अधिक), यदि वह आनर्ज कोर्स को नहीं पढ़ना चाहता, परीक्षार्थी बी.एस-सी. पास डिग्री प्रदान करने के लिए मांग कर सकता है। ऐसे परीक्षार्थियों की सूरत में श्रेणी का निर्धारण विनियमों के अनुसार होगा जो आनर्ज के विद्यार्थियों पर लागू होते हैं जिसमें उस द्वारा प्राप्त 80 क्रेडिटों में से श्रेष्ठ का ध्यान रखा जाएगा।

(छ) श्रेणी निर्धारित करने के लिए परीक्षार्थी द्वारा सभी विषयों के लिए(मुख्य, सहायक और प्रेक्टिकल) सभी छः सिमेस्टरों में प्राप्त कुल अंकों को गिणती में लाया जाएगा।

(ज) उपर्युक्त शर्तों के होते हुए, प्रत्येक विद्यार्थी को पहले सिमेस्टर में दाखिला लेने की तिथि से 5 वर्षों के अंदर पूरा बी.एस-सी. आनर्ज कोर्स सम्पाप्त कर लेना चाहिए।

- 9.1 प्रश्न-पत्र बाहरी और आंतरिक परीक्षकों द्वारा मिलकर तैयार किया जाएगा। यदि एक कोर्स को एक से अधिक अध्यापक पढ़ा रहे हैं, निदेशक-प्रिंसिपल उनमें से एक को आंतरिक परीक्षक बनाने का निर्णय लेगा।
- 9.2 मूल्यांकन का काम बाहरी और आंतरिक परीक्षक स्वतन्त्र रूप में करेंगे। उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले बाहरी परीक्षक करेगा, जो उत्तर-पुस्तिकाओं पर अंक नहीं लगाएगा और उनको आंतरिक परीक्षक को भेज देगा। अंक-सूची परीक्षा-कंट्रोलर को भेज दी जाएगी। इन उत्तर-पुस्तिकाओं की जांच फिर आंतरिक परीक्षक करेगा। यदि किसी विशेष केस में परीक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंकों में अधिकतम अंकों के 15% तक का है, तो उन दोनों के औसत अंक परीक्षार्थी को दे दिए जाएंगे। यदि यह अंतर 15% से अधिक अंकों का है, तो यह केस तीसरे परीक्षक के पास भेजा जाएगा और इनमें से दो श्रेष्ठ अंकों के औसत अंक परीक्षार्थी को दे दिए जाएंगे।
- 9.3 उत्तर-पुस्तिकाओं के पुनःमूल्यांकन की अनुमति यूनिवर्सिटी द्वारा समय समय पर पुनःमूल्यांकन के लिए निर्धारित नियमों के अनुसार दी जाएगी।

0.1 परिणामों को परीक्षा-कंट्रोलर के कार्यालय द्वारा सारणीबद्ध और घोषित किया जाएगा।

10.2 सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा।:

(i) जो कुल अंकों में 60% अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं पहली श्रेणी

(ii) जो कुल अंकों में से 50% अथवा अधिक परन्तु 60% से कम अंक प्राप्त करते हैं दूसरी श्रेणी

(iii) जो कुल अंकों में से 40% अथवा अधिक परन्तु 50% से कम अंक प्राप्त करते हैं तीसरी श्रेणी

11. परीक्षार्थियों को प्रत्येक सिमेस्टर के लिए ब्योरेबार अंक कार्ड प्रदान किया जाएगा। डिग्री में उस श्रेणी को दर्शाया जाएगा जिसमें परीक्षार्थी ने यह परीक्षा पास की है। ऐसे परीक्षार्थियों को प्रदान किए जाने वाले प्रमाणपत्र पर आनर्ज स्कूल में दाखिल होने और छोड़ने की तिथि को भी दर्शाया जाएगा।

२. कैलेंडर, भाग II, 1995 में परिशिष्ट के अनुसार मास्टर ऑफ लॉज परीक्षा के लिए विनियम जिनको सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2000-2001 के सेशन से लागू किया जाए।

1.1 मास्टर ऑफ लॉज के लिए अध्यापन के कोर्स की अवधि दो वर्ष होगी।

1.2 परीक्षा दो भागों में ली जाएगी अर्थात् पहले वर्ष के अंत में भाग-I और दूसरे वर्ष के अंत में भाग-II।

भाग I और II की परीक्षा साधारणतया अप्रैल/मई के महीने में यूनिवर्सिटी द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

1.3 सिंडिकेट द्वारा लेट फीस सहित/बिना परीक्षा के लिए दाखिला फार्म और फीस वसूल करने की निर्धारित अंतिम तिथि को परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।

2.1 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित में से कोई एक परीक्षा पास की है वह एल-एल.एम. कोर्स की क्लास के पहले वर्ष(भाग-I) में दाखिल होने के योग्य होगा।

पंजाब यूनिवर्सिटी की एल-एल.बी. डिग्री की परीक्षा

अथवा

किसी अन्य यूनिवर्सिटी से इसके तुल्य कोई अन्य परीक्षा जिसको सिंडिकेट द्वारा इस मतलब के लिए मान्यता प्राप्त हो।

2.2 जिस व्यक्ति ने एल-एल.एम. भाग-I की परीक्षा के लिए निर्धारित चार पेपरों में से कम से कम तीन पेपर पास कर लिए हैं, वह एल-एल.एम. भाग-II क्लास में दाखिल होने के योग्य होगा।

परन्तु, यदि वह चार पेपरों में से कम से कम दो पेपर नहीं देता अथवा उनमें फेल हो जाता है, उसे फेल घोषित किया जाएगा और वह एल-एल.एम. में पुनःदाखिल होने के योग्य नहीं होगा। चार में से दो पेपर पास करने की सूरत में, परीक्षार्थी बकाया दो पेपरों में प्राइवेट परीक्षार्थी के तौर पर परीक्षा देने के योग्य होगा। प्रासंगिक विनियमों के अंतर्गत, फेल हुए परीक्षार्थी को प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में सभी चारों पेपरों में परीक्षा देने का विकल्प प्राप्त होगा।

3.1 भाग I/II की परीक्षा यथास्थिति उस विद्यार्थी के लिए खुली होगी जिसका नाम यूनिवर्सिटी के लॉज विभाग के अध्यक्ष द्वारा परीक्षा-कंट्रोलर को

भेजा गया हो और यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे:

- (i) सदाचरण का;
- (ii) परीक्षा से पहले शैक्षिक वर्ष में यूनिवर्सिटी विभाग में हाज़िर रहने का;
- (iii) प्रत्येक विषय में उसकी कक्षा को दिए लेक्चरों में 66 प्रतिशत में हाज़िर रहने का; और
- (iv) अपने नियत-कार्य को संतोषजनक ढंग से करने का।

3.2 लेक्चरों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता को निम्नानुसार माफ किया जा सकता है:

- (क) विभाग अध्यक्ष द्वारा 15 तक;
- (ख) सिंडिकेट द्वारा 30 तक।

3.3 परीक्षार्थी को एल-एल.एम. भाग-I में उसके दाखिले की तिथि से लेकर पांच सालों की अवधि में एल-एल.एम. के भाग-I और भाग-II की परीक्षा पास करनी होगी।

3.4 जिस परीक्षार्थी ने यूनिवर्सिटी के लॉज विभाग में एल-एल.एम. भाग I/II की परीक्षा के लिए अध्यापन का निर्धारित कोर्स पूरा कर लिया है और उसने परीक्षा नहीं दी, अथवा परीक्षा देकर फेल हो गया है, उसे विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर लेट कालेज विद्यार्थी के तौर पर अध्यापन के नए कोर्स में हाज़िर हुए बगैर परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है।

बशर्ते कि ऐसे परीक्षार्थी को एल-एल.एम. भाग-I में दाखिल होने की तिथि से पांच साल की अवधि में एल-एल.एम. भाग-I और भाग-II में प्रस्तुत कोर्सों को पास करना होगा।

4.1 परीक्षार्थी द्वारा एल-एल.एम. भाग-I और एल-एल.एम. भाग-II की परीक्षा के लिए अलग अलग अदा की जाने वाली फीस की राशि और एल-एल.एम. के शोध-निबन्ध और/अथवा मौखिक परीक्षा के लिए फीस की राशि समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित की जाएगी।

4.2 जो परीक्षार्थी किसी भी परीक्षा अथवा किसी पेपर में पुनः परीक्षा देता है, उसे सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित दाखिला फीस देनी होगी।

- 5.1 एल-एल.एम. भाग-I और भाग-II की परीक्षा लॉ की पाठ्य-समिति द्वारा निर्धारित ओर फेकल्टी ऑफ लॉ द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार होगी।
- 5.2 (क) एल-एल.एम. भाग-II का परीक्षार्थी, एल-एल.एम. भाग-II में अपने दाखिले के दो सप्ताह के अंदर अपने शोध-निबन्ध के विषय की स्वीकृति के लिए आवेदनपत्र देगा।
- (ख) अध्यक्ष शैक्षिक समिती की सलाह से शोध-निबन्ध की तैयारी में विद्यार्थी का दिशा-निर्देश करने के लिए किसी उपयुक्त अध्यापक को नियुक्त करेगा।
- (ग) एल-एल.एम. भाग-II के प्रत्येक विद्यार्थी की मौखिक परीक्षा के परीक्षण के लिए परीक्षक-मंडल की नियुक्ति की जाएगी जो शैक्षिक समिति द्वारा नियुक्त और डी.यू.आइ. द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। इसमें अध्यक्ष, निरीक्षक और विभाग के दो प्रवर प्रोफेसर सम्मिलित होंगे।
- 5.3 (क) परीक्षा शुरू होने से एक महीने के अंदर परीक्षार्थी अध्यक्ष के अनुमोदन से शोध-निबन्ध प्रस्तुत करेगा और शोध-प्रबन्ध के अंक प्राप्त होने के बाद मौखिक परीक्षा होगी।
- (ख) शोध-निबन्ध की तीन कापियां अध्यक्ष के जरिये परीक्षा-कंट्रोलर को भेजी जाएंगी और इसके साथ निरीक्षक का प्रमाणपत्र संलग्न होगा कि शोध-निबन्ध उसकी निगरानी और निरीक्षण में तैयार किया गया है।
- (ग) परीक्षार्थी अपना शोध-निबन्ध प्रस्तुत कर सकता है चाहे कितने ही कोर्सों में वह फेल हुआ है अथवा पेपर नहीं दिए हों।
- (घ) जो परीक्षार्थी एल-एल.एम. भाग-I अथवा भाग-II की परीक्षा में फेल हो गया है और मौखिक परीक्षा एवं शोध-निबन्ध दोनों के अंकों को मिलाकर पास अंक प्राप्त कर लिए हैं, वह इन अंकों को एल-एल.एम. भाग-I में दाखिले की तिथि से लेकर पांच साल के अरसे तक शोध-निबन्ध और मौखिक परीक्षा का नए सिरे से मूल्यांकन करवाए बगैर आगे ले जाया जा सकता है।
- (च) एल-एल.एम. भाग-II की परीक्षा में विशेष समूह का परीक्षार्थी, जो तीन पेपरों में से दो में पास हो जाता है (शोध-निबन्ध और मौखिक परीक्षा को छोड़कर) उसे उस पेपर में पुनः परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है जिसमें वह फेल हो गया था अथवा जिसमें उसने परीक्षा नहीं दी थी।

6. परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
7. भाग-I/ भाग-II की परीक्षा में पास होने के लिए अधिकतम अंक यथास्थिति इस प्रकार होंगे:
- (i) प्रत्येक पेपर में 45%; और
- (ii) कुल अंकों में से 50%
- 8.1 एल-एल.एम. भाग-I और भाग-II की परीक्षाओं के सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा और उन द्वारा प्राप्त श्रेणियों को उनके डिग्री प्रमाणपत्र में दर्शाया जाएगा:
- (क) जो भाग-I और भाग-II की परीक्षाओं के कुल अंकों में से 75% अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैंवैशिष्ट सहित पहली श्रेणी
- (ख) जो भाग-I और भाग-II की परीक्षाओं के कुल अंकों में से 60% अथवा अधिक परन्तु 75% से कम अंक प्राप्त करते हैं.....पहली श्रेणी
- (ग) जो भाग-I और भाग-II की परीक्षाओं के कुल अंकों में से 60% से कम अंक प्राप्त करते हैंदूसरी श्रेणी
- 8.2 परीक्षा-कंट्रोलर परीक्षा समाप्त होने से चार सप्ताह के बाद अथवा जितनी जल्दी संभव हो, परिणाम को प्रकाशित करेगा।
- 8.3 भाग-I के सफल परीक्षार्थी को परीक्षा के उस भाग को पास करने के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।
-

10. मास्टर ऑफ टेक्नालोजी (माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स) के लिए परिशष्ट के अनुसार विनियम और इनको सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 1999-2000 के दाखिलों से लागू किया जाए।

1. नियमित विद्यार्थियों के लिए एम.टैक(माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स) की डिग्री के लिए कोर्स की अवधि तीन सिमेस्टर, 18 महीने होगी। इस डिग्री के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए परीक्षार्थी के पास चार शैक्षिक वर्ष होंगे जिसमें असफल रहने की सूरत में उसको कोर्स के लिए अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2.1(क) जिस व्यक्ति के पास निम्नलिखित योग्यताएं हैं, वह एम.टैक. (माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स) में दाखिला लेने के योग्य होगा:

कुल अंकों में से कम से कम 50% अंकों से बी.ई/बी.टैक. अथवा कंप्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग में तुल्य डिग्री अथवा इलेक्ट्रिकल अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल-कम्यूनिकेशन अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलिकम्यूनिकेशन अथवा इन्फरमेशन टेक्नालोजी अथवा इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग अथवा एम.एस-सी. अप्लाइड फिजिक्स अथवा एम.एस-सी फिजिक्स जिसके साथ इलेक्ट्रॉनिक्स की विशेषता भी हो, अथवा एम.एस-सी. इन इलेक्ट्रॉनिक्स(ए आइ सी टी ई द्वारा अनुमोदित)।

(ख) जिस परीक्षार्थी ने ऊपर 2.1(क) में सूचिबद्ध इंजीनियरिंग ब्रांचों में कम से कम 50% अंकों से इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियरज(कोलकत्ता)परीक्षा के ए और बी भाग अथवा आइ.ई.टी.ई. ग्रेजुएट परीक्षा(इंस्टिट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलिकम्यूनिकेशन इंजीनियरज, नई दिल्ली द्वारा ली गई) पास की है, उसे एम.टैक.(माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स)कोर्स में दाखिल किया जा सकता है।

2.2 दाखिला सिंडिकेट द्वारा समय समय पर निर्धारित कार्यविधि के अनुसार किया जाएगा।

3.1 एम.टैक.(माइको-इलेक्ट्रॉनिक्स)की डिग्री के लिए परीक्षा के वर्ष में दो सिमेस्टर होंगे। प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा दिसंबर/जनवरी और मई/जून में सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होगी।

- 3.2 परीक्षा दाखिला फार्म और देरी फीस सहित/बिना परीक्षा फीस प्राप्त करने की अंतिम तिथि का सिंडिकेट द्वारा निश्चित किया जाएगा।
- 3.3 विनियम 3.1 और 3.2 के अनुसार सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों को परीक्षा-कंट्रोलर द्वारा अधिसूचित किया जाएगा।
- 3.4 जो विद्यार्थी संबंधित सिमेस्टर की शैक्षिक अवधि में यूनिवर्सिटी विभाग की एम.टैक.(माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स)ब्रांच में हाजिर रहा हो और यथास्थिति यूनिवर्सिटी विभाग के अध्यक्ष/कालेज के प्रिंसिपल द्वारा हस्ताक्षरित निम्नलिखित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है, वह उस सिमेस्टर की परीक्षा देने के योग्य होगा:
 - (i) सदाचरण का;
 - (ii) प्रत्येक विषय के 75% लेक्चरों में हाजिर रहने का और सेशनल काम, ट्यूटोरियलों, डिजाइन प्रयोगशाला काम और सेमिनारों को मिलाकर कुल काम में से 75% काम करने का और यूनिवर्सिटी विभाग अथवा कालेज द्वारा, यथास्थिति, समय समय पर किए सभी निष्पादनों और ली गई आवधिक परीक्षा में अपने आप को लैस करने का।
4. लेक्चरों और प्रेक्टिकलों की अपेक्षित संख्या में न्यूनता प्रत्येक कोर्स में 10% तक यथास्थिति यूनिवर्सिटी विभाग का अध्यक्ष/कालेज का प्रिंसिपल माफ कर सकता है, परन्तु इसके कारणों को रिकार्ड करना पड़ेगा।
5. परीक्षार्थी द्वारा अदा की जाने वाली दाखिला फीस की राशि समय समय पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित की जाएगी।
- 6.1 प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा के लिए निम्नांकित को करना होगा:
 - (क) फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी द्वारा समय समय पर अनुमोदित सूची में से 10 सिद्धान्त पेपर - इनका चयन विभाग अध्यक्ष/प्रिंसिपल की सलाह से करना है। बशर्तेकि किसी भी परीक्षार्थी को प्रत्येक सिमेस्टर में पांच पेपर्स से अधिक में नामांकन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही, किसी भी परीक्षार्थी को कोर्स के पहले साल के पहले सिमेस्टर के अंत पर पाँच से अधिक पेपर्स में अर्हता प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और कोर्स के पहले साल के अंत पर दस पेपर्स (इसमें पहले सिमेस्टर में पास किए पेपर भी सम्मिलित हैं) से अधिक में अर्हता प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) शोध-प्रबन्ध जिसकी चार साफ टाइप की हुई/मुद्रित कापियाँ ठीक तरह से जिल्दबंदी की हुई यूनिवर्सिटी को प्रस्तुत की जाएंगी।

6.2 अध्यापन और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।

7.1 परीक्षार्थी अपने शोध-प्रबन्ध का काम यूनिवर्सिटी/विभाग/कालेज/सहयोगी संस्था में संबंधित अध्यापक और किसी अन्य संस्था से संयुक्त निरीक्षक की निगरानी में करेगा। परन्तु, यदि विभाग अध्यक्ष/प्रिंसिपल इस बात से संतुष्ट हैं कि शोध-प्रबन्ध तैयार करने की सुविधाएँ कहीं अन्य स्थान पर उपलब्ध हैं, वह परीक्षार्थी को शोध-प्रबन्ध को वहाँ तैयार करने की अनुमति दे सकता है। परन्तु परीक्षार्थी कम से कम चार सप्ताह का समय अपने अध्यापक की प्रत्यक्ष निगरानी अथवा विभाग/कालेज में बिताएगा।

7.2 शोध-प्रबन्ध विषय के बारे में मौजूदा ज्ञान की सुव्यवस्थित और आलोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत करेगा अथवा मौलिक खोज के परिणामों का धोतक होगा और परीक्षार्थी की स्वतन्त्र रूप में खोज करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। शोध-प्रबन्ध लिखते समय परीक्षार्थी अपने द्वारा स्वतन्त्र तौर पर किए काम को निर्धारित करेगा और उन श्रोतों का उल्लेख करेगा जहाँ उसने शोध-प्रबन्ध में सम्मिलित और सूचना प्राप्त की है।

7.3 शोध-प्रबन्ध परीक्षार्थी द्वारा कोर्स के तीसरे सिमेस्टर के दौरान में कभी भी प्रस्तुत किया जा सकता है, बशर्तेकि उसने तीसरे सिमेस्टर तक के सभी सिद्धान्त पेपरों में परीक्षा दे दी हो। शोध-प्रबन्ध का परिणाम परीक्षार्थी द्वारा सभी 10 सिद्धान्त पेपर पास करने के बाद ही घोषित किया जाएगा। यदि परीक्षार्थी का शोध-प्रबन्ध रद्द कर दिया जाता है अथवा वह तीसरे सिमेस्टर में शोध-प्रबन्ध पूरा करने में असमर्थ रहता है, उसे शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करने अथवा इसका पुनरीक्षण करने के लिए अधिक से अधिक एक साल के समय की अनुमति दी जा सकती है।

आगे बशर्तेकि यथास्थिति प्रिंसिपल/विभाग अध्यक्ष की सिफारिश पर कुलपति द्वारा उपर्युक्त सीमा से अधिक एक और साल की बढ़ोतरी की अनुमति दी जा सकती है।

7.4 शोध-प्रबन्ध के विषय-वस्तु पर मौखिक परीक्षा होगी। यदि परीक्षक आवश्यक समझें तो परीक्षार्थी को लिखित और/अथवा प्रेक्टिकल परीक्षण भी देना पड़ सकता है।

8.1 परीक्षा पास करने के लिए न्यूनतम अंक निम्नलिखित अनुसार होंगे:

(क) प्रत्येक सिद्धान्त पेपर/कोर्स में 40 प्रतिशत;

(ख) प्रत्येक पेपर/कोर्स के सेशनल/मूल्यांकन भाग में 50 प्रतिशत।

सिद्धान्त परीक्षाएँ और सेशनल परीक्षाएँ दोनों को एक दूसरे से स्वतन्त्र माना जाएगा। कुल अंकों में से पास प्रतिशतता 50% होगी।

8.2 विनियम 1 के अंतर्गत जो परीक्षार्थी किसी/किन्हीं पेपर/पेपरों में फेल हो गया है, उसे उस पेपर में परीक्षा पास करने के लिए किसी आगामी परीक्षा में दोबारा पेपर देने की अनुमति दी जा सकती है। इसके लिए उसे प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा में प्रति पेपर अपेक्षित दाखिल फीस की अदायगी करनी होगी। यह फीस संबंधित परीक्षा के लिए सिंडिकेट द्वारा निर्धारित न्यूनतम राशि के अंतर्गत होगी और दाखिला फीस अन्य सिमेस्टर परीक्षा में वसूल की जाने वाली फीस जितनी होगी जिसमें वह पेपर दे रहा है, बशर्ते कि ऐसे परीक्षार्थी को 'वैशिष्ट्य सहित पास' की कोटि के अंतर्गत नहीं रखा जाएगा।

9. सफल परीक्षार्थियों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:

(क) जो सभी सिद्धान्त पेपरों को मिलाकर कुल अंकों में से 75 प्रतिशत अथवा अधिक और सेशनल में प्रत्येक सिद्धान्त पेपर में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं और यदि उनका शोध-प्रबन्ध भी वैशिष्ट्य का धारणीय है, बशर्ते कि संबंधित परीक्षार्थी ने प्रत्येक पेपर में पहली बार ही परीक्षा पास की हो-

....वैशिष्ट्य सहित पास

(ख) जो सभी सिद्धान्त पेपरों और सेशनल को पास कर लेते हैं और वैशिष्ट्य सहित पास में रखने के योग्य नहीं है-

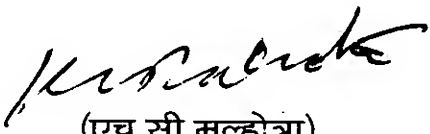
.....पास

10. प्रत्येक सिमेस्टर परीक्षा समाप्त होने के चार सप्ताह बाद अथवा जितनी जल्दी संभव हो, परीक्षा-कंट्रोलर परिणाम घोषित करेगा। प्रत्येक सफल परीक्षार्थी उस सिमेस्टर की परीक्षा में पास होने का प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा। जिस परीक्षार्थी ने सभी सिमेस्टर परीक्षाएँ पास की हैं, उसको विनियमों के अनुसार डिग्री प्रदान की जाएगी।

11. जिस व्यक्ति ने सभी सिद्धान्त पेपर पास कर लिए हैं परन्तु शोध-प्रबन्ध पूरा नहीं किया, उसे माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा।

चंडीगढ़-160014

दिनांक: 24-3-2004


(एच.सी.मल्होत्रा)

डिप्टी रजिस्ट्रार(जनरल)



मेरी उपस्थिति में आज दिनांक: 24-3-2004 को पंजाब यूनिवर्सिटी की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबंद।


(परमजीत सिंह)

रजिस्ट्रार

ਪੰਜਾਬ ਯੂਨਿਵਰਸਿਟੀ

अधिसूचना क्रमांक 5-2004/जी.आर.

केन्द्र सरकार, मानवीय संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली ने अपने पत्रांक एफ.2-8/2000-डैस्क(यू). दिनांक 17.7.2003 द्वारा निम्नलिखित विनियमों को मंजूरी दे दी है:

1. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेन्डर, भाग I, 2000 के पृष्ठ 56 पर विनियम 4 सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

4. निम्नलिखित विषयों में पाठ्य-समितियाँ और उनके कन्वीनर सिंडिकेट द्वारा मनोनीत किए जाएंगे:

| से X| xxx xxx xxx

XII आर्ट एण्ड फाइन आर्ट्स

XIII से XLIV xxx xxx

2. पंजाब यूनिवर्सिटी कैलेंडर, भाग II, 2000 के पृष्ठ पर 'प्रश्नपत्रों और परीक्षा के परिणामों के संशोधन' से संबंधित विनियम 28.3 सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट के प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

28.3 जो परीक्षार्थी बी.ए./एम.एस-सी./एम.कॉम./एम.एफ.सी./एम. लिब. एस-सी./एस.एँड/एम.पी.एँड की परीक्षा देता है, उसे कुल अंकों में से 55% अंक प्राप्त करने के लिए परीक्षा के कुल अंकों के 1% तक के रियायती अंक दिए जा सकते हैं।

बशर्तेकि परीक्षार्थी ने परीक्षा पास करने के लिए पहले ही रियायती अंकों का उपयोग न किया हो।

3. पं.यू.कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 49 पर बी.ए./बी.एस-सी (जनरल और ऑनर्ज) परीक्षा के लिए विनियम 9 सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

9. नियमित सशस्त्र सेनाओं अथवा वायु सेना के सदस्यों को प्राइवेट परीक्षार्थी के किसी संबद्ध कालेज में अपेक्षित परेड संख्या में हाज़िर हुए बगैर डिफेंस एण्ड स्ट्रेटेजिक स्टडीज़ का विषय लेने की अनुमति दी जा सकती है।

4. पं.यू. कैलेन्डर, भाग-II, 2000 के पृष्ठ 91 पर संशोधित मास्टर ऑफ आर्ट्स/साइंस के लिए विनियम 11.1(1) (च) और इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2001 के दाखिलों से लागू।

11.1(1)(च) एम.एस-सी. स्टैटिस्टिक्स कोर्स के लिए, परीक्षार्थी उस समय दाखिले के योग्य होगा जब या तो उसने कुल अंकों में से कम से कम 50% अंक या स्टैटिस्टिक्स/गणित में कम से कम 45 प्रतिशत अंक से बी.ए./बी.एस-सी.(जनरल अथवा ऑनर्ज) पास की है।

6. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 155 पर मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन्स परीक्षा के लिए विनियम 2.1(1), और इसको सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2001 के दाखिलों से लागू किया जाए।

2.1 इस कोर्स के पहले वर्ष में दाखिले के लिए न्यूनतम योग्यता होगी:

(i) किसी भी अनुशासन में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों से 10+2+3 परीक्षा-पद्धति के अंतर्गत पंजाब यूनिवर्सिटी की बेचुलरज डिग्री।

(ii) बी.ई./बी.टेक

(iii) सिंडिकेट द्वारा ऊपर(i) और (ii) के तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा।

7. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 172 पर आर्ट्स, भाषाएँ, शिक्षा, साइंस, डिज़ाइन एण्ड फाइन आर्ट्स अर्थात बिज़नेस मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स की फेकल्टीज में मास्टर ऑफ फिलॉसफी के लिए विनियम।

1. आर्ट्स, भाषाएँ, शिक्षा, साइंस, डिज़ाइन एण्ड फाइन आर्ट्स अर्थात बिज़नेस मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स की फेकल्टीज में मास्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री के लिए परीक्षार्थी को पहली श्रेणी में (संबंधित विषय में 50% अंक) पंजाब यूनिवर्सिटी मास्टरज डिग्री प्राप्त करनी चाहिए अथवा किसी अन्य यूनिवर्सिटी से ऐसी परीक्षा पास करनी चाहिए जिसे इस यूनिवर्सिटी ने अपनी डिग्री के तुल्य मान्यता प्रदान की हो। गाँधीयन स्टडीज में एम.फिल. के लिए

विषय में मास्टरज़ डिग्री का निर्धारण डीन ऑफ यूनिवर्सिटी इन्स्ट्रक्शन के अनुमोदन से कंट्रोल-बोर्ड द्वारा किया जाएगा। समाज-विज्ञान में एम.फिल. के लिए परीक्षार्थी ने 50% अंकों से समाजविज्ञान अथवा मानवविज्ञान के विषय में मास्टरज़ डिग्री प्राप्त की हो।

8. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 202 पर संस्कृत भाषा और साहित्य में आचार्य के डिप्लोमा के नाम में परिवर्तन सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में लागू।

आचार्य इन संस्कृत लैंग्वेज एण्ड लिटरेचर

9. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 262 पर एक वर्षीय इन्टेंसिव डिप्लोमा कोर्स इन रशियन का नाम बदल कर अडवांसड डिप्लोमा कोर्स इन रशियन करना और इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2002-2003 शैक्षिक सेशन से लागू किया जाए।

अडवांसड डिप्लोमा कोर्स इन रशियन

10. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 300-307 पर बेचुलर ऑफ कॉमर्स(जनरल और आनर्ज) परीक्षाओं के लिए विनियम 2, 3.1, 3.2, 13, 20 और 23 और इनको सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2000-2001 के सेशन से लागू किया जाए।

2. बी.कॉम(जनरल) स्टडी-प्रोग्राम में 29 क्रेडिट होंगे। एक क्रेडिट 50 अंकों का होगा।

3.1(क)बी.कॉम.(जनरल) डिग्री कोर्स के पहले वर्ष में दाखिला वह व्यक्ति ले सकता है जिसने मान्यताप्राप्त बोर्ड/परिषद/यूनिवर्सिटी से निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है:

(क) +2 की परीक्षा अथवा पंजाब यूनिवर्सिटी से बी.कॉम. भाग-I (पुरानी स्कीम) परीक्षा जिस में कुल अंकों में से कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और निम्नलिखित विषयों में से तीन विषय लिए हों

कॉमर्स(अथवा थिअरी ऑफ कॉमर्स या फाउंडेशन कोर्स इन कॉमर्स), अकाउंटेंसि(अथवा बुक कीपिंग एण्ड अकाउंटेंसि/अर्थशास्त्र

गणित(अथवा स्टेटिस्टिक्स)

बिज़निस ऑर्गेनाइज़ेशन (अथवा बिज़निस मेनेजमेंट, अथवा
थीअरी एण्ड प्रैक्टिस ऑफ मेनेजमेंट)

बीमा(अथवा जनरल इन्शुरेंस अथवा लाईफ इन्शुरेंस)

बैंकिंग एण्ड ट्रेड

कर्मशायल भूगोल

ऑफिस मेनेजमेंट एण्ड सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस(अथवा ऑफिस
ऑर्गेनाइज़ेशन एण्ड मेनेजमेंट)

मर्केंटाइल लॉ(अथवा कोई कंफ़ी लॉ)

ऑडिटिंग

टाइपराइटिंग एण्ड स्टेनोग्राफी/कंप्यूटरज़(टाइपराइटिंग के लिए)

(ख) कुल अंकों में से कम से कम 45% अंकों से और उपर्युक्त

(क) में वर्णित विषयों में से कम से कम दो विषयों के साथ +2
परीक्षा अथवा पंजाब यूनिवर्सिटी से बी.ए.भाग-1 (पुरानी स्कीम)

(ग) कम से कम 50% अंकों से पंजाब यूनिवर्सिटी से +2 परीक्षा
अथवा पुरानी स्कीम के अंतर्गत बी.ए. भाग-1/बी.एस-सी.
भाग-1/प्री-इंजीनियरिंग/प्री-मेडिकल परीक्षा जो (ख) के अधीन न
आई हो।

(घ) पंजाब यूनिवर्सिटी द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा जो
उपर्युक्त (क) अथवा (ख) अथवा (ग) के तुल्य हो और प्रत्येक धारा
के अंतर्गत अपेक्षित अंक प्राप्त किए हों।

बशर्तेकि बी.कॉम. के पहले वर्ष में दाखिले के इच्छुक परीक्षार्थी ने
+2 परीक्षा में अंग्रेजी का विषय पास किया हो, और भारत में
कुछ बोर्डों/निकायों/परिषदों/यूनिवर्सिटियों के विनियमों के अनुसार
जहाँ अंग्रेजी में पास होना ज़रूरी नहीं है, वहाँ परीक्षार्थी का
दाखिला अस्थायी तौर पर किया जाएगा और उसका दाखिला तभी
स्थायी किया जाएगा जब तक वह अपने दाखिले के आगामी दो
लगातार अवसरों में अपने न्यून विषय के तौर पर अपनी
मात(संस्था) बोर्ड/निकाय/परिषद/यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी का विषय
पास नहीं कर लेता।

आगे बशर्तेकि

(क) +2 परीक्षा में कंपार्टमेंट परीक्षार्थी, उपर्युक्त विनियम 3 के अंतर्गत, बी.कॉम. पहले वर्ष की कक्षा में वह विषय ले सकता है जिसमें उसकी कंपार्टमेंट आई है।

(ख) जिस परीक्षार्थी ने +2 परीक्षा में एक विषय के रूप में अंग्रेजी का विषय पास नहीं किया, उसे बी.कॉम. पहले वर्ष की कक्षा में अंग्रेजी(संचार कुशलता के तौर पर) का विषय लेने की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु उपर्युक्त विनियम 3 की व्यवस्था के अंतर्गत उसे न्यून विषय के रूप में अंग्रेजी को पास करना होगा।

(ग) परीक्षार्थी ने दाखिले की तिथि से उसको आगामी परीक्षाओं में दिए दो लगातार अवसरों में यदि वह संबंधित विषय को पास नहीं कर पाता, बी.कॉम. पहले वर्ष की कक्षा में उसका अस्थायी दाखिला रद्द कर दिया जाएगा।

(ख) यूनिवर्सिटी द्वारा किए आरक्षण के अंतर्गत, दाखिला योग्यताक्रम पर आधारित होगा। इस मतलब के लिए योग्यता-क्रम परीक्षार्थी द्वारा प्राप्त अंकों पर आधारित होगा जिसकी गणना निम्नानुसार की जाएगी:

(i) अर्हताकारी परीक्षा में अंकों की प्रतिशतता

(ii) 3.1क(क) में सांकेतिक विषयों में से प्रत्येक के लिए 4 अंक जोड़ें, परन्तु इनका जोड़ 16 से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) पंजाब यूनिवर्सिटी का बी.ए./बी.एस-सी. भाग-II

(घ) यूनिवर्सिटी द्वारा (क) अथवा (ख) के तुल्य मान्यताप्राप्त कोई अन्य परीक्षा जिसमें परीक्षार्थी ने अपेक्षित समूह/विषय/यों और अंकों की प्रतिशतता अथवा उपर्युक्त (ग) लिया हो।

बशर्तेकि बी.कॉम. के पहले वर्ष में दाखिले के इच्छुक परीक्षार्थी ने +2 परीक्षा में अंग्रेजी का विषय पास किया हो और भारत में कुछ बोर्ड/निकाय/परिषद/यूनिवर्सिटी के विनियमों के अनुसार जहाँ अंग्रेजी के विषय में पास होना ज़रूरी नहीं है, वहाँ परीक्षार्थी का दाखिला अस्थायी होगा और यह दाखिला तभी स्थायी किया जाएगा जब वह अपने दाखिले से आगामी दो लगातार अवसरों में मौजूद

बोर्ड/निकाय/परिषद/यूनिवर्सिटी से न्यून विषय के रूप में अंग्रेजी के विषय में पास नहीं हो जाता।

(च) आगे बशर्तेकि

(क) जिस परीक्षार्थी की भारत में किसी बोर्ड/निकायों/परिषदों/यूनिवर्सिटी 10+2 परीक्षा में कंपार्टमेंट आई हो, वह बी.कॉम. कोर्स के पहले वर्ष में दाखिला लेने के योग्य होगा बशर्तेकि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:

(i) उसकी केवल एक विषय में कंपार्टमेंट आई हो।

(ii) जिस विषय में उसकी कंपार्टमेंट आई है, उसमें उसने कम से कम 20% अंक प्राप्त किया हों, और

(iii) संबंधित विनियमों में निर्धारित किए गए अनुसार उसने कुल अंकों में से अपेक्षित प्रतिशतता प्राप्त की हो।

(ख) जिस परीक्षार्थी ने 10+2 परीक्षा में अंग्रेजी का विषय पास नहीं किया, उसे बी.कॉम. पहले वर्ष की कक्षा में अंग्रेजी (संचार कुशलता के तौर पर) विषय लेने की अनुमति दी जाएगी, परन्तु उसको उपर्युक्त विनियमों की व्यवस्था के अंतर्गत अंग्रेजी को न्यून विषय के रूप में पास करना होगा।

(ग) यदि कोई परीक्षार्थी उसके दाखिले की तिथि से उसको दिए आगामी दो लगातार अवसरों में संबंधित विषय को पास नहीं कर पाता, उसका बी.कॉम. पहले वर्ष में किया दाखिला रद्द किया जाएगा।

3.2 जिस व्यक्ति ने निम्नलिखित परीक्षाओं में से कोई एक परीक्षा पास की है, वह बेचुलर ऑफ कॉमर्स जनरल और आनर्ज कोर्स के दूसरे/तीसरे वर्ष की कक्षा में दाखिल होने के योग्य होगा।

(क) 10+2+3 पद्धति के अंतर्गत यूनिवर्सिटी से बेचुलर ऑफ कॉमर्स (जनरल) और ऑनर्ज/पहले/दूसरे वर्ष की परीक्षा

(ख) यदि लिए गए विषय/कोर्स इस यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित किये गए अनुसार हैं, तो किसी अन्य यूनिवर्सिटी से शिक्षा की 10+2+3 पद्धति के अंतर्गत बेचुलर ऑफ कॉमर्स की पहले अथवा

दूसरे वर्ष की परीक्षा जिसकी बी.कॉम. की परीक्षा को इस यूनिवर्सिटी की बी.कॉम. परीक्षा के तुल्य माना जाता है।

यदि विषयों/कोर्सों में कोई न्यूनता है, उसे न्यून विषयों, यदि कोई हैं तो, को आगामी दो लगातार अवसरों में इनको पास करना होगा। यदि वह न्यून विषयों/कोर्सों में इनको पास करने में असफल रहता है, तो उसका बी.कॉम. दूसरे वर्ष अथवा बी.कॉम. तीसरे वर्ष का यथास्थिति परिणाम रद्द किया जाएगा।

बशर्तेकि विद्यार्थियों द्वारा बी.कॉम. पहले वर्ष अथवा दूसरे वर्ष की परीक्षा में प्राप्त अंकों को, यथास्थिति, उसकी श्रेणी निर्धारित करने के लिए गिना जाएगा और संबंधित परीक्षा में प्राप्त अंकों का, यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित अधिकतम अंकों के अनुसार अधिकतम अंकों का बढ़ा कर या घटा पर, सामान्यीकरण किया जाएगा।

13. सफल परीक्षार्थियों को पहले वर्ष, दूसरे वर्ष और तीसरे वर्ष की परीक्षाओं में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जाएगा:

- | | |
|---|-----------------|
| (क) जो कुल अंकों में से 60 प्रतिशत
अथवा अधिक अंक प्राप्त करते हैं | ...पहली श्रेणी |
| (ख) जो कुल अंकों में से 50 प्रतिशत
अथवा अधिक परन्तु 60 प्रतिशत
से कम अंक प्राप्त करते हैं | ...दूसरी श्रेणी |
| (ग) जो कुल अंकों में से 50 प्रतिशत
से कम अंक प्राप्त करते हैं | ...तीसरी श्रेणी |

परीक्षा में पहली बारी में ही अर्हता प्राप्त करने वाले ऊपर के

10 परीक्षार्थियों को योग्यता सूची में शामिल किया जाएगा।

20. आनर्ज परीक्षा में दो अतिरिक्त पेपर सम्मिलित होंगे जिनमें से पेपर(i) को दूसरे वर्ष की परीक्षा के साथ दिया जाएगा और पेपर (ii) को तीसरे वर्ष की परीक्षा के साथ दिया जाएगा। प्रत्येक पेपर के दो क्रेडिट होंगे।

23. बी.कॉम. कोर्स में ऑनर्ज में अर्हता प्राप्त करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अंक निम्नानुसार होंगे।

(क) बी.कॉम. के पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के अंकों को मिलाकर कुल अंकों में से 50% अंक।

(ख) ऑनर्ज के विषय में प्रत्येक पेपर में अलग अलग तौर पर 45% अंक और कुल अंकों में से 50% अंक।

नोट: जिन विद्यार्थियों को 1994-95 में बी.कॉम. I और बी.कॉम. II में दाखिल किया गया है, वे अपना कोर्स पूरा होने तक क्रेडिटों और अंकों के संबंध में मौजूदा विनियम 2 द्वारा ही शासित होंगे।

1. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 305 पर बैचुलर ऑफ कॉमर्स(आनर्ज) के लिए विनियम 19 और इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2000-2001 के शैक्षिक सेशन से लागू किया जाए।

19. बी.कॉम. दूसरे वर्ष और बी.कॉम. तीसरे वर्ष की परीक्षा के अतिरिक्त, परीक्षार्थी निम्नलिखित पांच विषयों में से किसी एक में आनर्ज ले सकता है:

1. बिजनेस इक्नॉमिक्स
 - (i) इन्डस्ट्रियल ट्रांसपोर्ट इक्नॉमिक्स
 - (ii) इंटरनेशनल ट्रेड एण्ड फारेन ट्रेड
2. बिजनेस लॉ
 - (i) इक्नॉमिक्स एण्ड लेबर लॉ लेजिस्लेशन
 - (ii) बैंकिंग एण्ड इन्शुरेंस लेजिस्लेशन
3. बिजनेस फाइनेन्स एण्ड अकाउंटिंग
 - (i) बिजनेस फाइनेन्स एण्ड फाइनेंशियल मैनेजमेंट
 - (ii) अकाउंटिंग थ्योरी
4. बिजनेस मैनेजमेंट
 - (i) मैनेजमेंट टेक्नीक्स
 - (ii) ऑर्गेनाइजेशनल बिहेवियर
5. इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स

12. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 316 पर मास्टर ऑफ कॉमर्स परीक्षा के लिए विनियम 3(क) और इसे भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2001-2002 के सेशन से लागू किया जाए।

3. इस कोर्स के पहले सिमेस्टर में दाखिले के लिए न्यूनतम योग्यता निम्नानुसार होगी:

(क) कुल अंकों में से कम से कम 45% अंकों सहित बेचुलरज डिग्री इन कामर्स अथवा बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन; अथवा

(ख) से (छ) XXX XXX

13. पं.यू. कैलेन्डर, भाग II, 2000 के पृष्ठ 377 पर बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग परीक्षाओं के नाम में परिवर्तन और, इसे सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2001-2002 के सेशन से लागू किया जाए।

बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग इन एयरोनॉटिकल, केमिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल कम्यूनिकेशन, मकेनिकल, मेटालर्जिकल, प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इंडस्ट्रियल आर्गो प्रोसेसिंग एण्ड इन्फरमेशन टेक्नालोजी।

14. पं.यू. कैलन्डर, भाग II. 2000 के पृष्ठ 377-380 पर बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग परीक्षाओं के लिए विनियम और इन्हें सीनेट/भारत सरकार की मंजूरी/भारत सरकार की गजट में प्रकाशन की प्रत्याशा में 2002-2003 सेशन से लागू किया जाए।

1. किसी भी अनुशासन में बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग के लिए अध्यापन कोर्स की अवधि चार वर्ष होगी। अध्यापन काल को लगभग पन्द्रह पन्द्रह सप्ताह के आठ सिमेस्टर्स में बाँटा जाएगा।
2. प्रत्येक सिमेस्टर में पढ़े जाने वाले विषय परीक्षा की स्कीम के अनुसार होंगे जिनमें प्रत्येक विषय के लिए दिए जाने वाले लेक्चरों की न्यूनतम संख्या, लिखित परीक्षा, प्रेक्टिकल परीक्षा, मौखिक परीक्षा, आंतरिक मूल्यांकन, सेशनलज इत्यादि में अंकों के विभाजन का वर्णन किया जाएगा। अध्यापन और परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा।
3. किसी भी ब्रांच में पहले सिमेस्टर कोर्स में दाखिला, दाखिला-परीक्षण द्वारा किया जाएगा। इसमें वह विद्यार्थी दाखिल हो सकेगा जिसने सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकन्ड्री एजुकेशन, नई दिल्ली अथवा इसके तुल्य किसी संस्था से भौतिकी, रासायनिकी, गणित और अंग्रेजी विषयों में कुल अंकों में से कम से कम 50% अंकों सहित 10+2 परीक्षा पास की है। बशर्तेकि आरक्षण का फायदा प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा परिभाषित किए गए अनुसार अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और पिछड़ी श्रेणियों से संबंधित परीक्षार्थियों की सूची में शर्त कम से कम 45% अंकों की होगी बशर्तेकि उन्होंने विनियमों द्वारा निर्धारित न्यूनतम पास अंक प्राप्त किए हों। विदेशी नागरिकों/एन.आर. आइ./एन.आर.आइ.समर्थित परीक्षार्थियों का दाखिला सामान्य नियमों के अनुसार होगा।
4. प्रत्येक वर्ष पहले, पांचवें और सातवें सिमेस्टर की परीक्षाएं नवंबर/दिसंबर के महीने में और दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सिमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल/मई के महीने में अथवा सिंडिकेट द्वारा निश्चित तिथियों पर होंगी। इसके इलावा, सातवें और आठवें

सिमेस्टर्स के लिए अतिरिक्त परीक्षा साधारणतया प्रति वर्ष जुलाई/अगस्त के महीने में ली जाएगी।

5. अध्यापन-सूची में दर्शाए प्रत्येक विषय के लिए सिमेस्टर के दौरान में प्रत्येक सप्ताह में एक एक घंटे के कम से कम दस लेक्चर + ट्यूटोरियल/प्रेक्टिकल/ड्राइंग क्लासें होंगी।

कोई विद्यार्थी परीक्षा केवल तब ही देने के योग्य होगा जब ऊपर वर्णित क्लासों में से कम से कम 75 प्रतिशत में हाजिर रहा है। हाजिरी को केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष/संबंधित इंजीनियरिंग कालेज के प्रिंसिपल द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

6. केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष/इंजीनियरिंग कालेजों के प्रिंसिपल, यथास्थिति, केस की योग्यता के आधार पर प्रत्येक विषय में केवल 10% तक की हाजिरी में न्यूनता को माफ करने के लिए अधिकृत हैं।
7. जो परीक्षार्थी किसी विषय में हाजिरी की शर्तें पूरी नहीं करता, उसे उस विषय में अध्यापन का कोर्स दोहराना पड़ेगा।
8. परीक्षार्थी को अगले उच्चतर सिमेस्टर में दाखिल की जाने की तभी अनुमति दी जाएगी यदि उसने आनुक्रमिक क्रम में पहले सभी सिमेस्टर्स में पढ़ाई का नियमित कोर्स कर लिया हो।

9. (क) सिमेस्टर के लिए निर्धारित नियमित पेपरों के अतिरिक्त,

किसी विशेष सिमेस्टर की परीक्षा में पहली बार परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी को निम्न सिमेस्टर/सिमेस्टर्स के अधिक से अधिक 10 विषयों में परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी जिनमें से 5 थीयरी पेपर और 5 प्रेक्टिकल पेपर होंगे।

(ख) किसी परीक्षार्थी को किसी सिमेस्टर की परीक्षा देने के अधिक से अधिक चार अवसर दिए जाएंगे। ये अवसर नवंबर/दिसंबर में होने वाले ताक सिमेस्टर्स के लिए और अप्रैल/मई में होने वाले जुफ्त सिमेस्टर्स के लिए होने वाले चार आनुक्रमिक यूनिवर्सिटी परीक्षाओं में फैले होंगे। यदि कोई परीक्षार्थी किसी भी कारणवश किसी भी परीक्षा में किसी भी अवसर का उपयोग नहीं करता, उसे चार वर्ष की अवधि में छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (ग) परीक्षार्थी को उसके बी.ई. पहले सिमेस्टर में दाखिले वाले शैक्षिक सेशन से लेकर गिने गए 8 शैक्षिक वर्षों की अधिक से अधिक अवधि में बी.ई. कोर्स के सभी विषयों को निर्धारित न्यूनतम पास अंक लेकर पास करना होगा। यदि कोई परीक्षार्थी आठ वर्ष के अरसे में परीक्षा पास करने में असफल रहता है, उसकी उम्मेदवारी अपने आप ही रद्द हो जाएगी। आठ शैक्षिक वर्षों की इस अवधि में वह समय भी सम्मिलित होगा जिसमें उसने अपने आप अपनी पढ़ाई को स्थगित किया है अथवा परीक्षा में फेल हुआ है अथवा यूनिवर्सिटी द्वारा परीक्षा देने से मना किया गया है।
10. परीक्षार्थी को विषय में पास समझा जाएगा यदि वह विषय के कुल अंकों में से 40% अंक प्राप्त कर लेता है (यूनिवर्सिटी परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन दोनों को मिलाकर)। आगे बशर्तें कि यूनिवर्सिटी द्वारा ली परीक्षा में भी परीक्षार्थी को थीअरी पेपर में कम से कम 40% अंक प्राप्त करने चाहिए।

व्याख्या: आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल अंकों के लिए किन्हीं पास अंकों की आवश्यकता नहीं है।

(ख) गैर-सिद्धान्त पेपर

(i) परीक्षार्थी को गैर-सिद्धान्त विषय में पास हुआ समझा जाएगा (प्रेक्टिकल/सेमिनार/प्रोजेक्ट/वोकेशनल प्रशिक्षण इत्यादि), यदि वह निम्नलिखित न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेता है, जो वैसे स्कीम में विशेष रूप में वर्णन न किए गए हों।

(ii) परीक्षा अंकों में से 40% (यदि यूनिवर्सिटी परीक्षा निर्धारित हो); और

(iii) आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल अंकों में 50%।

फिर भी, परीक्षार्थी को यूनिवर्सिटी परीक्षा में, यदि कोई हो, सेशनल मूल्यांकन में पास होना जरूरी है।

11. (क) सिद्धान्त पेपर

यदि कोई परीक्षार्थी किसी विषय में फेल हो जाता है, उसे आगामी परीक्षा में यूनिवर्सिटी परीक्षा के केवल उसी भाग में पुनः परीक्षा देनी होगी। तो भी सिद्धान्त पेपरों के लिए आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल में किसी सुधार की व्यवस्था नहीं होगी।

(ख) गैर-सिद्धान्त पेपर

यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा में विषय के एक भाग में फेल हो जाता है, उसे आगामी परीक्षा में उसी भाग में पुनः परीक्षा देनी होगी। यदि परीक्षार्थी आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल में फेल हो जाता है, उसे विभाग अध्यक्ष की संतुष्टि के लिए फालतू काम करके आंतरिक मूल्यांकन/सेशनल में सुधार करना होगा, पर शर्त यह है कि यह सुधार केवल 50% अंकों तक ही होगा।

12.1 प्रत्येक संभव ध्यान रखने के बावजूद भी यदि सेशनल अंकों में कोई गलती पकड़ ली जाती है, तो सेशनल अंकों का अध्यापक इन्चार्ज इस तथ्य को प्रिंसिपल के नोटिस में लाएगा ताकि यह तथ्य निर्णायक-बोर्ड के सामने प्रस्तुत किया जा सके। यदि निर्णायक-बोर्ड इस परिवर्तन की अनुमति दे देता है, तब संशोधित अंक यूनिवर्सिटी को विचारार्थ प्रस्तुत किए जाएंगे जिनपर निर्णायक-बोर्ड के सदस्यों और कालेज के प्रिंसिपल के प्रतिहस्ताक्षर होंगे।

12.2 संबंधित अध्यापक द्वारा प्रस्तुत आंतरिक मूल्यांकन और सेशनल के अंकों की एक कमेटी द्वारा जांच की जाएगी जिसके पास इन अंकों को यूनिवर्सिटी को प्रस्तुत करने से पहले संशोधित करने का अधिकार होगा। यह कमेटी, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग को छोड़कर इंजीनियरिंग की विभिन्न पाठ्य-समितियों के कन्वीनरों की सिफारिशों पर यूनिवर्सिटी द्वारा नियुक्त की जाएगी। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के लिए, आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्णायकों की यह कमेटी के कार्य कंट्रोल-बोर्ड द्वारा निभाए जाएंगे। परन्तु संबद्ध कालेज का प्रिंसिपल सभी निर्णायक-बोर्डों का पदेन सदस्य होगा।

13. प्रत्येक सिमेस्टर के लिए ब्योरेवार अंक कार्ड जारी किया जाएगा। परीक्षार्थी को डिग्री के लिए निर्धारित सभी विषयों को पास करने पर बेचुलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्रदान की जाएगी।

14. मौजूदा विनियम

प्रस्तावित विनियम

श्रेणियाँ इस प्रकार प्रदान की जाएंगी:

14. कोई परिवर्तन नहीं

(क) जो कुल अंकों में 70 : आनर्ज सहित प्रतिशत अथवा अधिक अंक पहली श्रेणी

प्राप्त करते हैं

पर शर्त यह है
कि प्रत्येक विषय
पहली बार पास
किया हो (अर्थात्
जब परीक्षार्थी
वास्तव में पहली
बार उस विषय
में यूनिवर्सिटी
परीक्षा में बैठा हो)।

(ख) जो कुल अंकों में से : पहली श्रेणी

60 प्रतिशत से अधिक
परन्तु 70 प्रतिशत से
कम अंक प्राप्त करते हैं

(ग) जो कुल अंकों में से 60 : दूसरी श्रेणी

प्रतिशत से कम अंक प्राप्त
करते हैं

15. प्रत्येक सिमेस्टर की परीक्षा में पुनःपरीक्षा देने के लिए फीस समय समय
पर सिंडिकेट द्वारा निर्धारित की जाएगी।

पुनःपरीक्षा देने पर परीक्षार्थी को दाखिला-फीस देनी होगी जो सिंडिकेट
द्वारा समय समय निर्धारित की जाएगी।

चंडीगढ़ : 160014


दिनांक: 24-3-2004


(एच.सी.मल्होत्रा)

डिप्टी रजिस्ट्रार(जनरल)

मेरी उपस्थिति में आज, दिनांक: 24-3-2004
की सामान्य मुहर द्वारा मुहरबंद।

को पंजाब यूनिवर्सिटी


(परमजीत सिंह)

रजिस्ट्रार

CANARA BANK
HEAD OFFICE, BANGALORE

Bangalore, the 24th March, 2004

No. IRS:228A:6488:PS - In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of the Canara Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Canara Bank (Employees') Pension Regulations, 1995 namely :-

1. (1) These Regulations may be called Canara Bank (Employees') Pension (Amendment) Regulations, 2004

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Canara Bank (Employees') Pension Regulations, 1995

(a) In clause (b) to sub-regulation (s) of Regulation 2, after sub-clause (iii), the following sub-clause shall be inserted, namely :-

"(iv) dearness allowance calculated upto index number 1148 points in the All India Average Consumer Price Index for industrial workers in the series 1960=100 ;"

(b) In Regulation 41, for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely :-

"(6) An applicant who is authorised a superannuation pension or voluntary retirement pension or premature retirement pension or compulsory retirement pension or invalid pension or compassionate allowance shall be eligible to commute a fraction of his pension under these regulations.

Provided that on and from 01/07/2003, in case of an applicant in whose case the commuted value of pension becomes payable on the day following the date of his retirement or from the date from which the commutation becomes absolute, the reduction in the amount of pension on account of commutation shall become operative from its inception. Where, however, payment of commuted value of pension could not be made within the first month after the date of retirement or within the first month after the date when the commutation becomes absolute as the case may be, the difference between the monthly pension and the commuted pension shall be paid for the period between the date following the date of retirement or the date when the commutation becomes absolute, as the case may be, and the date preceding the date on which commuted value of pension is deemed to have been paid."

Foot Note : The Principal Regulations were published in the Gazette of India on 29/09/1995 and subsequent amendments were published in the Gazette as under :-

Sl.No.	Notification No.	Date
1	IRS G-228 9348	01/05/1999
2	IRS G-228 (corrigendum)	07/08/1999
3	IRS 228A 7795 NAK	27/04/2002
4	IRS 228A 3812 RS	30/11/2002



V V SRIDHARAN

ASSISTANT GENERAL MANAGER

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 24th March 2004

No. N-15/13/13/6/2003-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st April 2004 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Uttar Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Uttar Pradesh namely.

"Areas comprising the revenue villages, falling under the Gorakhpur Industrial Development authority (GIDA), in the revenue Pargana-Bhauwapar & Hasanpur (Maghar) in Tehsil-Sahjanwa and Sadar in the District of Gorakhpur."

R. C. SHARMA
Joint Director (P&D)

No. N-15/13/11/1/96-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the director General has fixed the 1st April 2004 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Punjab Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Punjab namely :—

Sl. No.	Name of Revenue village	Head Bast No.	Tehsil	District
1.	Fatehgarh, Channa	57	Barnala	Sangrur
2.	Dhaura	55	Barnala	Sangrur
3.	Handia	58	Barnala	Sangrur
4.	Sivian	71	Bhatinda	Bhatinda
5.	Gill kalan	40	Rampura Phul	Bhatinda
6.	Patti Darmari	193	Rampura Phul	Bhatinda
7.	Shoal	190	Rampura Phul	Bhatinda
8.	Sadhani	189	Rampura Phul	Bhatinda
9.	Kala	192	Rampura Phul	Bhatinda

R. C. SHARMA
Joint Director (P&D)

No. N-15/13/13/2/98-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the director General has fixed the 1st April 2004 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Uttar Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Uttar Pradesh namely :—

"Areas comprising the revenue villages of Dhanwa, Naubasta-Kala & Nagar Nigam Ward-Chinhath in revenue Pargana & Tehsil Lucknow and revenue village Goela in revenue Pargana Mahona, Tehsil-Bakshi Ka Talab in the District of Lucknow."

R. C. SHARMA
Joint Director (P&D)

Chandigarh, the 8th March 2004

No. 12.V.34/13/2/92-Adm.—In exercise of the powers under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950, the Chairman, Regional Board, Punjab has constituted the Local Committee consisting of the following members for Lalru area (where Chapter IV & V of the ESI Act, 1948 are already in force) with effect from the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A(1)(a)

1. Sub Divisional Magistrate, Dera Bassi

Under Regulation in 10-A(1)(b)

2. Medical Inspector,
O/o Director Health Services (SI) Pb.
Sector 34/A, Chandigarh

Under Regulation 10-A(1)(c)

3. Medical Officer Incharge,
ESI Dispensary, Dera Bassi.

Under Regulation 10-A(1)(d)

4. Sh. Naveen Sharma (Personal Manager)
M/s. Naher Fabrics Lalru.
5. Sh. Sudhir Chohan, DGM,
M/s. Rana Polycots Ltd., Lalru

6. Sh. J. P. Singh, (Personal Manager),
M/s. Gates India Ltd. (P) Ltd., Lalru

7. Sh. Garish Wadhwa, (Personal Manager),
M/s. J.C.B.L., Lalru

Under Regulation 10-A(1)(e)

8. Sh. gopal Singh, General Secretary,
Alpha Drug Union,
C/o Alpha Drug India Ltd., Lalru
9. Sh. Krishan Lalt (President),
Samrat Forging Workers Union,
Gholu Majra, Dera Bassi,
C/o Samarat Forging Ltd., Gholu Majra
10. Sh. Sandeep Kumar, Cashier,
Anand Nishikava Workers Union,
Anand Nishikava Co. Ltd., Lalru
11. Sh. Pritpal (President),
S. P. Spring Muzdoor Union Regd., Dera Bassi,
C/o S.P. Spring Ltd., Gholu Majra (Dera Bassi)

Under Regulation 10-A(1)(f)

12. The Manager, Branch Office, Member Secy.
ESI Corporation, Lalru

By Order

T. R. Gautam
Regional director

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NOTICE NO. 1-2004/G.R.

The Central Government (Ministry of Human Resource Development, Department of Education) have accorded approval vide their letter No. F. F.3-6/96-Desk (U.I.) dated 24.6.2002 to the following Regulations:-

1. **Regulation 20.1 of Chapter III(E) relating to the Conditions of Service and Conduct of Teachers in non-Government affiliated Colleges at page 195 of P.U. Calendar, Volume I, 1994.**

20.1. No teacher shall engage himself/herself directly or indirectly in any trade, occupation or business or undertake any employment by private tuition

Provided that a teacher may undertake honorary work of a purely social or charitable nature or occasional work of a literary, artistic or scientific character, subject to the condition that his official duties do not thereby suffer but he shall undertake or shall discontinue such work, if so directed by the Principal, and in the case of the Principal, if so directed by the Governing Body. Provided further that no permission shall be necessary for examination work of this University or other Indian Universities/Deemed to be Universities/Institutes of National importance including Public Service Commissions and other statutory bodies when the total emoluments accruing from such work do not exceed Rs. 10,000/- per annum, and for all examination work for which additional emoluments are expected, the previous permission of the Principal or the Governing Body as the case may be, shall be necessary.

2. **Addition to proviso to Regulation 27.2 for B.A./B.Sc. (General & Honours) examination at page 55 of the P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Gazette Notification of the Government of India.**

27.2. A candidate who is placed in compartment is eligible to join the next higher class provisionally. In case he fails to qualify the compartment subject within the two consecutive chances, his result for the higher examination will stand cancelled. For the compartment subject, he may appear as a regular student or a late college student.

Provided that a candidate for B.A./B.Sc. Part II examination who fails to qualify the compartment subject in two consecutive chances but stands passed in B.A./B.Sc. Part III examination shall be given two additional chances immediately next to the second chance availed by him. In case he fails to qualify in the compartment even in these additional chances, he shall be declared fail and his result for B.A./B.Sc. Part III examination shall be cancelled forthwith.

Provided further that a candidate for B.A./B.Sc. First Year examination who fails to qualify the compartment subject in two consecutive chances but stands passed in B.A./B.Sc. Second Year examination shall be given two additional chances immediately next to the second chance availed of by him. In case he fails to qualify in the compartment even in the additional chances he shall be declared fail and his result for B.A./B.Sc. Second Year examination shall be cancelled forthwith. Such a candidate shall not be allowed to join/appear in B.A./B.Sc. Part-III unless he passed B.A./B.Sc. Part I examination.

3. Addition to Regulations 2.1 for Master of Arts examination at pages 77-78 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to from the admissions of 1997.

2.1. The examination for the degree of Master of Arts shall be held in the following subjects and a candidate shall offer any one of them:

(i) to (xx) xxx xxx xxx

Provided that:-

- (i) a candidate shall offer Psychology or Sociology or Statistics or Fine Arts or Public Administration only if he has completed the course in an affiliated college or the University Department concerned subject to relaxation allowed for M.A. (Fine Arts) under Regulation 3.2 for private candidates;
- (ii) a candidate shall offer Geography only if he has passed in that subject in B.A. or B.Sc. examination;
- (iii) a candidate shall offer Music (Vocal) or Music (Instrumental) only if -
 - (a) he has passed in that subject, in the B.A. examination securing 45% marks, or
 - (b) is working as an approved teacher of Music in a recognized Higher Secondary School or in an affiliated college;
- (iv) a candidate shall offer Indian Classical Dance only if (i) he/she has passed that subject in the B.A. examination of Panjab University securing 45% marks in the subject of Indian Classical Dance or (ii) B.A. Degree with 50% marks in aggregate or (iii) has passed B.A. without the subject of Indian Classical Dance provided that he/she has obtained Diploma/Degree in Dance from any other University/Body, the examination of which is recognized as equivalent to B.A. standard in the subject of Indian Classical Dance by the Panjab University.

- (v) a candidate shall offer Defence & Strategic Studies only if he has passed Military Science as an elective subject or Political Science or History or Geography or Geology of B.A./B.Sc. examination.

4. Regulation 3.1 (iii) for M.A. examinations at pages 78-79 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to from the session 1996-97.

3.1. A person who has passed one of the following examinations from this University, or from the Panjab University at Lahore before 1948, or from any other University whose examination has been recognized as equivalent to the corresponding examination of this University shall be eligible to join the first year (Part I) class of the M.A. course :-

- (i) B.A. with Honours in the subject of the Post-graduate course ;
- (ii) (a) Bachelor's degree in any Faculty with at least 50% marks in the aggregate;
(b) Diploma in Physical Education examination or Post-graduate Diploma in Library Science after having passed B.A. or B.Sc.;
- (iii)(a) the B.A. (pass)/B.Sc. (pass) examination in full subjects obtaining at least 45% marks in the elective subject of the post-graduate course;
(b) or has obtained B.A. degree through English only regulation obtaining at least 45% marks in the elective subject of the Post-graduate course.

xxx

xxx

xxx

5. Regulation 17.1 at page 174 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 relating to Ph.D. degree in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science and Design & Fine Arts and given effect to in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/ Government of India/publication in the Gazette Notification of Government of India.

17.1. The thesis shall be referred to two examiners appointed by the Vice-Chancellor on the recommendations of the Chairman of the Joint Research Board out of a panel suggested By the Head of the Department/Chairman of the University Teaching Department and the Supervisor of the candidate. The Examiners may recommend:

xxx

xxx

xxx

6. **Addition to Proviso to Regulation 11.2 for B.Com. examination at page 278 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Gazette Notification of Government of India.**

11.2. A candidate who obtains 35% of the aggregate marks of all the subjects but has failed in one subject only obtaining not less than 20% marks in that subject shall be permitted to appear in that subject only at the next two consecutive examinations and if he passes at either of these examinations, he shall be deemed to have passed the examination.

A candidate to whom this concession is granted shall be eligible to join the next higher class provisionally, but if he fails to qualify in the compartment subject at the supplementary examination he shall be permitted to appear again in the subject along with the annual examination for the next year and if, he fails to qualify in the compartment subject even at the second attempt, his result of Second year or Third year as the case may be, shall be cancelled. For the compartment subject of the next annual examination, he may appear as a regular student or as a late college student.

Provided that a candidate for B.Com. Part II examination who fails to qualify the compartment subject in two consecutive chances but stands passed in B.Com. Part III examination shall be given two additional chances immediately next to the second chance availed by him. In case he fails to qualify in the compartment subject even in these additional chances he shall be declared fail and his result for B.Com. Part III examination shall be cancelled forthwith.

Provided further that a candidate for B.Com. First Year examination who fails to qualify the compartment subject in two consecutive chances but stands passed in B.Com. Second Year examination shall be given two additional chances immediately next to the second chance availed by him. In case he fails to qualify in the compartment subject even in the additional chances he shall be declared fail and his result for B.Com. Second Year examination shall be cancelled forthwith. Such a candidate shall not be allowed to join/appear in B.Com. Third Year examination unless he passed B.Com. First Year examination.

7. **Regulations 1.3, 2.2, 4.1, 5.1, 5.2 and 5.3 for Master of Laws examination at pages 330-334 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to from the session 1997-1998, in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Gazette notification of Government of India.**

1.3. The last date for receipt of examination admission form and fee with and without late fee as may be fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

2.2. A person who has passed in at least three out of four papers of the LL.M. Part I examination shall be eligible to join LL.M. Part II class.

However, if he fails to pass in at least two out of the four papers, he shall be declared as fail and he shall not be eligible for re-admission to LL.M. Part I. However, he may appear in all the four papers of LL.M. Part I examination as a private candidate subject to other relevant regulations. In case, a candidate passes at least three out of four papers, he shall be eligible to re-appear in the remaining paper as a private candidate.

4.1. The amount of examination fee to be paid by a candidate for examination for each part shall be as fixed by the University from time to time.

5.1. The examination of LL.M. Part I and II shall be held in accordance with the Syllabus prescribed by the Faculty of Law.

5.2. (a) There shall be four papers in LL.M. Part I.

(b) Each paper shall be of 100 marks.

5.3(a) There shall be three papers in LL.M. Part II having 100 marks each. In addition to these three papers, the student shall be required to submit dissertation. The dissertation shall be of 100 marks. Out of these 25 marks are assigned for viva-voce.

(b) A candidate in a particular group in LL.M. Part II examination who passes in two out of the three papers (excluding Dissertation) may be allowed to reappear in the paper in which he has failed to pass/appear within a period of five years from the date of admission to LL.M. Part I class. If he passes only in one paper of LL.M. Part II examination, he may be allowed to again appear in all the three papers of LL.M. Part II examination as a private candidate.

(c) A candidate who has failed in LL.M. Part II examination but has obtained pass marks in dissertation may, at his option, be allowed to carry forward the marks in the dissertation for a period of five years from the date of admission to LL.M. Part I class without fresh assessment of the dissertation.

8. **Change of the title and Regulation 3.1 at pages 358-359 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to from the session 1996-97.**

3.1. A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to the course for the degree of Master of Engineering:-

(vi) Bachelor of Engineering/Bachelor of Technology/B.Sc. Engineering degree with at least 50 per cent marks in the aggregate in any one of the following specializations for admission to Master of Engineering in Electronics Product Design & Technology course :-

Biomedical Engineering and Biochemical Engineering or any other equivalent specialization.

OR

Computer Science & Engineering or its equivalent.

OR

Electrical Engineering or its equivalent.

OR

Electronics and Electronics Communication Engineering or its equivalent.

OR

Electronics Instrumentation or its equivalent.

OR

(vii) Bachelor of Engineering degree in Metallurgical, Mechanical or Production Engineering with at least 50 per cent marks in the branch concerned or its equivalent examinations passed from another University in the said discipline of Engineering for purposes of admission to Master of Engineering in 'Industrial Materials and Metallurgy' course.

(viii) B.E./B.Tech. in any Branch of Engineering from P.U. or in an examination of another University as equivalent to the Panjab University for admission to Master of Engineering in Environmental Engineering.

9. **Regulation 1.3 for Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (M.B.B.S.) examination at page 377 of P.U. Calendar, Volume II, 1995.**

1.3. These examinations shall be held twice a year as follows or as decided by the Syndicate.

First M.B.B.S. 2nd week in November and
2nd week in March

Second M.B.B.S. 2nd week in May and
2nd week in September

Final M.B.B.S.
Part-I 2nd week in May and
2nd week in September.

Final M.B.B.S.
Part-II 3rd week in November and
1st week in May.

10. **Regulation 1.3 for Master of Dental Surgery (M.D.S.) at page 410 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and given effect to from the admissions of 1998.**

1.3. The Part I examination will be held after 18 months and Part II examination after 3 years in the month of May/June and November/~~December~~ or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

11. **Regulation 6.1 for B.Sc. (Honours School) examination (Annual System) and given effect to from the session 1996-97.**

6.1. A student of Honours School shall study:

- i) Major subjects
- ii) Subsidiary subjects
- iii) English (during First year)
- iv) Environmental Education - 50 marks
(during 1st year as a compulsory
qualifying paper)

Note: This is a compulsory paper which the candidates are required to pass with at least 33% marks either in the First Year or in Second/Third year of the course.

v) Punjabi (during Second year).

6.2. Each Board of Control may decide the number and type of subsidiary courses subject to the approval of Academic council.

Honours School Subsidiary Courses

Anthropology	Biochemistry, Geology, Geography, Sociology, Zoology or Botany-cum-Zoology, Economics, Mathematics, Physics, Chemistry, Microbiology, Biophysics and Computer Applications.
Biochemistry	<p>First Year:</p> <p>Chemistry, Botany-cum-Zoology, Mathematics, Physics, Microbiology, Biophysics and Computer Applications</p> <p>Second year:</p> <p>Chemistry, Biophysics, Botany, Zoology, Microbiology, Human Anatomy, Botany-Cum-Zoology and Computer Applications.</p>
Biophysics	<p>First Year:</p> <p>Botany, Zoology, Mathematics, Physics, Chemistry and Computer Applications.</p> <p>Second Year:</p> <p>Biochemistry, Physics, Microbiology, Mathematics and Computer Applications.</p>
Botany	Zoology, Chemistry, Physics, Geology, Biochemistry, Biophysics, Microbiology, Anthropology, Computer Applications and Bio-technology.
Chemistry	Physics, Botany, Geology, Zoology, Mathematics, Computer Applications and Biotechnology.
Geology	Mathematics, Physics, Chemistry, Geography, Botany, Zoology, Anthropology and Computer Applications.
Mathematics	Physics, Chemistry, Geology, Geography, Economics, Philosophy, Computational Techniques, Life Sciences and Computer Applications.
Microbiology	<p>First Year:</p> <p>Chemistry, Botany-cum-Zoology, Mathematics, Physics and Computer Applications.</p>

Second Year:

Biophysics, Biochemistry, Botany, Zoology, Anthropology and Computer applications.

Physics Mathematics, Chemistry, Botany, Zoology, Biophysics, Computational Techniques, Geology and Computer Applications.

Zoology Botany, Chemistry, Geology, Biochemistry, Biophysics, Microbiology, Anthropology, Computer Applications and Biotechnology.

12. Regulation 2.2 for M.Sc. (Hons. School) (Annual System) and be given to from the session 1998-1999.

- 2.2. A student who has passed M.Sc. (Hons.School) Part I in the subject concerned shall be eligible to join Part II (2nd year) class of that course.

Provided that a candidate who appeared in the annual examination of the 1st year M.Sc. (Hons. School), but has earned 2/3rd of the credits in the 1st year M.Sc. (Hons. School) and having no re-appear in the B.Sc. (Hons. School), be promoted to the M.Sc. (Hons. School) 2nd year provisionally.

13. Regulations for Diploma course in vocational Agriculture and given effect to from the admissions of 1997-98.

- 1.1. The duration of the course for Diploma in Vocational Agriculture shall be one academic year.
- 1.2. The examination for the course shall be held once a year, ordinarily in the month of April/May or on such other dates as may be fixed by the Syndicate.
- 1.3. The date of examination and the last date for receipt of admission form with requisite fee as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.
2. A candidate who has passed +2 examination conducted by the recognized Board/University/Council or an equivalent certificate recognized by the Panjab University for admission to B.Sc. (Honours School) of the Panjab University shall be eligible to join the course.
3. The admission to the course shall be on the basis of an entrance test and/or other procedures laid down by the Syndicate from time to time.
4. The examination shall be held in accordance with the syllabi approved by the Faculty from time to time.

5. A person who possesses the qualifications as laid down in Regulation 2 and produces the following certificates signed by the Chief Co-ordinator/Principal concerned shall be eligible to appear in the examination:
 - (a) a good character;
 - (b) of having been on the rolls of the Department concerned/College during the academic year preceding the examination;
 - (c) of having attended not less than 66% of lectures delivered to the class in each theory paper and practicals separately.
6. There shall be Board of Studies in Vocational Agriculture nominated by the Syndicate. In the case of the course run in the Departments of the University, the Chief Co-ordinator and executive Co-ordinator will be appointed by the Vice-Chancellor and for the colleges, the Principal of the college will do so. The Chief Co-ordinator will be assisted by the course Co-ordinators from different departments of the University/College running the course.
7. A deficiency in the required number of lectures may be condoned on the recommendation of the Chief Co-ordinator/Principal concerned.
 - (a) up to 5% by the Committee of the Co-ordinators
 - (b) up to 10% by the DUI/Principal
 - (c) up to 15% by the Vice-Chancellor
8. The medium of examination shall be English or Hindi or Panjabi.
9. The minimum number of marks to pass the examination shall be 40% in each written paper, practical, viva-voce and sessional.
10. The result of the candidate shall be either pass or fail only. However, in exceptional cases (e.g. on medical ground) the Board of Studies may allow re-examination in not more than one paper. The examination shall be allowed at the time of the next regular examination. No special examination will be held.
11. Successful candidates shall be classified as under:
 - (a) those who obtain 75% or more of the aggregate marks - First division with Distinction.
 - (b) those who obtain 60% or more but less than 75% of the aggregate marks - First Division

- (c) those who obtain 50% or more but less than 60% of the aggregate marks. - Second Division
 - (d) those who obtain less than 50% but not less than 40% of the aggregate marks. - Third Division
12. The Controller of Examinations shall publish the result of the examination four weeks after the termination of the examination or as soon as possible.
13. Each successful candidate shall be granted a Diploma showing the division in which he has passed together with the marks obtained by him and the aggregate marks.
- 14(i) Regulations for (Two-Year Master of Mass Communication Course) (Effective from the session 1997-98).**
- 1.1. The duration of the course for the Master of Mass Communication (MMC) shall be two academic years.
 - 1.2. This shall be a full-time course.
 - 1.3. The examination for the M.M.C. course shall be held in two parts, Part-I at the end of the course of first year and Part-II at the end of the second year.
 - 1.4. The examination in Parts I and II shall be held annually ordinarily in the month of April on the dates fixed by the Syndicate.
 - 1.5. The last date for receipt of examination admission form with and without late fee fixed by the Syndicate shall be notified to the Head of the Department of Mass Communication.
 - 1.6. The date of examination as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations to the Head of the Department of Mass Communication.
 - 2.1. Admission to the course shall be made on the basis of an entrance test to be conducted by the University according to the rules framed by the Syndicate. The entrance test shall consist of a written test, group discussion and interview.
 - 2.2. A candidate who –
 - (a) is a graduate of Panjab University;
 - OR
 - (b) possesses a qualification of another university recognized as equivalent to (a) shall be eligible to take the entrance test for the MMC course.

3. The examination in Part I shall be open to a student who-
- (i) has been on the rolls of the Department of Mass Communication MMC course during the Academic year preceding the examination;
 - (ii) produces the following certificates duly signed by the Chairperson/Head of the Department of Mass Communication:
 - (a) of good character;
 - (b) of having attended not less than 66 per cent of the lectures in each paper delivered to the class during the academic year preceding the examination;
 - (c) of having obtained at least 25 per cent marks in internal assessment (marks to be awarded by the teachers on the basis of Internal Assessment tests/practical assignments carried out by a student up to the end of March of the academic year).
- 4.1. A student who has passed the Part-I examination by securing 40 per cent marks in each paper and 50 per cent in the aggregate shall be eligible to join second year (Part-II) of the M.M.C. course.
- 4.2. A candidate who obtains 50 per cent of the aggregate marks in Part I, but fails in one paper only, obtaining not less than 25 per cent of the marks in that paper, shall be eligible for admission to the second year (Part II) class. However, such student shall have to clear the paper in which he/she had failed in the Part-I examination.
5. The examination in Part II shall be open to a student who has passed the Part I examination as laid down in Regulation 4.1 or Bachelor of Mass Communication or is eligible under Regulation 4.2, and
- (i) has been on the rolls of the second year (Part II) class of MMC during the academic year preceding the examination;
 - (ii) produces the following certificates duly signed by the Chairperson/Head of the Department of Mass Communication;
 - (a) of having attended not less than 66 per cent of the lectures in each paper delivered to the class during the academic year preceding the examination;
 - (b) of having obtained at least 25 per cent marks in Internal Assessment (marks to be awarded by the teachers on the basis of class tests/practical assignments carried out by a student up to the end of March of academic year).

- 6.1. The Chairperson/Head of the Department shall have the authority to condone up to a maximum of 10% of the lectures delivered, tutorials and/or practical classes or seminars held, separately in each course, in Parts I and II for reasons to be recorded.
- 6.2. A student who, having attended the prescribed number of lectures, but does not appear at the examination or having appeared at the examination, has failed, may be permitted at the examination, as a private candidate, within a period of three years after completing the part concerned of the course.
7. The amount of examination admission fee to be paid by a candidate shall be prescribed by the Syndicate from time to time.
8. The medium of examination shall be English/Hindi/Panjabi.
9. The examinations for Parts I and II shall be held according to syllabi and courses for reading prescribed by the Faculty.
- 10.1. The minimum marks required to pass the MMC Course examination shall be 40 per cent in each paper and 50 per cent in the aggregate of each of Parts I and II.
- 10.2. Successful candidates who obtain 60 per cent of the marks or more in aggregate shall be placed in the first division and all others in the second division.
- 10.3. A candidate who obtains 50 per cent of the aggregate marks in each of Parts I and II, but fails in one paper only, obtaining not less than 25 per cent of the marks in the paper may, at his option, be admitted to a subsequent examination or examinations in that paper and if he passes in that paper, he shall be deemed to have passed the examination provided that such a candidate shall have to clear the compartment paper within three consecutive examinations from the date of his first failing in that paper.
- 10.4. Four weeks after the termination of the examination or as soon thereafter as possible, the Controller of Examinations shall publish the result of the Examination.
- 10.5. Each successful candidate shall be granted a degree stating the division in which he/she has passed.

- (ii) **Deletion of Regulations for One-Year Bachelor of Mass Communication and One-Year Master of Mass Communication courses given at pages 71-72 and 158-159 of Panjab University Calendar, Volume II, 1995.**

15. Regulations for-

- (i) **M.Tech. (Instrumentation) for Regular students (effective from the admissions of 1996-97)**
 - (ii) **M.Tech. (Instrumentation) for in-service candidates (effective from the admissions of 1996-97).**
 - (i) **M.Tech. (Instrumentation) for Regular students (effective from the admissions of 1996-97).**
1. The duration of the course for the degree of M.Tech. (Instrumentation) for regular candidates shall be of three semesters (18 months). The maximum period in which such a candidate must qualify for the degree shall be four academic years, failing which he shall not be allowed to continue his studies for the course.
- 2.1. A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to M.Tech. (Instrumentation) course.

B.E./B.Tech. or equivalent degrees in Chemical or Computer or Electrical or Electronics or Mechanical or Production or Instrumentation Engineering or M.Sc. in Physics or Electronics (as approved by AICTE) with minimum 50% marks in aggregate.
- 2.2. Admission will be on the basis of an Entrance Test.
- 2.3. A candidate who has passed A & B Sections of Institution of Engineers (Calcutta) Examination of I.E.T.E. Graduate Examination (conducted by the Institution of Electronics & Telecommunication Engineers, New Delhi), AMIE/AMII/CHE with at least 50% marks may be admitted to M.Tech.(Instrumentation) Course provided that he has passed the entrance test.
- 3.1. The examination for the degree of M.Tech. (Instrumentation) shall have two semesters in a year. The examination for each semester shall be held in December/January and May/June on dates fixed by the Syndicate.
- 3.2. The last dates for receipt of examination admission forms and examination fees without and with late fee shall be fixed by the Syndicate.
- 3.3. The dates fixed by the Syndicate in accordance with Regulations 3.1 and 3.2 shall be notified by the Controller of Examinations.

- 3.4. A student who has remained on the rolls of the University Department in M.Tech. (Instrumentation) branch for the academic term of the semester concerned and produces following certificates signed by the Head of the University Department or by the Principal of the College, as the case may, shall be eligible to appear in the examination in that semester:
- (i) of good character;
 - (ii) of having attended for each subject, not less than 75% of the lectures and 75% of the total sessional work, in tutorials, design laboratory work and seminars and of having acquitted himself creditably in all the exercises or periodical examination conducted by the University Department or the College, as the case may be, from time to time.
4. A deficiency in the required number of lectures and practicals may be condoned up to 10 per cent by the Head of the University Department/Principal of the College, as the case may be.
5. The amount of admission fee to be paid by the candidates shall be as prescribed by the Syndicate from time to time.
- 6.1. Every candidate shall be required to offer for examination:
- (a) 10 theory papers out of the list approved by the Faculty of Engineering & Technology from time to time – Selection to be made on the advice of the Head of the Department/Principal provided that no candidate shall be allowed to qualify in more than five papers at the end of the first semester of the first year of the course and not more than ten papers (including the papers passed in the first semester) at the end of the first year of the course;
 - (b) a thesis, of which four neatly typed or printed copies properly bound, shall be submitted to the University.
- 6.2. The Medium of Instruction and Examination shall be English.
- 7.1. The candidate shall prepare his thesis under the supervision of the teacher concerned in the University/Department/College/Collaborating Institution and a Joint Supervisor from any other Institution. If however, the Head of the Department/Principal is satisfied that facilities for preparing the thesis exist elsewhere, he may allow that candidate to prepare his thesis there and this period shall count towards the requirement for the M.Tech. (Instrumentation) but the candidate shall spend for completing his thesis, a minimum period of four weeks under the direct supervision of his teacher, or the Head of the Department.

7.2. The thesis shall present an orderly and critical exposition of the existing knowledge of the subject or shall embody results of the original investigations and shall demonstrate the capacity of the candidate to do independent research work. While writing the thesis, the candidate shall lay out clearly the work done by him independently and the sources from which he has obtained other information contained in the thesis.

7.3. The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the third semester of the course provided that he has appeared in all theory papers up to the third semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 10 theory papers. In case the candidate's thesis is rejected or he is unable to complete the thesis in the third semester he will be allowed two more years at the maximum for submission of thesis or its revision.

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding two years may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department as the case may be.

7.4. There shall be a viva-voce test on the subject matter of the thesis. The examiners may, if they consider it necessary, also require the candidate to undergo a written and/or a practical test.

8.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be:-

- (a) 40 per cent in each theory paper;
- (b) 50 per cent in the sessional part of each paper.

Both the theory examinations and sessional examinations will be considered independent of each other. Aggregate pass percentage will be 50%.

8.2. Subject to Regulation 1 a candidate who has failed in any paper/s may be allowed to reappear in any subsequent examination to pass the examination in that paper on the payment of requisite admission fee per paper in each semester examination subject to a maximum of amount prescribed by the Syndicate for the examination concerned and admission fee charged for other semester examination, if any, in which he/she was appearing provided that such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.

9. Successful candidates shall be classified as under :-

- (a) Those who obtain 75% or more of the aggregate : Pass with distinction marks and in the sessional at least fifty per cent marks in each theory paper and also if the thesis has been adjudged to merit distinction, provided that the candidate concerned has cleared the

examination in each paper at the first attempt(i.e. the first time when a candidate actually takes the University examination in the concerned paper)

- (b) Those who pass all the theory papers and the : Pass sessional, but are not entitled to be classified as having been placed in Pass with distinction

10. Four weeks after the termination of each semester examination or as soon as possible, the Controller of Examinations shall publish the result. Every successful candidate shall receive a certificate of having passed that semester of the examination. A candidate who has passed all the semester examinations shall be awarded the degree in accordance with Regulations.
11. A person, who has passed in all the theory papers but has not completed the thesis, shall be granted Post-graduate Diploma in Instrumentation.

(ii) Regulations for M.Tech. (Instrumentation) for in-service candidates (effective from the admissions of 1996-97)

1. The duration of the course for the M.Tech. (Instrumentation) examination in the case of a candidate who joins as a whole time teacher in the University Department or a College affiliated to the University in the Faculty of Engineering & Technology or a working engineer in a Department Industry Laboratory within the jurisdiction of the University shall be a minimum of two academic years. The maximum period in which such candidate must qualify for the degree shall be four academic years, failing which he shall not be allowed to continue his studies for the course. Provided that this limit shall not apply to the thesis for which the maximum period allowed shall be two years as given in Regulation 7.3 after completing the theory papers.
- 2.1. A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to M.Tech. (Instrumentation) course:
- B.E./B.Tech. or equivalent degrees in Chemical or Computer or Electrical or Electronics or Mechanical or Production or Instrumentation Engineering or M.Sc in Physics or Electronics (as approved by AICTE) with Minimum 50% marks in the aggregate.
- 2.2. Admission will be on the basis of Entrance Test.
- 2.3. A whole time teacher of University Department or a College affiliated to the University for the M.Tech. (Instrumentation) degree course or an Engineer working in the Department/Industry/Laboratory within the territorial jurisdiction of the University may be allowed to join the course as per the normal procedure for admission as for regular students.

- 2.4. A candidate who has passed A & B Sections of Institution of Engineers (Calcutta) examination of I.E.T.E. Graduate examination (conducted by the Institution of Electronics & Telecommunication Engineers, New Delhi), AMIE/AMII/CHE with at least 50% marks may be admitted to M.Tech (Instrumentation) course.
- 3.1. The examination for the degree of M.Tech. (Instrumentation) shall have two semesters in a year. The examination for each semester shall be held in December/January and May/June on dates fixed by the Syndicate. A candidate shall be allowed to appear in five papers in a year of two semesters.
- 3.2. The last dates for receipt of examination admission forms and examination fees without and with late fee shall be fixed by the Syndicate.
- 3.3. The dates fixed by the Syndicate in accordance with Regulations 3.1 and 3.2 shall be notified by the Controller of Examinations.
- 3.4. A student who has remained on the rolls of the University Department in M.Tech. (Instrumentation) branch for the academic term of the semester concerned and produces the following certificates signed by the Head of the University Department or by the Principal of the College, as the case may, shall be eligible to appear in the examination in that semester:-
- (i) of good character;
 - (ii) of having attended for each subject not less than 75% of the lectures and 75% of the total sessional work, in tutorials, design laboratory work and seminars and of having acquitted himself creditably in all the exercises or periodical examination conducted by the University Department or the College, as the case may be, from time to time.
4. A deficiency in the required number of lectures and practicals may be condoned up to 10 per cent by the Head of the University Department/Principal of the College, as the case may be.
5. The amount of admission fee to be paid by the candidate shall be as prescribed by the Syndicate from time to time.
- 6.1. Every candidate shall be required to offer for examination:
- (a) 10 theory papers out of the list approved by the Faculty of Engineering & Technology from time to time – Selection to be made on the advice of the Head of the Department/Principal, provided that he shall register himself for the first semester examination before beginning to attend the lectures and sessional work etc. He shall, however, not be allowed to study for more than three theory papers in any semester subject to a maximum of five

theory papers during one academic year. Such a candidate shall not be allowed to enrol himself during the period of the course.

- (b) A thesis, of which four neatly typed or printed copies properly bound, shall be submitted to the University.

- 6.2. The medium of instruction and examination shall be English.
- 7.1. The candidate shall prepare his thesis under the supervision of the teacher concerned in the University/Department/College/Collaborating Institution and a joint Supervisor from any other Institution. If however, the Head of the Department/Principal is satisfied that facilities for preparing the thesis exist elsewhere, he may allow that candidate to prepare his thesis there and this period shall count towards the requirement for the M.Tech. (Instrumentation) but the candidate shall spend for completing his thesis, a minimum period of four weeks, under the direct supervision of his teacher, or the Head of the Department.
- 7.2. The thesis shall present an orderly and critical exposition of the existing knowledge of the subject or shall embody results of the original investigations and shall demonstrate the capacity of the candidate to do independent research work. While writing the thesis, the candidate shall layout clearly the work done by him independently and the sources from which he has obtained other information contained in the thesis.
- 7.3. The thesis shall be submitted by a whole-time teacher or an engineer working in the Department/Industry/Laboratory at any time during the fifth semester of the course provided that he has appeared in all the theory papers up to the fourth semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 10 theory papers. In case the candidate's thesis is rejected or he is unable to complete the thesis in the sixth semester he will be allowed 2 more years at the maximum for submission of thesis or its revision. Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding one year may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendations of the Principal/Head of the Department, as the case may be.
- 7.4. There shall be a viva-voce test on the subject matter of the thesis. The examiners may, if they consider it necessary also require the candidate to undergo a written and/or a practical test.

8.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be:-

- (a) 40 per cent in each theory paper.
- (b) 50 per cent in the sessional part of each paper.

Both the theory examinations and sessional examinations will be considered independent of each other. Aggregate pass percentage will be 50%.

8.2. Subject to Regulation 1 a candidate who has failed in any paper/s may be allowed to reappear in any subsequent examination to pass the examination in that paper on the payment of requisite admission fee per paper in each semester examination subject to a maximum of amount prescribed by the Syndicate for the examination concerned and the admission fee charged for other semester examination, if any, in which he/she was appearing provided that such a candidate shall not be placed in the category of 'pass with distinction'.

9. Successful candidates shall be classified as under:-

- (a) Those who obtain 75% or more of the aggregate marks of all the theory papers and the sessional and also if the thesis has been adjudged to merit distinction. Provided that the candidate concerned has cleared the examination in each subject at the first attempt (i.e. the first time when a candidate actually takes University examination in the concerned subject). : Pass with distinction
- (b) Those who pass in all the theory papers and the sessional but are not entitled to be classified as having been placed in 'Pass with distinction'. : Pass

10. Four weeks after the termination of each semester examination or as soon as possible, the Controller of Examinations shall publish the result. Every successful candidate shall receive a certificate of having passed that semester of the examination. A candidate who has passed all the semester examinations shall be awarded the degree in accordance with Regulation 9.

11. A person, who has passed in all the theory papers but has not completed the thesis, shall be granted Postgraduate Diploma in Instrumentation.



(H.C. Malhotra)
Deputy Registrar (General)

CHANDIGARH -160014

Dated : 24-3-2004

Scaled in my presence with the common Seal of Panjab University, this day 24-3-2004, 2004.



(Paramjit Singh)
Registrar

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH**NOTIFICATION NO. 2-2004/G.R.**

The Central Government (Ministry of Human Resource Development, Department of Secondary & Higher Education, New Delhi), have accorded approval vide their letter No. F.2-8/2000-Desk (U) dated 17.7.2003 to the following Regulations:

1. Postgraduate Diploma in Health, Family Welfare and Population Education (Effective from the admissions of 1996).

1. The duration of the course of instruction for the Postgraduate Diploma in Health, Family Welfare and Population Education, shall be one academic year.
1. The examination shall ordinarily be held in the month of May or on such dates as may be fixed by the Syndicate.
2. The last date for receipt of examination admission forms with and without late fee shall be fixed by the Syndicate.
3. The examination fee to be paid by the candidate shall be as prescribed from time to time.
4. The admission to the course shall be open to any person who has obtained the Bachelor's degree of the Panjab University or any other qualification recognized as equivalent there to.
5. Every student admitted to the Diploma Course shall be on the rolls of the Department of Correspondence Studies and shall pay such fee(s) to the University as the Syndicate may prescribe from time to time.
6. There shall be an Advisory Committee for the Department of Correspondence Studies which will be appointed by the Vice-Chancellor every alternate year. This will function as Board of Studies. It will include the Chairman of the Department of Correspondence Studies and 4-5 members, one each from the major department to be nominated by the Vice-Chancellor.
7. Every candidate shall be examined in the subject as laid down in the syllabus, prescribed from time to time.
8. The medium of examination shall be English or Panjabi or Hindi.

9. The examination shall be open to a student whose name has been sent by the Chairman of the Department of Correspondence Studies and who:
 - (i) has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies, during the academic year preceding the examination, and
 - (ii) has sent at least 60% of the response sheets to the Department of Correspondence Studies, for evaluation.
10. A candidate who has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies and fails to appear or having appeared fails in the examination, may be allowed to continue his enrolment for a period of two years immediately succeeding the year in which he completed the course on payment of continuation fee every year as may be prescribed from time to time in addition to the examination fee, and to appear in the examination as an ex-student of the Department of Correspondence Studies.
11. The minimum number of marks required to pass the examination shall be (i) 35 per cent in each paper in the University examination.
12. Grace marks shall be given in accordance with the University Regulations.
13. A candidate who obtains 35 per cent of the aggregate number of marks in all the papers but fails in one paper only, obtaining not less than 25 per cent of the marks in that paper, may be admitted to the supplementary examination in that paper to be held in the month of September/October of the same year, or if he fails to pass or present himself for that examination, then at the next annual examination. If he obtains 35 percent or more marks in that paper in the University examination, he shall be declared to have passed the examination.
14. Such a candidate shall be required to pay admission fee for the whole examination and shall not be eligible for a prize or a medal. A candidate, who fails to pass or to appear in the two chances allowed, shall be declared to have failed in the whole examination and must appear in all the papers if he desires to take examination again.
16. A candidate who fails to qualify in this examination in three consecutive examinations shall not be allowed to continue his studies in the course.
17. Successful candidates securing 60 per cent or more of the aggregate number of marks shall be placed in the first division, those who secure 50 per cent or more but less than 60 per cent shall be placed in the second division, and those who having passed secure less than 50 per cent shall be placed in the third division.

18. Four weeks after the termination of the examination or as soon thereafter, as possible, the Controller of Examinations shall publish a list of candidates who have passed, showing the division in which they have passed.
 19. Each successful candidate shall be granted a Post-graduate Diploma in Health, Family Welfare and Population Education showing the division in which he has passed.
2. **Regulations for Master of Finance & Control (M.F.C.) Course (Effective from the admissions of 1996).**
1. The duration of course leading to the Degree of Master of Finance & Control shall be two academic years and the examination shall consist of two parts, viz. Part I at the end of course of first year and Part II at the end of course of second year. Examination for each part shall ordinarily be held once a year in the month of April/May or on such dates as may be fixed by the Syndicate and notified by the Controller of Examinations.
 - 2.1. Every candidate shall pay his/her examination fee (at the time of admission to the course) along with other charges, i.e. tuition fee etc. with and without late fee as may be fixed by the Syndicate.
 - 2.2. The Chairman of the Department of Correspondence Studies shall forward to the Controller of Examinations a list of students who have satisfied the requirements of regulations and are qualified to appear in the examination before or on the last date prescribed as may be fixed by the Syndicate from time to time and notified by the Controller of Examinations.
 3. The minimum qualification for admission to Part I of the course through correspondence shall be:-
 - a) A graduate in Commerce or Business Administration with not less than 45% marks in the aggregate;
OR
 - b) A graduate (other than mentioned in 3(a) above) with not less than 50% marks in the aggregate;
OR
 - c) A Postgraduate in any discipline with not less than 45% marks;
OR
 - d) A pass in the final examination conducted by the (i) Institute of Chartered Accountants of India or Institute of Chartered Accountants in England and Wales, or (ii) Institute of Costs and Works Accountants of India or Institute of Cost and Management Accountants incorporated by Royal Charter, London, or (iii) Institute of Company Secretaries of India;
OR

- e) AMIE with not less than 50% marks.
4. The medium of instruction and examination shall be English.
5. Every candidate shall be examined in the subjects as laid down in the syllabus prescribed from time to time. Every candidate shall be required to submit two response sheets for each paper. Each response sheet shall be evaluated, out of 10 marks. These 20 marks in each paper shall constitute the Internal Assessment. The written examination in each paper shall carry 80 marks.

The Chairman, Department of Correspondence Studies shall forward these Internal Assessment marks to the Controller of Examinations at least two weeks before the commencement of the examination.

Note: It shall be the sole responsibility of the candidate to ensure the receipt of response sheets by the stipulated date to be fixed by the Chairman of the Department of Correspondence Studies each year.

6. The Chairman of the Department of Correspondence Studies will preserve the record on the basis of which the Internal Assessment Awards have been prepared for inspection if needed by the University, up to six months from the date of declaration of the result.
- 7.1. The Part I examination shall be open to a candidate who either has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies during one academic year preceding the Part I Examination,

OR

has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies during any of the two previous academic years provided he/she is covered under the Re-appear Regulation 9 and has paid the prescribed continuation fee every year as an ex-student of the Department of Correspondence Studies.

- 7.2. The Part II examination shall be open to a candidate who either has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies during one academic year preceding the Part II examination after passing Part I examination.

OR

has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies during any of the two previous academic years provided he/she is covered under the Re-appear regulation 9 and has paid the prescribed continuation fee every year as an ex-student of the Department of Correspondence Studies.

- 8.1. The minimum number of marks to pass the examination in each part shall be:-
- (i) 35% in each paper in the University examination separately as well as jointly with the internal assessment, and
 - (ii) 50% in the aggregate.
- 8.2. Grace marks shall be given @ 1% of the aggregate marks of the University examination in each part. A candidate may avail of the grace marks either in the aggregate or in one or more paper as may be to his advantage. The grace marks, shall, however, be given only for passing the examination or for earning the higher divisions and not for passing the examination with distinction.
- 9.1. A candidate who fails in the Part I Examination but has secured in not less than 3 papers at least 35% marks separately as well as jointly with the internal assessment and at least 50% of aggregate marks shall be permitted to continue his studies for Part II but he will be required to re-appear in the supplementary examination held in the month of September/October of the same year in such paper/s in which he had failed in the April/May Examination.
- 9.2. A candidate who fails in the Part I examination but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with the internal assessment in all the papers but fails to get 50% marks in the aggregate shall have the option to re-appear in not more than three papers in the supplementary examination to be held in the month of September/October of the same year and shall be permitted to continue his studies for Part II.
- 9.3. A candidate who fails in the Part II examination but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with the internal assessment and at least 50% of aggregate marks in not less than three papers shall be allowed to reappear in the supplementary examination held in the month of September/October of the same year in such paper/s in which he has failed in the April/May examination.
- 9.4. A candidate who fails in the Part II examination but has secured at least 35% marks separately as well as jointly with the internal assessment in all the papers but fails to get 50% marks in the aggregate shall have the option to reappear in not more than three papers in the supplementary examination to be held in the month of September/October of the same year.

Note: i) A candidate who fails to pass Part I examination in three consecutive years shall be required to leave the course.

ii) A candidate who fails to pass Part II examination in three consecutive years but has passed Part I examination may be given a special chance and allowed to appear in the next regular examination without attending the course on the recommendation of the Chairman of the

Department of Correspondence Studies and on payment of prescribed continuation fee.

- iii) A candidate who fails to pass Part II examination even after availing the special chance shall be required to leave the course.
10. The internal assessment awards of a candidate who fails in the examination shall be carried forward to the next examination.
11. As soon as possible after the termination of the examination, the Controller of Examinations shall publish a list of the candidates who have passed.
12. Successful candidates shall be classified as under:
- i) Those who obtain 75% or more marks in the aggregate in Part I and Part II examinations taken together : First Division with distinction
 - ii) Those who obtain 60% or more marks in the aggregate but less than 75% marks in the Part I and Part II examinations taken together. : First Division
 - iii) Those who obtain below 60% of the aggregate marks in Part I and Part II examinations taken together. : Second Division

3. Regulations for Master of Arts (Education) of P.U. Calendar, Volume II.

- 1.1. The duration of the course for the degree of Master of Arts (Education) shall be two years.
- 1.2. A person who has passed one of the following examinations from this University or from any other University whose examination has been recognized as equivalent to the corresponding examination of this University shall be eligible to join the First Year (Part I) class of the M.A. course:
- (i) A graduate with Honours in Education;
 - (ii) A graduate (Pass) with at least 45% marks in Education;
 - (iii) A graduate with Honours in Philosophy or Sociology or Psychology with 45% marks in aggregate or Post-graduation in these subjects;
 - (iv) A graduate with 50% marks in aggregate in the subjects other than the above;
 - (v) A graduate with B.Ed.

- 2.1. The examination shall consist of two parts viz. Part I and Part II. The examination for each part shall be held once a year ordinarily in the month of April or on such dates as may be fixed by the Controller of Examinations.
- 2.2. The last date for receipt of examination/admission forms with and without late fee as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.
- 2.3. A student who possesses the qualification laid down in Regulation 2.1 and has been on the rolls of the University Department of Education for one academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the Department, shall be eligible to appear in Part I examination:
- 2.4. (a) of having attended at least 66% of the full course of :-
- (i) lectures delivered;
 - (ii) practicals conducted;
 - (iii) seminars held separately for each paper during the academic year.
- 3.1. A student who has passed M.A. (Education) Part I examination of the Panjab University shall be eligible to join the Part II class.
- 3.2. A student who has passed M.A. Part I examination for the degree of Master of Arts (Education) from the Panjab University, not more than 3 years preceding the examination, and has been on the rolls of the University Department of Education for one academic year preceding the examination and produces the following certificates signed by the Head of the Department, shall be eligible to appear in Part II examination:
- (a) of having attended at least 66 % of the full course of (i) lectures delivered (ii) Practical conducted (iii) Seminars held separately for each paper during the academic year.
- 3.3. A deficiency in lectures, practicals and seminars may be condoned as under:-
- (i) by the Head of the Department of the University/ Principal of a College, if the deficiency is up to 15 %.
 - (ii) by the Syndicate, if the deficiency is more than 15% but not more than 30%.
- 3.4. The dissertation on such a subject as is approved by the Board of Studies in Education on the recommendation of the Head of the Department shall be compulsory in Part II.
4. The amount of examination/admission fee to be paid by a candidate shall be as fixed by the Syndicate from time to time.

5. A person who has completed the prescribed course for Part I/II Examination, in the University Department of Education, has failed or has failed to appear in the examination, may be allowed to appear in Part I/II examination within three years from the date of completion of the course.
6. The medium of examination shall be in accordance with the Rules of the University for all M.A./M.Sc. examinations.
7. A candidate shall be allowed to take partial re-examination in one paper only of M.A. Part I/II, if he obtained an aggregate of at least 45% marks in the remaining papers. For the purpose of clearing the papers in which he has failed or could not appear, he shall be given two consecutive chances. A candidate shall be required to obtain 33% marks in order to clear the paper as of partial examination.

Provided further that a candidate for M.A. Part I examination who is allowed to take partial re-examination in one paper shall be eligible to join M.A. Part II class provisionally subject to his clearing the re-examination in next two consecutive chances, failing which his candidature and result for M.A. Part II examination shall stand cancelled.

- 8.1. Successful candidates shall be classified as under on the combined marks of Part I and Part II examinations taken together:-

- (a) those who obtain 60% or more of the aggregate marks : First division
- (b) those who obtain 50% or more but less than 60% of the aggregate marks : Second Division
- (c) Those who obtain less than 50% of the aggregate marks : Third division

- 8.2. Each successful candidate of Part I shall receive a certificate of having passed in that part of the examination.

- 8.1. Each successful candidate of Part II shall be granted degree in which the division obtained by him shall be stated.

Special Provision

- 9.1. A candidate who has qualified for the award of the M.A. Degree in Education from the Panjab University may be allowed to reappear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of five years from the date of his passing the M.A. examination. Improvement will not, however, be allowed in dissertation/thesis, viva-voce and practicals. The candidate will be charged an admission fee prescribed for the examination by the University.
- 9.2. A person who is allowed to reappear in the examination under this regulation may reappear in both Part I and Part II examinations simultaneously or Part I and Part II, or both the parts, he must complete the examination within a period of five years from passing in the third division.
- 9.3. Marks obtained in Part I or Part II at the time of obtaining third division may be carried forward and combined with the other part for purpose of improving the division.
- 9.4. A person who chooses to appear in both the parts separately but finds that he has improved the division even with the marks of one part may not reappear in the other part.
- 9.5. The result of such a candidate shall be declared only if he improves the division.

3. Regulations for Master of Education (M.Ed.) (Correspondence Studies).

- 1.1. The duration of the course for the degree of Master of Education (M.Ed.) Correspondence shall be one year.
- 1.2. A person who possesses one of the following qualifications shall be eligible to join the course :
 - (a) a degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Education of this University;
 - (b) a degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Teaching of this University;
 - (c) a degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Education (Basic) of this University;
 - (d) A degree in any Faculty and also the degree of Bachelor of Education (Yoga) of this University;

- (e) A degree in any Faculty and also the Postgraduate Senior Basic Trained Teachers Diploma of the Panjab University Education Department before 1956;
- (f) Any other qualifications recognized by the Syndicate as equivalent to (a), (b), (c) or (d).

- 1.3. M.Ed. course shall be open only to the in-service teachers with two years paid work experience who are teaching in a school recognized by a Board of School Education established by law or in a College affiliated to or recognized by a University.

Provided that Part-time experience shall also be counted towards teaching experience, if the teaching was done as paid teaching and the teacher is working at the time of admission (in-service).

- 2.1. The examination shall be held once a year ordinarily in the month of May or on such dates as may be fixed by the Syndicate.
- 2.2. The last date for receipt of examination admission form and fee without late fee and with late fee to be paid by the candidate as fixed by the Syndicate from time to time shall be notified by the Controller of Examinations.
- 3.1. A student who possesses the qualifications laid down in Regulations 1.2 and 1.3 and is admitted to M.Ed. Course shall be on the rolls of the Department of Correspondence Studies and shall pay fee(s) to the University as the Syndicate may prescribe from time to time.
- 3.2. Every candidate will be examined in the subjects as laid down in the syllabus, prescribed from time to time. The examination will be open to the student whose name has been sent by the Chairperson/Coordinator of the Course in the Department of Correspondence Studies and who :
 - (i) has been on the rolls of the Department of Correspondence Studies during one academic year preceding the examinations; and
 - (ii) has sent at least 66% of the response sheets to the Department of Correspondence Studies for evaluation and has secured not less than 30% of the maximum marks in assignments.
- 3.3. A student enrolled in the Department of Correspondence Studies who has not been able to appear in the examination or has appeared but has failed, may be allowed to continue his enrolment with the Department of Correspondence Studies for a period of three years immediately after the academic session during which he was first enrolled. For this purpose, he shall pay the Continuation Fee every year as may be fixed by the Syndicate from time to time. Such a candidate

shall be allowed to appear in the examination for the next three consecutive years as an ex-student of the Department of Correspondence Studies.

4. A candidate who is unable to qualify in the examination within four consecutive chances shall not be admitted to the examination nor allowed to appear as a late student of the Department of Correspondence Studies.
- 5.1. The medium of examination for all papers shall be English.
- 5.2. The examination shall be held according to the syllabus approved by the appropriate University bodies.
6. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 33 per cent in each paper and 40 per cent in the aggregate.
7. The Controller of Examinations shall publish the results four weeks after the termination of the examination or as soon as possible.
8. Successful candidates shall be classified as under:
 - (a) those who obtain 60 per cent or more of the : First division aggregate marks
 - (b) those who obtain 50 per cent or more but less than : Second Division 60% of the aggregate marks
 - (c) Those who obtain less than 50 per cent of the : Third division aggregate marks
9. Each successful candidate shall receive, with his degree, a certificate stating the division in which he has passed.
- 10.1. A candidate who has passed the M.Ed. examination of this University may appear in one or more additional papers in which he has not already passed. The examination fee for appearing in each additional paper shall be as fixed by the Syndicate from time to time subject to the maximum of the full examination fee prescribed for the whole examination.
- 10.2. A candidate appearing in one or more additional papers under Regulation 10.1 shall be required to secure at least 40 percent marks to Pass in that paper/papers.
- 10.3. A candidate who has qualified for the award of M.Ed. degree through Correspondence from the Panjab University may be allowed to re-appear as a private candidate in the paper/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of

five years from the date of his passing the M.Ed. examination. The candidate will be charged a fee prescribed for the examination concerned.

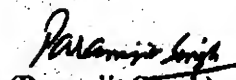
- 10.4. The result of such a candidate shall be declared only if he improves his performance.
- 10.5. A person who has passed M.Ed. examination in the third/second division may be allowed to appear as a private candidate for purpose of improving his previous performance. For this purpose he may be given two chances to improve his previous performance if he had not availed of any chances.
- 10.6. Provided that persons covered under Regulations 10.1 and 10.3 shall not be eligible for the award of any medal/prize for standing first in the examination.



(H.C. Malhotra)
Deputy Registrar (General)

CHANDIGARH -160014
Dated : 24-3-2004

Sealed in my presence with the common Seal of Panjab University, this day 24-3-2004,
2004.



(Paramjit Singh)
Registrar

- (d) to (j) xxx xxx xxx

- (c) to (f) xxx xxx xxx

- (v) A candidate shall offer Mathematics only if he has passed B.Sc. (Honours School)/B.A./B.Sc. (Honours) in that subject or B.A./B.Sc.(Pass) examination with the subject of Mathematics having either at least 50% marks in the aggregate or 45% marks in the subject of Mathematics.

6. **Addition to Regulation 3.2 for Master of Arts examination at page 82 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the admissions of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

Addition to Regulation

- 3.2. A candidate who is placed under compartment in one subject in B.A./B.Sc. Third Year examination of this University shall be allowed to join M.A. Part-I class provisionally if he fulfils other requirements and provided:

- (i) the subject in which he has to re-appear is not offered for the M.A. Part-I examination;
- (ii) if he fails to clear the compartment subject of the B.A./B.Sc. Third Year examination in the next two consecutive chances immediately following the examination in which he was placed under compartment, his provisional admission to M.A. Part I class as also his result of M.A. Part I examination shall be cancelled.

7. **Regulation 1.1 for Master of Education (M.Ed.) (Correspondence Courses) and be given effect to from the academic session 1999-2000 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

- 1.1 The duration of the course for the degree of Master of Education (M.Ed.) through Correspondence shall be two years.

8. **Regulation 19 for B.Com. (General & Honours) examination at page 280 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the examinations of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

- ~~19.~~ In addition to the B.Com. Second Year and B.Com. Third Year examination, a candidate may offer Honours in any one of the following areas or such other areas approved by the academic council from time to time.

1. Business Economics
2. Business Law
3. Business Finance and Accounting
4. Business Management.

9. **Regulations for Bachelor of Laws examination at pages 320-332 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the admissions of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

1. The Panjab University shall conduct a 3 year (6 semesters) course leading to the degree of LL.B. (Bachelor of Laws).

Explanation

Each year will be divided into two semesters:

- (i) From July to November/December;
- (ii) From January to the end of April.

- 1.A. The Panjab University may grant affiliation to a college for starting a 3-year (6 semesters) course leading to the degree of LL.B. (Bachelor of Laws) on such conditions as the University may prescribe from time to time.

2. Deleted.

3. The minimum qualification for admission to the first year class of the LL.B. course shall be one of the following:

- a) A Bachelor's degree in any faculty of the Panjab University with at least 45% of the aggregate marks;
- b) A degree in any faculty of any other University recognized as equivalent to the corresponding degree of the Panjab University, with at least 45% of the aggregate marks.

Provided that in case of candidates having Bachelor's degree of the University or any other University recognized by the Syndicate, through Modern Indian Languages (Hindi or Urdu or Panjabi/Gurmukhi Script) and/or in a classical Language (Sanskrit or Persian or Arabic) the aggregate of 45% marks shall be calculated by taking into account the percentage of aggregate marks that he had secured at the language examination, excluding the marks for the additional optional paper, English and the elective subject taken together.

- c) A Master's degree from the Panjab University;
 - d) A Master's degree from any other University recognized as equivalent to the Master's degree of the Panjab University.
4. Deleted.

5. No candidate admitted to the course shall be allowed to appear in a semester examination unless he has completed at least 66 percent of the lectures for each of the subject/paper delivered during that semester and 66 percent of such Law Moots, Tutorials, Visits to Courts and lectures delivered by experts to fifth/ sixth semester students as part of their paper/study, curriculum including practical work as may be prescribed from time to time for particular semester.

Provided that the deficiency may be condoned by the Chairman/Head of the Department of Laws as under:

- (i) Up to 30 lectures in various paper/s to the best advantage of the candidate; and
- (ii) Up to 8 lectures in the Law Moots, Tutorials, Visits to the Courts.

Provided that no condonation shall be allowed in regard to lectures delivered by experts.

Provided further that no condonation shall be allowed in case a candidate has attended less than 33% lectures for each paper/subject/tutorials/Moots.

6. Each semester examination shall be held in November and May each year or on such other date or dates as may be fixed from time to time.
7. The examination for the various courses of each semester shall consist of written examinations or such other test as may be decided from time to time by the Senate.
8. 1.(a) Promotion from 1st to 2nd, 3rd to 4th and 5th to 6th semesters shall be allowed to a student who fulfils the attendance and other requirements under the rules, even if he fails to appear or qualify in the papers prescribed for 1st, 3rd or 5th semesters as the case may be.
- (b) Promotion/admission to 2nd year (3rd semester) or 3rd year (5th semester) shall be allowed to a student provided he has passed in 5 out of 10 papers prescribed for 1st year (1st & 2nd semesters) and 10 out of 20 papers prescribed for 1st and 2nd year (1st, 2nd, 3rd & 4th semesters) as the case may be.
- (c) A candidate shall be allowed to appear in the 1st & 2nd semesters, 3rd & 4th semesters and 5th & 6th semesters examination within 3 years of his joining 1st, 3rd and 5th semester as the case may be.
- 8.2. A candidate who has exhausted all the chances of LL.B. in terms of Regulation 8.1 may re-appear as a late college student within two years of the exhaustion of his chances in such of the remaining papers of LL.B. which he had not been able to clear.

Provided that a candidate who would have been governed by this Regulation, had it been a part of Regulation 8.1 may also reappear as a late college student within 2 years of the coming into force of this Regulation in such of the remaining papers of LL.B., which he has not been able to clear in terms of Regulation 8.1.

9. Deleted.
10. A candidate who qualifies in all the papers of 1st, 2nd, 3rd, 4th, 5th & 6th semesters examinations shall be awarded LL.B. (Bachelor of Laws) degree.
- 11.1. The amount of examination fee for each semester examination/reappear examination shall be fixed by the Syndicate from time to time.
- 11.2. Deleted.
- 11.3. Every candidate for an examination shall submit his application form along with prescribed examination fee by the prescribed date along with the certificates required in clauses 3 and 5 of these regulations and by other regulations.
12. The medium of instruction and examination shall be English.
13. The examination shall be held according to the current syllabi and courses of reading prescribed by the University at the time of examination.
14. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 45 percent in each paper.
15. The successful candidates shall be classified as under:
 - a) Those who obtain 75% or more marks in the ... First Division with
aggregate of all the LL.B. papers. Distinction
 - b) Those who obtain 60% or more marks but ... First Division
less than 75% marks in aggregate of all the
LL.B. papers.
 - c) Those who obtain 50% or more marks but ... Second Division
less than 60% in the aggregate of all the
LL.B. papers.
 - d) those who obtain 45% or more marks but ... Third division
less than 50% in the aggregate of all the
LL.B. papers.

16. Deleted.

17. Deleted.

Transitory Regulation

18. A candidate who has obtained B.L. (2 years) degree from the Panjab University under the old regulations shall be allowed to join 5th Semester subject to the following conditions:

- a) Such candidate shall surrender his B.L. degree.
- b) Such candidate shall have to pass those papers of 1st to 4th semester examination as per the current syllabi which he had not passed earlier.
- c) Such candidate shall be exempted from appearing in those papers of 5th and 6th semester which he had earlier passed in 1st to 4th semester examinations.
- d) Such candidate shall be governed for the award of LL.B. degree by the current regulations.

10. **Change of nomenclature of M.Sc. Technical Chemistry to M.Sc. (Industrial Chemistry) and Regulations 1, 2.1, 3(a), 4, 8, 9, 10, 11(a) and (b), 12(a) & 12(c), 13, 14, 15 and 16 at pages 363-366 of P.U. Calendar, Volume II, and be given effect to from the examinations of 1998-99 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

1. The course for the degree of Master of Science in Industrial Chemistry shall extend over a period of two academic years.
- 2.1. The examination for the degree of Master of Science in Industrial Chemistry shall consist of First, Second and Third semester examinations and the Fourth semester will be devoted to thesis work. The candidates shall be required to submit four properly bound and neatly typed or printed copies.

Examinations will be held each year in the months of November/December and April/May or on such other dates as may be fixed by the Syndicate.

- 3 (a) The amount of admission fee including fee for detailed marks certificate etc. to be paid by each candidate shall be as specified by the Syndicate from time to time.

(b) to (c) ~~xxx~~

XXX

XXX

4. A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to the course:

- (a) B.Sc. Honours School in Chemistry of the University

OR

- (b) **B.Sc. 3 year degree course with Physics, Chemistry and Mathematics.**

- (c) Any other examination, recognized by the Syndicate, as equivalent to (a) and (b) above.

A person who has passed any equivalent examination under (b) and (c) above shall have to produce an eligibility certificate from the Registrar, Panjab University, at the time of admission.

8. The examination for the degree of Master of Science in Industrial Chemistry be open to any student, who:

- (a) & (b) xxx

XXX

xxx

- (c) has his/her name submitted to the Controller of Examinations by the Head of the Department and produces the following certificates signed by the Head of the Department.

- (i) to (iii) xxx

XXX

xxx

9. Every candidate shall be required to appear in all subjects prescribed for a particular semester examination at the end of that semester. If a candidate does not appear for examination in any subject/s as required, he/she shall be deemed to have failed in that subject/s.
10. If a candidate is unable to pass in one or more subjects of an examination for any semester, he shall be required to appear in such subject/s in the next Supplementary examination of that semester. In the meantime the candidate may continue his studies of the next semester.
- 11(a) A candidate, who fails in one or more subjects in the supplementary examination, will be considered as having totally failed in that semester examination and he shall have to repeat that whole semester. In that case he shall not be allowed to continue studies in the next semester.

10. If a candidate is unable to pass in one or more subjects of an examination for any semester, he shall be required to appear in such subject/s in the next Supplementary examination of that semester. In the meantime the candidate may continue his studies of the next semester.

- 11(a) A candidate, who fails in one or more subjects in the supplementary examination, will be considered as having totally failed in that semester examination and he shall have to repeat that whole semester. In that case he shall not be allowed to continue studies in the next semester.

- 16 (c) The marks to be awarded for sessional work (consisting of class tests, mid term examinations, home assignments etc.) will be recommended by the class teachers to the Board of Control which may, if required, modify the awards and the approved internal assessments awards shall be sent to the University by the Head/Chairman of the Department.
- (d) The assessment for the thesis seminar will be done by a Board of three examiners consisting of the Head/Chairman of the Department and two other teachers of the Department deputed by the Board of Studies.
11. **Regulation 7(a) (i) and (ii) at page 442 for B.Sc. (Nursing) (Post-Basic) of P.U. Calendar, Volume II, 1995, and be given effect to from the admissions of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**
7. The first examination shall be open to a candidate who has passed -
- (a) 10+2 examination under 10+2+3 scheme
OR
(b) Any other examination recognized by the Syndicate as equivalent thereto.
12. **Regulation 2 for Bachelor of Science in Nursing examination at page 445 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the admissions of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**
2. A person who has passed one of the following examinations and has attained/shall attain the minimum age of 17 years on December 31 of the year of admission shall be eligible to join the course:
- (a) 10+2 examination passed with Physics, Chemistry, Biology and English;
OR
(b) Any other examination recognized by the Panjab University as equivalent thereto.
13. **Regulations for M.Tech. (Polymers) course, and be given effect to from the admissions of 1998 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**
- 1.1. The duration of the course for the degree of M.Tech. (Polymers) for regular candidates shall be of three semesters (18 months). The maximum period in which a candidate must qualify for the degree shall be four academic years,

failing which he shall not be allowed to continue his/her studies for the course. Provided that this limit shall not apply to the thesis for which the maximum period shall be as given in Regulation 7.3(a).

- 1.2 The duration of the course for the M.Tech. (Polymers) examination in the case of a candidate who joins as a whole time teacher in the University Department or a college affiliated to the University in the Faculty of Engineering & Technology or a working Engineer in a Department/Industry/Laboratory within the jurisdiction of the University shall be a minimum of two academic years. The maximum period in which such a candidate must qualify for the degree shall be four academic years, failing which he/she shall not be allowed to continue his/her studies for the course. Provided that the limit shall not apply to the thesis for which the maximum period allowed shall be as given in Regulation 7.3(b).
- 2.1 The course for the degree of M.Tech. (Polymers) shall have two semesters in a year. The examination for each semester shall be held in December/January & May/June or on dates fixed by the Syndicate.
- 2.2 The last dates for receipt of examination admission forms and examination fees without and with late fee shall be fixed by the Syndicate.
- 2.3 The dates fixed by the Syndicate in accordance with Regulations 2.1 and 2.2 shall be notified by the Controller of Examinations.
- 3.1 A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to M.Tech. (Polymers) courses:
- (a) (i) Bachelor's degree (4-Years after 10+2) in Chemical Engineering, Chemical Technology, Polymer/Plastic-Science/Engineering/Technology;
- OR
- (ii) Master's degree in Chemistry, Technical Chemistry, Applied Chemistry; or Industrial Chemistry or equivalent examination.
- (b) The applicant must have qualified GATE examination.
- (c) Those who do not qualify GATE will have to appear in a written examination to be designed by the Board of Studies in Chemical Engineering.
- 3.2 A whole-time teacher of University Department or a College affiliated to the University for the M.Tech. (Polymers) degree course or an Engineer working in the Department/Industry/Laboratory within the territorial jurisdiction of the University may be allowed to join the course as per the normal procedures for admission as for regular students.

- 4.1. A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 2, has remained on the roll of the University Department in M.Tech.(Polymers) course for the academic term of the semester concerned and produces the following certificates signed by the Head of the Department shall be eligible to appear in the examination in that semester:
- i) of good character;
 - ii) of having attended for each subject, not less than 85% of the lectures and 75% of the total sessional work, in tutorials, design laboratory work and seminars and of having acquitted himself/herself creditably in all the exercises or periodical examinations conducted by the Department from time to time.
- 4.2. A deficiency in the required number of lectures and practicals may be condoned up to 10 percent by the Head of the University Department.
5. The amount of admission fees for a semester and Thesis Examination to be paid by the candidates shall be as per University rules.
- 6.1. Every candidate shall be required to offer for examination:
- (a) 10 theory papers out of the list approved by the Senate from time to time-selection to be made on the advice of the Head of the Department provided that no candidate shall be allowed to qualify in more than five papers at the end of the First Semester of the First Year of the Course and not more than ten papers (including the papers passed in the First Semester) at the end of the First Year of the Course;
 - (b) a student not possessing Engineering/Technology degree will have to qualify a course in Chemical Engineering Fundamentals. This Course carries no credit;
 - (c) a thesis, of which four neatly typed or printed copies properly bound, shall be submitted to the University.
- 6.2. English shall be medium of the examination.
- 7.1. The candidate shall prepare his/her thesis under the supervision of the teacher concerned in the Department. If, however, the Head of the Department is satisfied that facilities for preparing the thesis exist elsewhere he/she may allow that candidate to prepare his/her thesis there and this period shall count towards the requirement for the M.Tech. (Polymers) but the candidate shall spend for completing his/her thesis, a minimum period of four weeks, under the direct supervision of his/her teacher, or the Head of the Department.

- 7.2. The thesis shall present an orderly and critical exposition of the existing knowledge of the subject or shall embody results of the original investigations and shall demonstrate the capacity of the candidate to do independent research work. While writing the thesis, the candidate shall layout clearly the work done by him/her independently and the sources from which he/she has obtained other information contained in the thesis.
- 7.3.(a) The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the Third Semester of the Course provided that he/she has appeared in all Theory papers up to the Third Semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 10 Theory papers. In case of a candidate not possessing Engineering/Technology degree, the result of the thesis shall be declared after the candidate passes all the 10 Theory papers and also qualifies in Chemical Engineering Fundamental Course. In case the candidate's thesis is rejected or he/she is unable to complete the thesis in the Third Semester, he/she will be allowed two years more at the maximum for submission of thesis or its revision.
- (b) The result shall be submitted by a whole-time teacher or an Engineer working in the Department/Industry/Laboratory at any time during the Fifth Semester of the Course provided that he/she has appeared in all the Theory papers up to the Fourth Semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 10 Theory papers. In case the candidate is not possessing Engineering/Technology degree, the result of thesis shall be declared after the candidate passes all the 10 Theory papers and also qualifies the Chemical Engineering Fundamental Course. In case the candidate's thesis is rejected or he/she is unable to complete the thesis in the Sixth Semester, he/she will be allowed two more years at the maximum for submission of thesis or its revision.
- Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding one year may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Head of the Department.
- 7.4. There shall be a viva-voce test on the subject matter of the Thesis. The examiners may, if they consider it necessary, also require the candidate to undergo a written and/or a practical test.
- 8.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be:
- (a) 40 per cent in each theory paper;

- (b) 50 per cent in the Sessional part of each paper.

Both the Theory examinations and Sessional examinations will be considered independent of each other. Aggregate pass percentage will be 50%.

- 8.2. Subject to Regulation 1.1, a candidate who has failed, in any Papers may be allowed to reappear in any subsequent examination to pass the examination in that subject on the payment of receipt of the admission fee per Paper in each Semester examination, if any, which he/she was appearing provided that such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.

A candidate who has obtained low marks in any paper may be allowed to reappear/in any subsequent examination to improve his/her marks on payment of requisite admission fee of amount provided that such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.

9. Successful candidates shall be classified as under:

- (a) those who obtain 75 percent or more of the aggregate marks of all the Theory papers and the sessional and also if the thesis has been adjudged to merit distinction. Provided that the candidate concerned has cleared the examination in each subject at the first attempt (i.e. the first time when a candidate actually takes the University examination in the concerned subject). ... First division with distinction
- (b) those who obtain 60 percent or more of the aggregate marks of all the Theory papers and the sessional, but are not entitled to be classified as having been placed in First Division with Distinction. ... First Division
- (c) those who obtain less than 60 percent of the aggregate marks of all Theory papers and the sessionals but not less than 40% in each Theory Paper and 50% in the sessional part of each paper. ... Second Division.

10. Four weeks after the termination of the each semester examination or as soon as possible, the Controller of Examinations shall publish the result. Every successful candidate shall receive a certificate of having passed that semester of the examination. A candidate who has passed all the Semester examinations shall be awarded the degree in accordance with Regulation 8.

11 Post graduate Diploma in Polymers.

A person registered for M.Tech. (Polymers) examination who obtained pass marks in ten Theory papers, may be granted, if he/she desires, post-graduate diploma in Polymers, on the recommendations of the Head of the Department.

14. **Regulations for the Post-graduate Diploma in computer Applications and be given effect to from the admissions of 1998, in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

1. The duration of Post-graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA) course shall be one year. The examination will be conducted at the end of the academic year on such dates as may be fixed by the Syndicate.
2. The minimum qualifications for the course shall be:
 - (i) Graduate (B.Sc./B.A./B.Com. or equivalent under 10+2+3 system of examination) having Mathematics as main subject up to 10+2 level.
 - (ii) B.Tech./B.E.
 - (iii) Any other examination recognized by the Syndicate as equivalent to (i) and (ii) above.
3. The admission to the course shall be on the basis of entrance test and/or other procedures laid down by the Syndicate from time to time.
- 4 (i) The Advisory Committee for the Department of Computer Science and Applications will function as the Board of Control till such time as a regular Board of Control is constituted.
 - (ii) The Advisory Committee/Board of Control shall process the admissions as per procedures laid down in Para 3 above and submit its recommendations to the Dean of University Instruction for approval.
 - (iii) Subject to the approval of the Dean of University Instruction the Advisory Committee/Board of Control shall be the authority to reverse/expel students from the class in accordance with rules.

5. Every student admitted to the Post-graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA) course shall be on the rolls of Regional Centre/affiliated college to the Panjab University and shall pay such fee/s to the Centre/College as the Syndicate may prescribe from time to time.
6. The Advisory Committee/Board of Control shall make recommendations to the appropriate bodies for their approval in all matters concerning the Post-graduate Diploma course, syllabi and appointment of examiners.
7. The classroom instruction and the examination will be as per the approved syllabi for a particular session. Internal Assessment will be an integral part of system of examination and evaluation.
8. The medium of instructions and examination shall be English.
9. Every candidate of PGDCA shall send his/her application for the final examination through the Director/Principal of Regional Centre/affiliated college. The following certificates must be attached with the application form:
 - (a) of good moral character;
 - (b) of having attended at least 75% of the total number of lectures and practicals separately in each course.
- 10.1. In order to qualify in the Project Report the candidate must obtain a minimum of 50% marks.
- 10.2. 40% in the Internal Assessment part of every subject separately of the examination, whether theory and practical is a pre-requisite to appear in the final examination.
- 10.3. In order to qualify in the examination the candidate must obtain a minimum of 40% marks in Theory and Practical separately.
- 10.4. A candidate will be declared successful if he/she has qualified in each paper and has obtained 50% marks in the aggregate:
 - (i) those who obtain 75 percent or more : First division with Distinction of the aggregate marks.
 - (ii) those who obtain 60 percent or more : First division but below 75 percent of the aggregate marks.
 - (iii) those who obtain 50 percent or more : Second Division but less than 60 percent of the aggregate marks.

11. A candidate who obtains 50% of the aggregate marks but fails only in one paper may appear in a subsequent examination or examinations and if he/she passed in that paper, he/she shall be deemed to have passed the examination. The candidate shall have to clear the compartment paper within two consecutive regular examinations from the date of his/her first failing in that paper.
12. The Internal Assessment awards of the candidate who fails in the final examination shall be carried forward to the subsequent examination.
13. The examination fee to be paid by the candidate shall be decided by the Syndicate from time to time.
14. Every successful candidate shall be granted Post-graduate Diploma in Computer Applications indicating the awards in Theory and Practicals separately (along with any reappears) and the Distinction/Division in which he/she has passed.
15. **Regulations for Bachelor of Computer Applications (BCA) and Bachelor of Business Administration (BBA) and be given effect to from the admissions of 1998, in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**
 1. The Bachelor of Computer Applications (BCA) shall be a three year integrated course. The system of examination shall be annual. The examination for each year shall be held at the end of each academic year.
 21. The Unit shall be of 30 students. Ordinarily a College shall be given one unit.
 22. The admission to the courses will be based on merit in an entrance test to be conducted by Panjab University, provided the candidate is otherwise eligible.
 31. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the First Year class of B.C.A. course:
 - i) +2 examination in any discipline with Mathematics/Statistics as one of the subjects with at least 50% marks.
 - OR
 - ii) any other examination recognized by the Syndicate as equivalent to (i).
 32. A person who has passed Bachelor of Computer Applications First/Second Year examination of the University shall be eligible to join the Second/Third Year class of the Bachelor of Computer Applications.

- 4.1. The examination in First/Second/Third year shall be open to a student who:
- a) has passed not less than one academic year previously the qualifying examination laid down in Regulation 3.1.
 - b) has his name submitted to the Controller of Examinations by the Principal of the College he has most recently attended and the Principal has certified that the candidate:
 - i) has remained on the rolls of an affiliated college for the academic year preceding the examinations;
 - ii) has attended not less than 75% of the full course of lectures delivered and tutorials held separately, for his class in each of the subjects offered (the course to be counted up to the last day when the classes break up for preparatory holidays).
- 4.2. The Principal of the College shall have authority to condone deficiency of lectures up to 10% of the total number of lectures delivered in each subject separately.
5. Every candidate shall be examined in the subjects according to the current syllabi, course, outlines and scheme of examination prescribed by the concerned Faculty from time to time.
- 6.1. The minimum marks required to pass each examination shall be 40 percent in each paper.
- 6.2. A candidate who obtains 40 per cent of the aggregate marks of all the subjects but has failed in one subject only obtaining not less than 20 per cent marks in that subject shall be permitted to appear in that subject only at the next two consecutive examinations (one in September/October be placed as compartment in that subject and only for compartment cases and the other in April/May as annual examination) and if he passes at either of these examinations he shall be deemed to have passed the examination. A candidate to whom the concession of compartment in one subject is granted shall be eligible to join the next higher class provisionally, but if he fails to qualify in the compartment subject at the supplementary examination he shall be permitted to appear again in the subject along with the annual examination for the next year and, if he fails to qualify in the compartment subject even at the second attempt, his result of Second Year or Third Year, as the case may be, shall be cancelled.
7. A candidate who appears in the compartment subject at the supplementary or the annual examination under this regulation shall:
- (a) be required to pay examination fee as for the whole examination, and

- (b) not be eligible for a scholarship, prize or a medal.
8. Each student shall submit the Project Report to the Head/Principal of the Department/Institution within one month of the last examination of Third Year.
9. The Project Report of the candidate shall be examined by an external examiner to be appointed by the University.
10. The medium of instruction shall be English.
- 11.1. A student who has completed the prescribed course of instruction for the examination but has not been able to appear in the examination or has appeared but has failed, may be recommended by the Principal for admission to such examination as a late college student, without attending a fresh course of instruction in the next annual examination. On his second failure in the examination or failure to appear in the examination, he shall not be eligible to appear in the examination without attending a fresh course. If he failed at the third attempt, he may again be permitted to appear in the next annual examination either as a late college student, but if he fails even at the fourth attempt in the First Year Examination, he shall not be permitted thereafter to appear in that examination either as a college student or as a late college student. Provided that this shall not affect the right of a candidate to re-appear in one subject under the compartment regulation
- 11.2. A candidate who fails in the Second Year/Third Year examination at the fourth attempt shall repeat the above process.
12. The successful candidates shall be classified on the aggregate of marks obtained in First Year, Second Year and Third Year (Final) examination:
- (a) Those who obtain 75% or more : First Division with Distinction of the aggregate marks
 - (b) Those who obtain 60% or more of : First Division the aggregate marks
 - (c) Those who obtain 50% or more : Second Division but less than 60% of the aggregate marks
 - (d) Those who obtain less 50% of the : Third Division aggregate marks.

13. A College/Institution will be permitted to offer the course which fulfils the infrastructure and staff requirements laid down by the concerned Faculty and duly approved by the Syndicate.

REGULATIONS FOR BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION (BBA)

1. The Bachelor of Business Administration (BBA) shall be three years integrated course. The system of examination shall be annual. The examination for each year will be held at the end of each academic session.
- 2.1. The admission to the course shall be based on an Entrance Test to be conducted by Panjab University, provided the candidate is otherwise eligible.
- 2.2. A unit shall be of 30 students. Ordinarily college shall not be given more than one unit.
- 3.1. The admission to the 1st year of the course shall be open to a person who has passed -
 - i) 10+2 examination from a recognized Board/University with at least 50% marks.
 - OR
 - ii) Any other examination with 50% marks recognized by the Syndicate as equivalent to (i).
- 3.2. A person who has passed Bachelor of Business Administration First/Second Year examination of the University shall be eligible to join the second/third year class of Bachelor of Business Administration.
- 4.1. The examination in first/second/third year shall be open to a student who-
 - a) has passed not less than one academic year previously, the qualifying examination laid down in Regulation 3.1.
 - b) has his name submitted to the Controller of Examinations by the Principal of that college that he has most recently attended and the Principal has certified that the candidate-
 - i) has remained on the rolls of the affiliated college for the academic year preceding the examination.
 - ii) has attended not less than 75% of the full course of lectures delivered for his/her class in each of the subjects offered (the course to be counted up to the last day when the classes break up for preparatory holidays).

- iii) has obtained at least 25% marks in the aggregate of all the papers to be calculated on the combined result(s) of the house examination(s).

Provided that the Principal of a college may at his discretion, hold a special test for students who fail to fulfil the requirements of (iii) above at the end of the academic session. The percentage of marks required to be obtained in such test shall be 30%.

Provided further that a candidate must take the second/third year Examination within three years of his passing the first or second year examination respectively.

- 4.2. The Principal of the college shall have authority to condone deficiency of lectures up to 10% of the total number of lectures delivered in each subject separately.
- 5.1. The examination for the 1st, 2nd and 3rd year shall be held by the University once a year in April/May.
- 5.2. For candidates placed in compartment, a supplementary examination shall be held ordinarily in the month of September/October of the same year.
6. The last date of receipt of examination form and fee with and without late fee shall be decided by the Syndicate.
7. The admission fee and tuition fee shall be fixed by the Syndicate.
8. The examinations for the course shall be held according to prescribed current syllabus and guidelines of the University.
9. The medium of instruction shall be English.
- 10.1. 20% marks in each paper shall be based on internal assessment. Fifty percent of internal assessment shall be based on house examination and the other fifty percent on the basis of assignments and class room performance (classroom performance would include attendance, case discussion & class participation).
- Provided that the variation in percentage of marks in internal assessment and external examination in each paper shall not exceed twenty per cent of the aggregate marks.
- 10.2. The college shall maintain the records relating to assessment up to 6 months from the date of declaration of result and shall be open to inspection by a committee constituted by the University.

- 11.1. The minimum number of marks required to pass the examination in each year shall be:
 - (a) 40% in each paper of the External examination.
 - (b) 40% in the Internal Assessment.
- 11.2. A candidate, who qualified all but one paper, shall be placed in compartment in that paper. He shall be required to qualify the compartment paper at the next two consecutive examinations, i.e. supplementary and the next annual examination.
- 11.3. A candidate having compartment under 11.2 shall be eligible to join the next higher class provisionally. If he fails to qualify in the compartment subject in two consecutive chances under 11.2, his result of second or third year examination, as the case may be, shall be cancelled, provided that a candidate for 3rd year examination, who fails to qualify the compartment subject in two consecutive chances but stands passed in BBA 3rd year examination shall be given one additional chance immediately next to the second chance availed by him. In case he fails to qualify in the compartment subject even in this additional chance, he shall be declared fail and his result of third year shall be cancelled.
- 12.1. A candidate who is placed in compartment in any of examinations shall not be eligible for a scholarship, prize or a medal.
- 12.2. A student who has completed the prescribed course of instruction for the examination for 1st, 2nd and 3rd year, as the case may be, but has not been able to appear in the examination or has appeared but has failed, may be recommended by the Principal for admission to such examination as a late college student, without attending a fresh course of instruction in the next annual examination. On his second failure or failure to appear in the examination, he shall not be eligible to appear in the examination without attending a fresh course in an affiliated college. If he failed at the third attempt, he may again be permitted to appear in the next annual examination as a late college student.
- 12.3. After the Fourth chance to appear for the 1st, 2nd or 3rd year examination, the candidate shall be debarred from appearing in the examination. However, this will not affect the right of a candidate to appear in one subject under the compartment regulations 11.2.

13. The successful candidates shall be classified on the basis of aggregate in first, second and third year into the following divisions:
- a) Those who obtain 75% or more of : First Division with Distinction the total aggregate marks
 - b) Those who obtain 60% or more : First division but less than 75% of the total aggregate marks
 - c) Those who obtain 50% or more : Second Division but less than 60% of the total aggregate marks
 - d) Those who obtain 40% or more : Third Division but less than 50% of the total aggregate marks
16. Regulations 2.3 and 2.4 for Bachelor of Fine Arts(B.F.A.) examination at page 483 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the academic session 1998-99.
- 2.3. Students who are eligible to appear for the Annual Internal Promotion examination will have to undergo examination in practical as well as theory papers in accordance with the Scheme of Examination as may be approved by the University.
- 2.4. The evaluation of the practical work of the annual Internal Promotion examination shall be done by a Committee consisting of the subject teacher and one or two experts to be appointed by the Principal each year.
17. Regulation 10 for Bachelor of Fine Arts examination at page 484 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the session 1998-99.
10. The final result will be compiled on the aggregate marks obtained in the First Year, Second Year, Third Year and Final Year examinations taken together.
18. Addition to Regulation 6 for M.A. in Indian Theatre examination at page 498 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the admissions of 1997- 98.
- 6.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be 50% separately in each paper/practicals.

- 6.2. A candidate who fails only in one of the theory papers and obtains 50% marks in each of the other papers may be allowed to re-appear in the paper in the supplementary examination. If he fails to qualify in the supplementary examination, he will have another chance to qualify in the next annual examination, failing which his candidature and result for M.A. Part II examination shall stand cancelled.
19. **Regulation 2 for Diploma Course in Vocational Agriculture of the Panjab University Calendar, Volume II, 1995 and be given effect to from the session 1998-99.**
2. A candidate who has passed 10+2 examination conducted by the recognized Board/University/Council or an equivalent certificate recognized by the Panjab University.
20. **Regulations 1.1, 1.2, 3.3, 5, 6, 7 and 14 for Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery (B.A.M.S.) examination, and given effect to from the admissions of 1999 in anticipation of the approval of the Syndicate/Senate/Government of India and publication in the Government of India Gazette.**
- 1.1 The duration of the course of instruction for the degree of Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery (B.A.M.S.) including one year compulsory internship shall be five and half years.
- 1.2 There shall be three examinations viz. First, Second and Final. The First examination will be held at the end of 18 months, and the second examination at the end of 36 months and the Final examination at the end of 54 months, i.e. after one and a half years of the Second Professional examination. After a candidate has passed the final examination, there shall be a compulsory internship as prescribed in Regulation 6.
- 3.3(i) the Final Professional examination shall be held one and a half years after the Second Professional Examination and shall comprise the subjects as prescribed in the syllabus.
- (ii) If a candidate remains failed in one or more subjects in Final Professional Examination he/she shall be eligible to appear in those subjects in subsequent Final Professional examination which may be held ordinarily after every six months or at such time as the competent authority may determine from time to time.

Migration

- a) Both Principals should agree to the migration of the student.

- b). Migration be from one recognized college to another recognized college.
 - e) Request for the migration should come within three months of declaration of results of the I, II and III examinations of parent University, there should be no objection to the migration.
- 5. The amount of examination fee to be paid by the candidates for First, Second and Final Professional examinations shall be prescribed by the Syndicate from time to time.
- 6. **COMPULSORY INTERNSHIP***
 - (a) The compulsory rotating Internship shall be completed in a recognized or Govt. Teaching Ayurvedic Hospital/Government Ayurvedic Hospital/Dispensary in the State of Punjab or Union Territory of Chandigarh for a period of 12 months after passing the final examination.
 - (b) On full completion of the internship as certified by the Principal on the recommendations of the authorities under whom the training was done the candidate shall be eligible for the award of Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) Degree.
 - *Twelve months internship shall start immediately after the completion of Final Professional Examination. In case of failure, this period would not be counted towards the completion of twelve months internship required under the rules. For such students, the internship shall restart from the date they complete the course in the next examination. The distribution of duties during internship shall be followed as laid down by the Central Council of Indian Medicine.
- 7. Only those students who fulfil the following requirements shall be allowed to appear in the BAMS First, Second/Final examination:
 - a) of having been on the rolls of college throughout the period of 1½ years each preceding the first, second and final year examinations two years preceding the final examinations;
 - b) of having good character;

- c) of having attended not less than 75 percent of the full course of
- | | |
|---------------------------------------|--------------------|
| i) Lectures delivered; and | separately in each |
| ii) Demonstration and practicals held | subject. |

Provided that the Principal of the college shall be empowered to condone shortage up to 5% of the total lectures delivered in each subject in theory and practicals separately which includes all kinds of periods i.e. leave, sports, function, etc. **

** A student who is unable to appear in the examination owing to shortage of lectures in the prescribed course in a subject/subjects may be allowed to appear at the next examination if he makes up the deficiency of lectures in the subjects concerned by attending lectures at a college affiliated to the Panjab University.

14. The candidate shall be awarded AYURVEDACHARYA (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery) degree only after completion of prescribed course of study extending over the prescribed period, passing the final examination and satisfactorily completing of twelve months compulsory internship after the completion of final professional examination.
21. **Change in title and Regulation 1 for Master of International Business (MIB) and Regulations 1 and 3 for Master of Personnel Management and Industrial Relations at pages 302-303 of P.U. Calendar, Volume II, 1995, effective from the April, 1998 examinations in anticipation of the approval of Govt. of India/publication in the Govt. of India Gazette.**
- i) **Master of Business Administration (International Business) MBA (IB)**
- ii) **Master of Business Administration (Human Resource) MBA (HR).**
- i) **Regulation 1 for Master of Business Administration (International Business) MBA (IB)**
1. The duration of the course leading to the Degree of Master of Business Administration (International Business) shall be two academic years. Each year shall be divided into two semesters. The examination for the First and the Third semesters shall ordinarily be held in the month of December and for the second and the fourth semesters in the month of April/May, or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

ii) Regulations 1 and 3 for Master of Personnel Management and Industrial Relations at pages 294-95 of P.U. Calendar, Volume II, 1995.

1. The duration of the Course leading to the degree of Master of Business Administration (Human Resource) shall be two academic years, each year being divided into two semesters. The examination for the first and the third semesters shall ordinarily be held in the month of December and for the second and the fourth semesters in the month of April/May, or on such dates as may be fixed by the Syndicate.

3. The minimum qualifications for admission to the first semester of the course shall be -

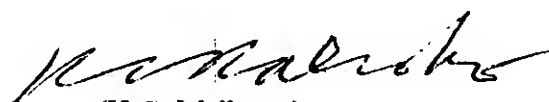
- (i) A Bachelor's/Post-graduate degree in any discipline of the University or a degree of any other University which has been recognized by the Syndicate as equivalent thereto with not less than 50% marks in the aggregate;

Provided that in case of candidates having Bachelor's degree of the University through Modern Indian Languages (Hindi/Urdu/Punjabi (Gurmukhi Script) and/or in a Classical Language (Sanskrit/Persian/Arabic) or degree of any other University obtained in the same manner recognized by the Syndicate, 50% marks in the aggregate shall be calculated by taking into account full percentage of marks in all the papers in Language excluding the additional optional paper, English and the elective subject taken together.

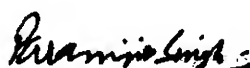
OR

- (ii) A pass in the final examination conducted by the (a) Institute of Chartered Accountants of India or England, (b) Institute of Cost and Works Accountants of India or England, and (c) Institute of Company & Secretaries of India.
- (iii) AMIE examination with 50% marks or more after having passed the Diploma examination with 50% and have at least 5 years research/teaching or professional experience.

CHANDIGARH
DATED: 24-3-2004


(H.C. Malhotra)
Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the common Seal of Panjab University, this
24-3-2004


(Paramjit Singh)
Registrar

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH**No. 4-2004/G.R. M.G.R.**

The Central Government, Ministry of Human Resource Development, Department of Secondary & Higher Education, New Delhi have accorded approval vide their letter No. F.2-8/2000.Desk (U), to the following Regulations:

1. Regulation 3.1 for Bachelor of Computer Applications (B.C.A.) and be given effect to from the session 2000-2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

3.1. A person who has passed the following examinations shall be eligible to join the first year class of B.C.A. Course:-

- (i) +2 examination in any discipline with at least 50% marks.
- (ii) Matriculation examination having passed Mathematics as one of the subjects.
- (iii) Any other examination recognized by the Syndicate as equivalent to (i) or (ii) above.

2. Regulation 2.1 and deletion of Clause 1(d) of Regulation 3.1 for Master of Arts examinations at pages 78 and 81 respectively of Panjab University Calendar, Volume II, 1995 w.e.f. the examinations of 2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette:

2.1. The examination for the degree of Master of Arts shall be held in the following subjects and a candidate shall offer any one of the following:-

- (i) to (xix) xxx xxx xxx

Provided that —

- (i) to (iv) xxx xxx xxx

- (v) A candidate should offer Psychology only if he/she has that subject in B.A./B.Sc. examination.

3.1. A person who has passed one of the following examinations from this University, or from the Panjab University at Lahore before 1948, or from any other University whose examination has been recognized as equivalent to the corresponding examination of this University, shall be eligible to join the first year (Part I) class of the M.A. course:-

(i) to (xi) xxx xxx xxx

Provided that —

(a) to (c) xxx xxx xxx

(d) For Psychology course, a person who has passed the B.A. (2-Year Course) examination with Philosophy as one of his subjects, obtaining 45 per cent marks in both the papers of Philosophy or in the Psychology paper alone or a person who has passed B.A. (3-Year Course) examination obtaining 45% marks in the subject of Philosophy, shall also be eligible.

3. **Regulations 2.1 and 5.1 for Bachelor of Education examination (B.Ed.) at pages 242 and 243-244 of Panjab University Calendar, Volume II, 1995 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette:**

2.1. A person who possesses one of the following qualifications shall be eligible to join the course:

(a) B.A./B.Com./B.Sc. degree of Panjab University or a degree of any other University recognized equivalent to qualifying examinations with not less than 45% marks in the aggregate.

(b) to (c) xxx xxx xxx

5.1. The examination shall consist of two Parts as under:

Part I ... Theory papers

Part II ... Practicals (as per details given in the syllabus).

(i) One of the teaching subjects selected shall be the same as offered at the graduate levels. However, B.Com./M.Com. students shall offer either teaching of Economics or Mathematics or English.

(ii) xxx xxx xxx

(iii) The subjects of teaching of Social Studies shall be offered by a candidate who had taken up any two of the following subjects at B.A. or M.A. level:

History, Geography, Political Science, Sociology, Economics, Public Administration, Philosophy, Psychology, Education.

4. **Regulations for Postgraduate Diploma in Remote Sensing and Geographic Information System of Panjab University Calendar, Volume II, 1995 as per Appendix and be given effect to from the admissions of 2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**
- 1.1. The duration of the course for Postgraduate Diploma Course in Remote Sensing and Geographic Information Systems shall be of two semesters/one academic year.
- 1.2. The eligibility for admission to the course shall be as follows:
- (a) Master's degree in Geography or Master's degree in allied subjects (to be decided by the Board of Studies) or Bachelor of Engineering degree in any field (to be decided by the Board of Studies) of the Panjab University with at least 50 per cent marks.
 - (b) Working knowledge of Computer;
 - or
 - (c) An examination of another University recognized by the Syndicate as equivalent to (a) above.
- 2.1. A candidate shall be eligible for appearing in the examination if he/she has attended at least 75 per cent of the lectures delivered to the class in theory, practical and project work separately.
- 2.2. A deficiency in the required number of lectures may be condoned as given below:
- (a) up to 10% by the Board of Control in Geography;
 - (b) up to 15% by the Dean of University Instruction on the recommendation of the Board of Control in Geography.
- 2.3. The tuition fee, examination fee, and other charges to be paid by the candidates of different categories shall be prescribed by the Syndicate from time to time.
- 2.4. The medium of examination shall be English.
- 3.1. The examination shall be held in accordance with the prescribed syllabus.
- 3.2. The minimum marks required to pass the examination shall be 45% in every (i) theory paper, (ii) practicals and (iii) project report and 50% in aggregate.

- 3.3. The examination for the first semester shall be held ordinarily in November/December and for the Second Semester in May/June next year. The work on the project report will run concurrently during the two semesters.
- 3.4. A candidate who fails in a particular semester shall be allowed to reappear in the subsequent semester, with a maximum of two consecutive chances for each semester.
- 3.5. A candidate who fails in one or more theory and/or practicals shall be allowed to reappear in the subsequent two consecutive examination/s in the respective theory and/or practicals.
- 4.1. Each candidate shall submit four copies of the project report on an approved topic. The report is to be submitted on or before 30th June or the last day of the academic session in reference. An extension up to a maximum of three months may be granted.
- 4.2. As a part of practical training and project report, participation in at least one educational tour to centres of repute in Remote Sensing and Geographic Information Systems such as IIRS, Survey of India, Wadia Institute of Himalayan Geology and Forest Research Institute, all at Dehradun; NRSA, Hyderabad; SAC Ahmedabad and ISRO, Bangalore shall be mandatory for every student. This tour shall have duration of at least one week. All decisions related to the tour shall rest with the Chairperson of the Department.
- 4.3. The project report is required to be sent to an external examiner, who shall be from beyond the jurisdiction of Panjab University and a non-resident of Chandigarh, for evaluation in terms of numerical marks. The examiner, as mentioned above, shall be appointed by the Board of Control, in consultation with the Supervisor. The marks awarded by the examiner shall be moderated and finalized after a comprehensive viva-voce, to be conducted by the external examiner, internal examiner and the Chairperson.
- 4.4. A candidate, who fails to score minimum pass marks in the project report, shall be required to resubmit project report on a fresh topic to be assigned by the Board of Control, in consultation with the concerned Supervisor. The candidate shall pay the tuition fee for the whole period till he gets through in the project report.
- 5.1. Successful candidates, who score 70% and more of the aggregate marks, shall be placed in 'merit grade' and their position in order of merit as also the percentage of marks obtained by them shall be mentioned in the Diploma; those who score 60% or more but less than 70% of the aggregate

marks shall be placed in 'very good grade' which shall be mentioned in the Diploma together with the percentage of marks obtained by the candidate; and those who secure 50% or more but less than 60% of the aggregate marks, shall be placed in 'good grade', which shall be mentioned in Diploma together with the percentage of marks obtained by the candidate. The title of the project report completed shall also be listed in the Diploma.

5. Regulations 2.1, 7.2, 7.3, 8.1, 8.2, 9 and 11 for Master of Engineering (M.Engg.) in Chemical, Civil, Electrical, Mechanical, Electronics, Materials & Metallurgy, Computer Integrated Manufacturing, Electronic Product Design & Technology examinations appearing at pages 358-362 of Panjab University Calendar, Volume II, 1995, in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

2.1. The examination for the degree of Master of Engineering (Civil, Mechanical, Electrical, Electronics, Chemical, Computer Integrated Manufacturing, Materials & Metallurgy, Electronics, Product Design & Technology) shall have two semesters in a year. The examination for each semester shall be held in November/December and April/May or dates fixed by the Syndicate.

7.2. The thesis shall present an orderly and critical exposition of the existing knowledge of the subject or shall embody result of original investigation and shall demonstrate the capacity of the candidate to do independent research/development work. While writing the thesis the candidate shall lay out clearly the work done by him independently and the source/s from which he has obtained other information contained in his thesis.

7.3(a). The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the third semester of the course, provided that he has appeared in all the theory papers up to the second semester examination. The result of the thesis shall, however, be declared after the candidate passes in all the ten theory papers. The thesis will be examined and placed in either A, B, C or D grades. A - Excellent, merit distinction, B - Good, C - Satisfactory and D - Rejected.

In case, the candidate's thesis is rejected (Grade D) or he is unable to complete the thesis in the third semester, he will be allowed two years more at the maximum for submission of thesis or its revision.

8.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be –

- (a) 40 per cent in each theory paper;
- (b) 50 per cent in the sessional part of each paper.

The theory, sessional and thesis will be treated independently for the purpose of passing the examination.

8.2(i). Subject to Regulation 1.1 if a candidate fails/remains absent, though eligible to appear in the examination part of a subject, will have to reappear in that part in a subsequent examination to pass the examination. If a candidate fails in internal assessment/sessional, he will be required to improve his internal assessment/sessional marks by doing extra work to the satisfaction of the Chairman of the Department /Principal of the College on recommendation of the concerned teacher that this improvement can be only up to 50% marks. Such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.

(i) Examination fee in each semester examination subject to a maximum of fee prescribed by the Syndicate from time to time for examination concerned will be charged. Examination fee for reappear would be in addition to the examination fee charged for other semesters examination, if any, in which he was appearing.

(ii) A candidate who has qualified for the award of Master of Engineering degree from the Panjab University may be allowed to reappear in the subject/s in which he wants to improve his previous performance. For this purpose, he may be given one chance within a period of two years from the date of his passing the Master of Engineering examination. Improvement will not, however, be allowed in internal assessment/sessional/dissertation/thesis/viva-voce and practicals. The candidate will be charged fee for each subject, or the maximum examination fee prescribed by the Syndicate from time to time for the examination concerned. Such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.

9. Successful candidates shall be classified as under:

- (a) those who obtain 75 per cent or more of the aggregate marks of all the theory papers and the sessionals and also if the thesis has been judged to merit distinction (A Grade) provided that the candidate concerned has cleared the examination in each subject at the first attempt (i.e. the : First Division with distinction

(i) that the Chairman/Principal, Home Science College be requested to recommend the names of requisite number of examiners after confirming their availability/obtaining consent.

- (ii) thereafter, the list of all such examiners be put up to the Vice-Chancellor for appointing two persons and placing the remaining ones on the waiting list.
- (iii) the two examiners appointed as above will be asked to evaluate the Ph.D. thesis within two months from the date of despatch of thesis if they are residing in India and in three months time if they are living abroad.
- (iv) in case the duly evaluated theses are not received within the stipulated period, another copy of the thesis be despatched to the third examiner.
- (v) the first two reports of the thesis received in the office will be taken into consideration for the award of the Ph.D. degree and the third one, received later on, will be ignored.
- (vi) the examiners may recommend:
 - that the thesis be accepted for the award of the Ph.D. degree;
 - or
 - that the thesis be rejected;
 - or
 - that the thesis be allowed to be re-submitted with improvement(s) and for this purpose, may make such suggestions as they may deem fit, provided that the candidate shall ordinarily resubmit the revised thesis within one year of the date of supply of comments of the examiner(s) to him by the University. Special extension may be given by the Dean of University Instruction up to the maximum of one year. The delay in the resubmission of revised thesis even after the expiry of special extension period may be condoned up to the maximum of one year by the Joint Research Board.

7. **Regulations 3, 9, 11 and 16.2 for Doctor of Philosophy in the Faculty of Engineering & Technology at pages 369-373 of P.U. Calendar, Volume II, 1995 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

3. The title of the thesis, the synopsis and the guides recommended by each Research Degree Committee shall be considered by the Research Board which shall consist of-

- (a) Dean of the Faculty of Engineering & Technology;

- (b) Principals of Engineering Colleges/Head of the Department of Chemical Engineering & Technology in case of the University Department;
- (c) Professors in affiliated Engineering Colleges and Professors of Chemical Engineering & Technology Department;
- (d) Three experts nominated by the Syndicate on the recommendation of the Faculty;
- (e) One specialist co-opted by the above members for the occasion.

The term of office of the Board shall be two years and the Board will meet ordinarily once in each quarter of Calendar Year.

9. The candidate shall submit along with his application for Ph.D. degree four copies of his thesis neatly printed or type-written or published by his own name, accompanied by a fee (prescribed by the Syndicate) and a certificate from his supervisor or Head of the Department, as the case may be, of his having completed his research indicating the period for which the candidate has done research work and whether the thesis is worthy of consideration for award of Ph.D. degree.

The thesis shall be accompanied by a declaration signed by the candidate that it is entirely his own work; and a certificate that it has not previously formed the basis for the award of any degree, diploma, associateship, fellowship or other similar title of recognition.

11. Such application for extension must be submitted to the University before the expiry of date for submission of thesis. Such extension will be granted for one year at a time subject to a maximum of three years, beyond which ordinarily no further extension will be granted by the Research Board.
- 16.2. A candidate who is required to resubmit the thesis must do so immediately on expiry of six months from the date of intimation of the decision of the University to him, unless extension is specially given by the Research Degree Committee concerned. However, such extension will not ordinarily be more than two years in any case. The revised thesis shall reach the University accompanied by half the amount of prescribed fee.

8. **Regulations for B.Sc. (Honours) in Ophthalmic Techniques courses of the Panjab University Calendar, Volume II, 1995 as per Appendix in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

1. The duration of the course for B.Sc. (Honours) in Ophthalmic Techniques shall be three years. There shall be two semesters in each year. First

semester shall ordinarily be from July to December and second semester shall be from January to May.

2. Admission requirement for the course shall be:-

(i) Candidate who has secured 50% marks in 10+2 (Science) or 10+2 (Vocational Course in Ophthalmic Techniques).

OR

(ii) Part I of B.Sc. Course of Panjab University.

OR

(iii) Any other examination recognized by the Syndicate as equivalent to (i) or (ii).

3. The syllabi and courses of reading for B.Sc. (Honours) in Ophthalmic Techniques shall be as approved by the Faculty of Medical Sciences from time to time.

4. Every candidate for B.Sc. (Honours) in Ophthalmic Techniques shall send his application through Chairman/Head of the Department accompanied by the following certificates:

(a) of good moral character;

(b) of having attended at least 66% of the total number of lectures and practicals separately in each course*; and
(*A course means a paper in theory and practical);

(c) of having passed the earlier examinations.

The Director-Principal of the College is empowered to condone the shortage in attendance of lectures to the extent of 10% lectures delivered in each course of theory and practical.

5.1. The last dates by which admission forms and fees must reach the Controller of Examinations without or with late fee as prescribed by the Syndicate from time to time shall be fixed by the University.

5.2. The amount of the admission fee for each semester to be paid by a candidate shall be as prescribed by the Syndicate from time to time.

6. Examination in theory/practical shall be held at the end of each semester according to the scheme of examination approved by the Faculty of Medical Sciences.

7. The examination conducted at the end of each semester will be only in these courses, which have been offered, in the semester i.e. 1st, 3rd and 5th semesters in December and 2nd, 4th and 6th semesters in May.
8. A student shall be promoted to the next semester subject to the following conditions:
 - (a) The students are required to obtain 40% marks, in each course at theory and practicals (Major, Subsidiary) for a pass in that course and to earn the number of credits assigned to that course.
 - (b) A student shall be allowed to join the second year of Honours Course if he has earned a minimum of 24 credits in the first year (credits in the case of Honours students of Basic Medical Sciences) of the credits earned, a minimum of 50% credits must be in the major subject.
 - (c) A student shall be admitted to the third year of Honours Course if he has earned a minimum of 48 credits in the first two years (56 credits in the case of Honours students of Basic Medical Sciences). However, he/she must have obtained at least 50% of the credits assigned to the major subject for the first two years.
 - (d) A student who has not completed the maximum number of credits required to be completed in a year shall be allowed to clear the papers (in which he has failed), when the examination for this course is given for the regular students. However, no student can take the reappear examination in more than 50% of the number of papers he is normally required to take. For example, in the third semester, if the regular load of a student is 20 credits, he can take the reappear examinations for not more than 10 credits of the first semester.
 - (e) Having obtained 80 or more credits (96 or more in the case of students of Basic Medical Sciences) in the B.Sc. (Honours) a candidate may seek the award of the B.Sc. Pass degree in case he wishes to discontinue the Honours Course. The division in the case of such candidates shall be determined by the regulations as for the Honours students taking into account the best of the 80 credits which he has obtained.
 - (f) For the purpose of determining the division, aggregate marks obtained by the candidate in all the six semester examinations for all the subjects (major, subsidiary and practicals) shall be taken into account.

- (g) Notwithstanding the above conditions, every student must complete the entire B.Sc. (Honours) course within 5 years from the date of admission to First Semester.
- 9.1. The question papers shall be set jointly by the External and the Internal examiners. In case there are more than one person teaching the course, the Director-Principal of the College shall decide one of them to be the Internal examiner.
- 9.2. The evaluation shall be done by the External and Internal examiners independently. The answer-books shall first be evaluated by the External examiner, who shall not put marks in the answer-book and send those to the internal examiner and the award list to the Controller of Examinations. These shall then be examined by the internal examiner. In case the marks obtained by the candidate in a particular case differ up to 15% of the maximum marks, the average of the two awards would be assigned to a candidate. In case the difference is more than 15% it would be referred to a Third examiner and the average of the two best awards would be assigned to the candidate.
- 9.3. The re-evaluation of answer-books shall be permissible as per rules laid down by the University for re-evaluation from time to time.
- 10.1. The results will be tabulated and declared by the Controller of Examinations office.
- 10.2. The successful candidates shall be classified into three divisions as under:
- | | | |
|-------|---|-------------------|
| (i) | Those who obtain 60% or more of the total marks | : First Division |
| (ii) | Those who obtain 50% or more but below 60% of the total marks | : Second Division |
| (iii) | Those who obtain 40% or more but less than 50% of the total marks | : Third Division |
11. The candidates shall be provided with the detailed marks cards of each semester. The degree shall indicate the division in which the candidate has passed the examination. The date of entry and leaving the Honours Course shall also be shown on the certificate of the Degree awarded to such candidates.

9. Regulations for Master of Law examination w.e.f. the session 2000-2001 of the Panjab University Calendar, Volume II, 1995 as per Appendix in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

1.1. The duration of the course of instruction for the Master of Laws shall be two years.

1.2. The examination shall be held in two parts, viz. Part-I at the end of the first year and Part-II at the end of the second year.

The examination in Part-I and II shall ordinarily be held in the month of April/May on such dates as may be fixed by the Syndicate.

1.3. The last date for receipt of examination admission form and fee with and without late fee as fixed by the Syndicate shall be notified by the Controller of Examinations.

2.1. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the first year (Part-I) class of the LL.M. course:

(i) LL.B. degree examination of the Panjab University.

or

(ii) Any equivalent examination of any other University recognized by the Syndicate for this purpose.

2.2. A person who has passed at least three out of four papers prescribed for LL.M. Part-I examination shall be eligible to join LL.M. Part-II class.

However, if he fails to appear/pass in minimum of two out of four papers, he shall be declared as fail and shall not be eligible for re-admission to LL.M. Part-I. In case, a candidate passes two out of four papers, he shall be eligible to reappear in the remaining two papers as a private candidate. A failed candidate shall have the option to reappear in all the four papers of LL.M. Part-I as a private candidate subject to relevant regulations.

3.1. The examination in Part I/II as the case may be, shall be open to a student who has his name submitted to the Controller of Examinations by the Head of the University Department of Laws and produces the following certificates signed by the Head of the University Department:

i) of good character;

- ii) of having remained on the rolls of the University Department for the academic year preceding the examination;
- iii) of having attended not less than 66 per cent of the lectures delivered to his class in each of the subjects; and
- iv) of having satisfactorily done his class assignments.

3.2. A deficiency in the required number of lectures may be condoned as under:

- (a) up to 15 by the Head of the Department;
- (b) up to 30 by the Syndicate.

3.3. A candidate shall have to clear the courses offered for LL.M. Part I and Part II examination within a span of five years from the date of his admission to LL.M. Part-I.

3.4. A candidate who has completed the prescribed course of instruction for LL.M. Part I/II examination, as the case may be, in the University Department of Laws but has not appeared in the examination or having appeared has failed may be allowed, on the recommendation of the Chairman/Head to appear in the examination as a late college student without attending a fresh course of instruction.

Provided that such a candidate shall have to clear the courses offered for LL.M. Part-I and Part-II examination within a span of five years from the date of his admission to the LL.M. Part-I.

4.1. The amount of examination fee to be paid by a candidate for examination for LL.M. Part-I and LL.M. Part-II each and the fee for LL.M. Part-II dissertation and/or viva-voce shall be as prescribed by the Syndicate from time to time.

4.2. A candidate who reappears in the examination or in any paper thereof shall pay an admission fee as may be prescribed by the Syndicate from time to time.

5.1. The examination of LL.M. Part-I & Part-II shall be held in accordance with the syllabus prescribed by the Board of Studies in Law and approved by the Faculty of Law.

5.2 (a) A candidate of LL.M. Part-II shall apply to the Chairman of the Department of Laws for approval of the subject of his dissertation in LL.M. Part-II within two weeks of his admission to LL.M. Part-II.

- (b) The Chairman in consultation with the academic committee shall appoint a suitable teacher to supervise and guide the student in preparing of his dissertation.
 - (c) Each LL.M. Part-II student shall be examined in viva-voce by a Board of Examiners to be appointed by the Academic Committee and approved by the D.U.I. comprising the Chairman, Supervisor and two senior Professors of the Department.
- 5.3 (a) A candidate shall submit dissertation with the approval of the Chairman, within one month of commencement of examination and viva-voce shall be conducted when dissertation award of the candidate has been received.
- (b) Three type-written copies of the dissertation shall be submitted to the Controller of Examinations through the Chairman along with a certificate by the Supervisor that dissertation has been written by the candidate under his supervision and guidance.
 - (c) A candidate may submit his dissertation irrespective of the number of courses which he has failed to pass or failed to appear in.
 - (d) A candidate who has failed in LL.M. Part-I or Part-II examination but has obtained pass marks in dissertation and viva-voce combined may, at his option, be allowed to carry forward the marks in dissertation and viva-voce for a period of five years from the date of admission to LL.M. Part-I class without fresh assessment of the dissertation and assessment in viva-voce.
 - (e) A candidate in a particular group in LL.M. Part-II examination who passes in two out of the three papers (excluding dissertation and viva-voce) may be allowed to reappear in the paper in which he has failed to pass or failed to appear.
6. The medium of examination shall be English.
7. The maximum number of marks required to pass Part-I/Part-II examination, as the case may be, shall be:
- (i) 45% in each paper; and
 - (ii) 50% in the aggregate.

8.1. Successful candidates of LL.M. Part-I and Part-II examinations shall be classified as under and the division obtained shall be stated in the degree certificate:

- (a) Those who obtain 75% or more of the aggregate number of marks in Part-I and Part-II examinations taken together : First Division with distinction
- (b) Those who obtain 60% or more but less than 75% of the aggregate number of marks in Part-I and Part-II examinations taken together : First Division
- (c) Those who obtain less than 60% of the aggregate number of marks in Part-I and Part-II examinations taken together : Second Division

8.2. The Controller of Examinations shall publish the result four weeks after the termination of the examination or as soon thereafter as possible.

8.3. The successful candidates of Part-I shall receive a certificate of having passed that part of the examination.

10. Regulations for Master of Technology (Micro-Electronics) course and given effect to from the admission of 1999-2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

1. The duration of the course of the degree of M.Tech. (Micro-Electronics) for regular candidates shall be of three semesters-18 months. The maximum period in which such a candidate must qualify for the degree shall be four academic years, failing which he shall not be allowed to continue his studies for the course.

2.1. A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to M.Tech. (Micro-Electronics) course:

- (a) B.E./B.Tech. or equivalent degree in Computer Science & Engineering or Electrical or Electronics or Micro-Electronics or Electronics and Electrical Communication or Electronics and Telecommunication or Information Technology or Instrumentation Engineering or M.Sc. (Applied Physics) or M.Sc. (Physics) with

specialization in Electronics or M.Sc. in Electronics (as approved by AICTE) with minimum 50% marks in aggregate.

- (b) A candidate who has passed A & B Sections of Institution of Engineers (Calcutta) Examination or I.E.T.E. Graduate Examination (conducted by the Institution of Electronics & Telecommunication Engineers, New Delhi), in the Engineering branches listed at 2.1(a) with at least 50% marks may be admitted to M.Tech. (Micro-Electronics) course.
- 2.2. Admissions will be made as per procedure prescribed by the Syndicate from time to time.
- 3.1. The examination for the degree of M.Tech. (Micro-Electronics) shall have two semesters in a year. The examination for each semester shall be held in December/January and May/June on such dates as fixed by the Syndicate.
- 3.2. The last date for receipt of examination admission forms and examination fee without and with late fee shall be fixed by the Syndicate.
- 3.3. The dates fixed by the Syndicate in accordance with Regulations 3.1 and 3.2 shall be notified by the Controller of Examinations.
- 3.4. A student who has remained on the rolls of the University Department in M.Tech. (Micro-Electronics) branch for the academic term of the semester concerned and produces the following certificates signed by the Head of the University Department or by the Principal of the College, as the case may be, shall be eligible to appear in the examination in that semester:
- (i) good character;
 - (ii) having attended for each subject not less than 75% of the lectures and 75% of the total sessional work; in tutorials, design laboratory work and seminars and of having acquitted himself creditably in all the exercises or periodical examination conducted by the University Department or the College, as the case may be, from time to time.
4. A deficiency in the required number of lectures and practicals may be condoned up to 10 per cent in each course by the Head of the University Department/Principal of the College, as the case may be, for reasons to be recorded.
5. The amount of admission fee to be paid by the candidate shall be as prescribed by the Syndicate from time to time.

6.1. Every candidate shall be required to offer for examinations:

- (a) 10 theory papers out of the list approved by the Faculty of Engineering & Technology from time to time - selection to be made on the advice of the Head of the Department/Principal, provided that no candidate shall be allowed to enrol in more than five papers in each semester. Further, no candidate shall be allowed to qualify in more than five papers at the end of the first semester of the first year of the course and not more than ten papers (including the papers passed in the first semester), at the end of the first year of the course.
- (b) A thesis, of which four neatly typed/printed copies properly bound, shall be submitted to the University.

6.2. The medium of Instruction and Examination shall be English.

7.1. The candidate shall pursue his/her thesis work under the supervision of the teacher concerned in the University Department/College/Collaborating Institution and a Joint Supervisor from any other Institution. If, however, the Head of the Department/Principal is satisfied that facilities for preparing the thesis exist elsewhere, he may allow that candidate to prepare his/her thesis there. However, a candidate shall spend a minimum period of four weeks under the direct supervision of his teacher or in the Department/College.

7.2. The thesis shall present an orderly and critical exposition of the existing knowledge on the subject or shall embody results of the original investigations and shall demonstrate the capacity of the candidate to do independent research work. While writing the thesis, the candidate shall lay out clearly the work done by him independently and the sources from which he has obtained other information contained in the thesis.

7.3. The thesis shall be submitted by the candidate at any time during the third semester of the course provided that he has appeared in all theory papers up to the third semester examination. The result of the thesis shall be declared after the candidate passes in all the 10 theory papers. In case, the candidate's thesis is rejected or he is unable to complete the thesis in the third semester, he will be allowed one more year at the maximum for submission of thesis or its revision.

Provided further that the extension beyond the above limit but not exceeding one year may be allowed by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Principal/Head of the Department, as the case may be.

- 7.4. There shall be a viva-voce test on the subject matter of the thesis. The examiners may, if they consider it necessary also require the candidate to undergo a written and/or a practical test.
- 8.1. The minimum number of marks required to pass the examination shall be:-
- (a) 40 per cent in each theory paper/course;
 - (b) 50 per cent in the sessional/assessment part of each paper/course. Both the theory examinations and sessional examinations will be considered independent of each other. Aggregate pass percentage will be 50%.
- 8.2. Subject to Regulation 1 a candidate who has failed in any paper/s may be allowed to reappear in any subsequent examination to pass the examination in that paper on the payment of requisite admission fee per paper in each semester examination subject to a minimum of amount prescribed by the Syndicate for the examination concerned and admission fee charged for other semester examination, if any, in which he/she was appearing provided that such a candidate shall not be placed in the category of 'Pass with distinction'.
9. Successful candidates shall be classified as under:-
- (a) Those who obtain 75 per cent or more of the aggregate marks of all the theory papers and in sessional at least fifty per cent marks in each theory paper and also if the thesis has been adjudged to merit distinction, provided that the candidate concerned has cleared the examination in each paper at the first attempt. : Pass with distinction
 - (b) Those who pass all the theory papers and the sessional but are not entitled to be classified as having been placed in Pass with distinction. : Pass
10. Four weeks after the termination of each semester examination or as soon as possible, the Controller of Examinations shall publish the result. Every successful candidate shall receive a certificate of having passed that semester of the examination. A candidate who has passed all the semester examinations shall be awarded the degree in accordance with Regulations.

11. A person who has passed in all the theory papers but has not completed the thesis may be granted Post-graduate Diploma in Micro-Electronics.

CHANDIGARH-160014
DATED: 24-3-2004

(H.C. Malhotra)
Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the common Seal of Panjab University, this day, 24-3-2004.

Paramjit Singh
(Paramjit Singh)
Registrar

PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH

No. 5-2004/G.R.

The Central Government, Ministry of Human Resource Development, Department of Secondary & Higher Education, New Delhi, have accorded approval vide their letter No. F.2-8/2000-Desk (U), dated 17.7.2003 to the following Regulations:

1. **Regulation 4 at page 56 of P.U. Calendar, Volume I, 2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

4. The Boards of studies in the following subjects and their Conveners shall be nominated by the Syndicate:

I to XI xxx xxx xxx xxx

XII Art and Fine Arts

XIII to XLIV xxx xxx xxx

2. **Regulation 28.3 relating to 'Moderation of Question Papers and Results of Examination' at page 24 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

28.3. A candidate who appears in B.A./M.Sc./M.Com./M.F.C./M.Lib.Sc./M.Ed./M.P.Ed. examination, may be given grace marks up to 1% of the total marks of the examination to enable him to secure 55% of the total marks.

Provided that the grace marks have not already been availed of by the candidate for passing the examination.

Regulation 9 for B.A./B.Sc. (General & Honours) examination at page 49 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette:

9. Member of the Regular Armed Forces or Air Force are permitted to offer the subject of Defense & Strategic Studies as private candidates without attending the required number of parades in an affiliated college.

4. **Regulation 2.1 for Master of Arts examination at page 77 of Panjab University Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the session 2001-2002 in anticipation of the approval of the University bodies/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

2.1. The examination for the degree of Master of Arts shall be held in the following subjects and a candidate shall offer one of them:

(i) to (xix) xxx xxx xxx

(xx) Sociology

5. **Regulation 11.1 (e) for Master of Arts/Science examination (Semester System) (revised at page 91 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the admissions of 2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Govt. of India Gazette:**

11.1 (e). For M.Sc. Statistics Course, a candidate shall be eligible only if he has passed B.A./B.Sc. (General or Honours) with Statistics/Mathematics obtaining either at least 50 per cent marks in the aggregate or at least 45 per cent marks in Statistics/Mathematics.

6. **Regulation 2.1(i) for Master of Computer Applications examination at page 155 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the admissions of 2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Govt. of India Gazette:**

2.1. The minimum qualification for admission to the First year of the course shall be:

- i. Bachelor's degree of Panjab University under 10+2+3 system of examination with at least 50 per cent marks in any discipline.
- ii. B.E. /B.Tech.
- iii. Any other examination recognized by the Syndicate as equivalent to (i) and (ii) above.

7. **Regulation 1 for Master of Philosophy in the Faculties of Arts, Languages, Education, Science, Design & Fine Arts and Business Management & Commerce at page 172 of P.U. Calendar, Volume II, 2000, in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette:**

1. A candidate for the Degree of Master of Philosophy in the Faculty of Arts, Languages, Education, Science, Design & Fine Arts and Business Management & Commerce should have obtained the Master's degree from the Panjab University or from another University, an examination of which

has been recognized as equivalent thereto by this University in the first division (50% marks in the subject concerned). For M.Phil. in Gandhian Studies, Master's degree in the subject will be determined by the Board of Control with the approval of the Dean of University Instruction. For M.Phil. in Sociology, a candidate should have obtained Master's degree in the subject of Sociology or Anthropology (Social Anthropology) with 50% marks.

8. Change of title of Diploma of Acharya in Sanskrit Language & Literature examination at page 202 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

ACHARYA IN SANSKRIT LANGUAGE & LITERATURE

9. Change of nomenclature of One Year Intensive Diploma Course in Russian to Advanced Diploma Course in Russian at page 262 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the academic session 2002-2003 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

ADVANCED DIPLOMA COURSE IN RUSSIAN

10. Regulation 2, 3.1, 3.2, 13, 20 and 23 for Bachelor of Commerce (General & Honours) examinations at pages 300-307 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the session 2000-2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.

1. The B.Com. (General) programme of study shall consist of 29 credits. One credit shall carry 50 marks.

- 3.1. (A) Admission to the first year of B.Com. (General) degree course shall be open to a person who has passed one of the following examinations conducted by a recognized Board/Council/University:

- (a) +2 examination or B.Com. Part-I (Old Scheme) of Panjab University with three of the following subjects securing at least 40 per cent marks in the aggregate:

Commerce (or theory of commerce or foundation course in commerce) Accountancy (or Book Keeping and Accountancy).

Economics

Mathematics (or Statistics)

Business Organization (or Business Management, or Theory and Practice of Management) Insurance (or General Insurance or Life Insurance)

Banking and Trade

Commercial Geography

Office Management and Secretarial Practice (or Office Organization and Management)

Mercantile Law (or any Company Law)

Auditing

Typewriting and Stenography/Computers (for typewriting)

- (b) +2 Examination or B.A Part I (old Scheme) of Panjab University with at least two of the subjects mentioned in (a) securing at least 45% marks in aggregate;
- (c) +2 examination or B.A. Part I/B.Sc. Part I/Pre-Engineering/Pre-Medical Examination of the Panjab University under the Old Scheme not covered in (b) securing at least 50% marks.
- (d) Any other examination recognized by the University as equivalent to (a) or (b) or (c) as given above with requisite percentage of marks given under each clause.

Provided that a candidate seeking admission to the first year of B.Com. should have passed in the subject of English at the +2 examination and in cases where passing in English is not necessary according to the regulations of certain Boards/Bodies/Councils/Universities in India, the admission of the candidate shall be provisional and will be confirmed only after he has cleared the subject of English as a deficient subject from the parent Board/Body/Council/University in two consecutive chances subsequent to his admission.

Provided further that –

- (a) a compartment candidate at the +2 examination shall be eligible to offer in the B.Com. First Year Class the subject in which he has been placed under compartment subject to the provision under regulation 3 above.

- (b) a candidate who has not passed English as one of the subjects at the +2 examination shall be allowed to offer in the B.Com. First Year class English (as communication skill) but he will have to clear English as a deficient subject, subject to the provision under Regulation 3 above;
 - (c) in case a candidate does not clear the relevant subject at any of the two consecutive chances afforded to him subsequent to the date of his admission, his provisional admission to the First Year of B.Com. Examination shall stand cancelled.
- (B) Subject to the reservations made by the University, the admission shall be on merit. The merit for this purpose shall be determined on the basis of the score of a candidate to be computed as follows :
- (i) Percentage of marks in the qualifying examination.
 - (ii) Add score of 4 for each of the subjects passed from the subjects referred in 3.1 A(a) not exceeding 16 in total.
- (C) B.A./B.Sc. Part II of Panjab University.
- (D) Any other examination recognized by the University as equivalent to (A) or (B) with the requisite Group/subject/s and percentage of marks or (C) above.

Provided that a candidate seeking admission to the First Year of B.Com. should have passed in the subject of English at the +2 examination and in cases where passing in that subject is not necessary according to the Regulations of certain Board/Body/Council/University in India, the admission of the candidate shall be provisional and will be confirmed only after he has cleared the subject of English as a deficient subject from the present Board/Body/Council/University in two consecutive chances subsequent to his admission.

(E) * Provided further that:

- (a) A candidate who has been placed under compartment in the +2 examination conducted by a Board/Bodies/Councils/University in India shall be eligible to seek admission to the First Year of B.Com. Course, provided he fulfils the following conditions :

- (i) He should have been placed in compartment in one subject only.
 - (ii) He should have obtained at least 20% marks in the subject in which he had been placed in compartment, and
 - (iii) He should have obtained the requisite percentage of marks in the aggregate of the examination as laid down in the relevant regulations.
- (b) A candidate who has not passed English as one of the subjects at the 10+2 examination shall be allowed to offer in the B.Com. First year class English (as communication skill) but he will have to clear English as a deficient subject, subject to the proviso under Regulation 3 above.
- (c) In case a candidate does not clear the relevant subject at any of the two consecutive chances afforded to him subsequent to the date of his admission, his provisional admission to First Year of B.Com. examination shall stand cancelled.

3.2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join the Second/Third Year class of the Bachelor of Commerce (General and Honours) course as the case may be:

- (a) Bachelor of Commerce (General and Honours) First/Second Year Examination of the University under 10+2+3 system.
- (b) Bachelor of Commerce First Year or Second Year examination under 10+2+3 system of education from any University, the B.Com. examination of which is recognized as equivalent to B.Com. examination of this University if the subjects/courses offered were the same as prescribed by this University. In case there is some deficiency in the subjects/courses, he shall have to clear the deficient subjects/courses, if any at the next two consecutive examinations. If he fails to clear the deficient subjects/courses, his result of B.Com. Second Year or B.Com. Third Year as the case may be, shall stand cancelled.

Provided that the marks obtained by the students in B.Com. First Year or Second Year examination as the case may be, shall be counted towards his division and the marks obtained in the examination concerned shall be normalized by increasing or

decreasing the maximum marks in accordance with the maximum marks prescribed by the Panjab University.

13. The successful candidate shall be classified as under on the basis of aggregate marks obtained in the First Year, Second Year and Third Year Examinations taken together:

(a) Those who obtain 60 per cent marks : First Division or more of the aggregate marks.

(b) Those who obtain 50 per cent or more : Second Division but below 60 percent of the aggregate marks.

(c) Those who obtain less than 50 per cent : Third Division of the aggregate marks.

The top ten candidates qualifying the examination in the first attempt shall be placed on the merit list.

20. The Honours examination shall consist of two additional papers out of which paper (i) shall be taken along with the Second Year examination and paper (ii) with the B.Com. Third Year examination. Each paper shall carry two credits.

23. The minimum marks required to qualify for Honours in the B.Com. course shall be-

(a) 50% marks in the aggregate of B.Com. First, Second and Third Year examinations.

(b) 45% marks in each paper separately and 50% marks in aggregate in Honours subject.

Note : The students who have been admitted to B.Com. I and B.Com. II in 1994-95, shall continue to be governed by existing Regulation 2 in respect of credits and marks till the completion of their course.

11. **Regulation 19 for Bachelor of Commerce (Honours) examination at page 305 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the academic session 2000-2001 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

19. In addition to the B.Com. Second year and B.Com. Third Year examination, a candidate may offer Honours in any one of the following five subjects:

1. **Business Economics.**

- (i) Industrial Transport Economics.
- (ii) International Trade & Foreign Trade

2. **Business Law**

- (i) Economics & Labour Law Legislation
- (ii) Banking & Insurance Legislation

3. **Business Finance & Accounting**

- (i) Business Finance & Financial Management
- (ii) Accounting Theory

4. **Business Management**

- (i) Management Techniques
- (ii) Organizational Behaviour

5. **Electronic Commerce**

12. **Regulation 3(a) for Master of Commerce examination at page 316 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the session 2001-2002 in anticipation of the approval of Government of India/publication in the Govt. of India Gazette.**

3. The minimum qualification for admission to the first semester of the course shall be:

(a) A Bachelor's degree in Commerce or Business Administration with not less than 45% marks in the aggregate; or

(b) to (g) XXX XXX XXX

13. **Change of title for Bachelor of Engineering examinations at page 377 of Panjab University Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the Session 2000-2001, in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

BACHELOR OF ENGINEERING IN AERONAUTICAL, CHEMICAL, CIVIL, ELECTRICAL, ELECTRONICS & ELECTRICAL COMMUNICATION, MECHANICAL, METALLURGICAL, PRODUCTION ENGINEERING, COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING, INDUSTRIAL AGRO PROCESSING AND INFORMATION TECHNOLOGY.

14. **Regulations for Bachelor of Engineering examinations at pages 377-388 of P.U. Calendar, Volume II, 2000 and be given effect to from the session 2002-2003 in anticipation of the approval of the Senate/Government of India/publication in the Government of India Gazette.**

1. The duration of the course of instructions for Bachelor of Engineering in any of the disciplines will be four years. The teaching period will be divided in eight semesters of approximately 15 weeks each.
2. The subjects to be studied in each semester will be as per scheme of examination indicating the minimum number of lectures to be delivered, distribution of marks in written examination, practical examination, viva-voce examination, internal assessment, sessionals, etc. for each subject. The medium of instruction and examination will be English.
3. The admission to the First semester course in any branch will be through an Entrance Test. It will be open to a candidate who has passed 10+2 examination of the Central Board of Secondary Education, New Delhi or its equivalent with Physics, Chemistry, Mathematics and English with at least 50% marks in aggregate of these subjects provided that in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and Backward classes, as defined by the Govt. of India for the reservation benefit, the requirement shall be at least 45% marks provided they have obtained minimum pass marks prescribed by regulations. Admission of Foreign Nationals/NRI/NRI sponsored will be as per the norms.
4. 1st, 3rd, 5th and 7th Semester examinations will be held in the month of November/December and 2nd, 4th, 6th and 8th semester examinations will be held in the month of April/May every year or on such other dates, as may be fixed by the Syndicate. Besides for 7th & 8th semesters an Additional examination shall be conducted ordinarily in the month of July/August every year.

5. There shall be at least ten lectures/tutorials/practicals/drawing classes during the semester for every hour per week of a subject shown in the schedule of teaching. A student shall be eligible to appear in the examination only if he has attended at least 75% of the classes held as mentioned above. The attendance shall be certified by the Chairman of the Department of Chemical Engineering/Principal of the Engineering College concerned.
6. The Chairman of the Chemical Engineering Department/Principals of Engineering Colleges as the case may be will have the power to condone the shortage of attendance up to 10% only per subject on the merit of the case.
7. A candidate who does not fulfil the attendance requirements in any subject will have to repeat the course of instructions in that subject.
8. A candidate shall be allowed to join the next higher semester provided he has undergone a regular course of studies in all the previous semesters in a sequential order.
9. (a) In addition to the regular papers prescribed for the semester, a candidate appearing in a particular semester examination for the first time will be allowed to appear in a maximum of 10 subjects of lower semester/semesters of which not more than 5 should be theory papers and not more than 5 should be practical papers.

(b) A candidate will be allowed a maximum of 4 attempts to appear in any semester examination. These attempts will be spread over four successive University examinations for odd semesters in November/December and for even semesters in April/May. If a candidate does not avail any chance to appear in any examination, whatever, may be the reason, he/she will not be allowed the relaxation in duration of four years.

(c) A candidate will be required to pass in all the subjects of B.E. course, where minimum pass marks are prescribed in a maximum duration of 8 academic years counted from academic session in which candidate is admitted in B.E. First Semester. If a candidate fails to pass the examination in the period of eight years, his/her candidature will stand cancelled automatically. This period of eight academic years will also include the entire period during which he/she has suspended his/her studies on his/her own or has failed in the examination or debarred by University from taking any examination.

- 10 (a) A candidate will be deemed to have passed in a subject if he obtains 40% marks in the aggregate of the subject (after including marks for university examination and internal assessment put together). Provided further that the candidate must obtain a minimum of 40% marks in the theory subject in the examination conducted by the University also.

EXPLANATION: No pass marks are required for internal assessment/sessional marks.

(b) NON THEORY PAPERS

- (i) A candidate will be deemed to have passed in a non theory subject (Practicals/Seminar/Project/Vocational Training etc.) if he/she obtains the following minimum marks, if not specified in the Scheme otherwise.
- (ii) 40% in the examination marks (if the University Exam. is prescribed); and
- (iii) 50% in internal assessment/sessional marks. However, a candidate will be required to pass the sessional assessment, before appearing in the University examination, if any.

11(a) THEORY PAPER

If the candidate fails in a subject he/she will have to re-appear in the University examination part only in the subsequent examination. However, there will be no improvement in the internal assessment/sessionals for theory papers.

(b) NON THEORY PAPER

If a candidate fails in the examination part of a subject he will have to re-appear in that part in a subsequent examination. If a candidate fails in internal assessment/sessionals he will be required to improve his internal assessment/sessional marks by doing extra work to the satisfaction of the Head of Department provided this improvement can be only up to 50% marks.

- 12.1. If an error is detected in the sessional marks despite every possible care having been exercised, the teacher in charge of the sessional awards will bring the fact to the notice of the Principal for its being placed before the Board of Moderators. If the Board

of Moderators approves the change, then revised awards shall be submitted to the University duly countersigned by the members of the Board of Moderators and Principal of that college for consideration.

12.2. The internal assessment and sessional marks submitted by the teacher concerned will be scrutinized by a committee which will have the powers to moderate the marks before submitting to the University. The Committee shall be appointed by the University on the recommendations of the Conveners of the various Boards of Studies in Engineering except Chemical Engineering. For the Department of Chemical Engineering, the Board of Control will also carry out the functions of this committee of moderators for internal assessment. However, the Principal of the affiliated college will be ex-officio member of all Boards of Moderators.

13. A detailed marks card will be issued for each semester. A candidate will be awarded the degree of Bachelor of Engineering on passing all the subjects prescribed for the degree.

14. The divisions will be awarded as follows:

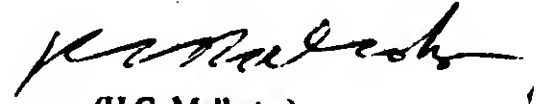
- a) Those who obtain 70 per cent or more of the aggregate marks. : First division with Honours. Provided each subject has been cleared at the first attempt (i.e. first time a candidate has actually sat for the subject in the University examination)
- b) Those who obtain 60 per cent and above but less than 70 per cent of the aggregate marks. : First Division
- c) Those who obtain less than 60 per cent of the aggregate marks. : Second Division

15. Fee for reappearing in each semester examination will be as prescribed by the Syndicate from time to time.

A candidate on reappearing shall pay admission fee as prescribed by the Syndicate from time to time.

CHANDIGARH - 160014

DATED: 24-3-2004



(H.C. Malhotra)

Deputy Registrar (General)

Sealed in my presence with the Common Seal of Panjab University, this day,
24-3-2004.


(Paramjit Singh)
Registrar